



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 45] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 8, 1975 (कार्तिक 17, 1897)
No. 45] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 8, 1975 (KARTIKA 17, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 सितम्बर 1975

सं० ए० 38013/4/74-प्रशासन-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री एच० आर० पन्त को, राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक विभाग के का० शा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार 31 अगस्त, 1975 के अपराह्न से वादर्थक्य निवर्तन आयु हो जाने के कारण सरकारी सेवा से निवृत्ति की सहर्ष अनुमति प्रदान की गई है।

दिनांक 17 अक्टूबर 1975

सं० ए० 32013/1/75-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड की स्थायी अधिकारी कुमारी एस० टी० केसवानी ने, जिन्हें इस कार्यालय अधिसूचना सं० 32013/1/75-प्रशासन-I-दिनांक 18-9-1975 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 25 सितम्बर, 1975 अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवसर सचिव के पद का कार्य भार छोड़ दिया।

1—316GI/75

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद कुमारी एस० टी० केसवानी ने 25 सितम्बर, 1975 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्य भार पुनः संभाल लिया।

प्रभात नाथ मुखर्जी,
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्टूबर 1975

सं० पी०/1852-प्रशा० I—विदेश मंत्रालय में अवर सचिव के पद पर चयन हो जाने के परिणामस्वरूप संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I अधिकारी तथा कार्यरत अवर सचिव श्री एस० एम० बाई नदीम की सेवाएं 8 अक्टूबर, 1975 के पुराह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए, प्रतिनियुक्ति आधार पर विदेश मंत्रालय को सौंपी जाती है।

सं० ए० 32015/1/75-प्रशासन I—संघ लोक सेवा आयोग के के० स० स्टे० से० संवर्ग के स्थानापन्न ग्रेड I अधिकारी श्री एम० सी० खुराना को, जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 10 सितम्बर, 1975 द्वारा उक्त सेवा के चयन ग्रेड में पूर्णतया तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए

(9419)

नियुक्त किया गया था 27-9-75 के अपराह्न से उसी सेवा के ग्रेड I में उसी संवर्ग में प्रत्यावर्तित कर दिया गया है ।

आर० एस० अहलुवालिया,
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली 110001, दिनांक 17 अक्टूबर 1975

सं० ओ० II 742/69-स्थापना—डाक्टर के० सत्यानारायण, ने स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) नई दिल्ली में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 24 सितम्बर, 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस के कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, ग्रुप सैंटर, अवादी के पद का कार्यभार छोड़ा ।

सं० एफ० 2/33/75-ईस्ट (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति, श्री एस० एस० सन्धू उप पुलिस अधीक्षक कम्पनी कमाण्डर (क्वार्टर मास्टर) को उसकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में सहायक कमाण्डर के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं ।

2. श्री एस० एस० सन्धू ने उसकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल की 39 वीं बटालियन में सहायक कमाण्डेंट के पद का कार्यभार 26 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से सम्भाला ।

दिनांक 18 अक्टूबर 1975

सं० ओ II-1032/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर श्रीमती ज्योतसनमाय नायक को तदर्थ रूप में केवल 3 माह के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनको 1-10-75 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं ।

डाक्टर श्रीमती ज्योतसनमाय नायक को ग्रुप सैंटर हास्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल पूना में नियुक्त किया जाता है ।

दिनांक 20 अक्टूबर 1975

सं० ओ-II-1239/75-स्थापना—श्री दुर्गा दान ने उनको सूबेदार के पद पर परावर्तन होने के फलस्वरूप 2 सिग्नल बटालियन, के० रि० पु० दल में उप-पुलिस अधीक्षक का कार्यभार 5-7-75 अपराह्न को त्याग दिया ।

II

राष्ट्रपति, सूबेदार दुर्गा दान को उनकी पदोन्नति के फलस्वरूप के० रि० पु० दल में अस्थायी रूप से अगले आदेश जारी होने तक छुट्टी पर होने वाले रिक्त स्थान पर उप-पुलिस अधीक्षक के पद पर 14-7-75 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं ।

श्री दुर्गा दान को उप-पुलिस अधीक्षक के पद में पदोन्नति के फलस्वरूप 2 सिग्नल बटालियन में तैनात किया जाता है । उन्होंने उनके पद का कार्यभार 14-7-75 पूर्वाह्न से सम्भाल लिया ।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासक)

समबन्ध निदेशालय
(पुलिस बेतार)

नई दिल्ली-110003, दिनांक 15 अक्टूबर 1975

सं० ए० 38/11/75-वायरलेस:—श्री बी० के० दास गुप्ता, सहायक बीज लेख को दिनांक 30-9-75 पूर्वाह्न से अतिरिक्त सहायक निदेशक (बीजलेख) के पद पर बिल्कुल तदर्थ आधार पर अगले आदेश होने तक के लिये नियुक्त किया जाता है ।

छत्तपति जोशी,
निदेशक
दूर संचार

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली 110003, दिनांक 22 सितम्बर 1975

सं० ई-38013 (3)/18/75-प्रशा० I—पारादीप पोर्ट ट्रस्ट को स्थानान्तरित होने पर, श्री बी० दलाई ने दिनांक 16-8-75 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत कोकिंग कोल लि०, झरिया, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

दिनांक 10 अक्टूबर 1975

सं० ई-38013 (3)/8/75-प्रशा० I—राउरकेला स्टील प्लांट से स्थानान्तरित होने पर, श्री आर० जी० थम्पी, ने दिनांक 19-9-75 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, आई० एस० आर० ओ०, थुम्बा, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया ।

दिनांक 18 अक्टूबर 1975

सं० ई-31011 (2)/3/74 प्रशा० I—निरीक्षक के रूप में प्रत्यावर्तित होने पर, श्री विनय खुल्लर ने दिनांक 11 अक्टूबर, 74 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, झरिया, की 17 वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

एल० एस० बिस्ट,
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 अक्टूबर 1975

सं० पी/एस (51)-ए डी I—सेवा निवृत्ति के परिणाम स्वरूप, श्री आर० एम० एल० सक्सेना अनुसंधान अधिकारी जो कि उक्त पद पर तदर्थ रूप से कार्य कर रहे थे, अपना कार्यभार दिनांक 30 सितम्बर, 1975 (अपराह्न) को सौंप दिया ।

सं० नं० 25/94/72-आर० जी० (ए० डी०)—श्री के० एन० कश्यप, भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी (हिमाचल प्रदेश संवर्ग) के आबकारी और कराधान आयुक्त हिमाचल प्रदेश, के पद पर नियुक्ति के परिणामस्वरूप, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारी के कार्यभार को दिनांक 29 सितम्बर, 1975 (अपराह्न) सौंप दिया ।

बद्री नाथ,
भारत के उप-महापंजीकार और पदेन उपसचिव

सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

हैदराबाद-500252, दिनांक 15 अक्टूबर 1975

संख्या 41/13/75-स्थापना—गृह मंत्रालय, भारत सरकार के पुलिस अनुसंधान एवम विकास ब्यूरो के उप निदेशक के पद से स्थानान्तरित होकर, आंध्र प्रदेश राज्य सेवा संवर्ग के श्री सहमूद बिन मुहम्मद, आई० पी० एस० ने सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में दिनांक 6-10-75 के पूर्वोक्त से उपनिदेशक (ट्रेनिंग) का कार्यभार सम्भाला ।

एस० एम० डायज,
निदेशक

वित्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 6 अक्टूबर 1975

सं० 1038(ए)—श्री वाय० आर० वैद्य, निरीक्षक, केन्द्रीय मुद्रांक भाण्डार, को पुति अधिकारी के पद पर (द्वितीय श्रेणी राजपत्रित पद) तदर्थ रूप में दिनांक 6 अक्टूबर, 75 से 29 फरवरी 1976 तक नियुक्त किया जाता है अथवा तब तक नियमित रूप से जब तक इसके पूर्व ही उक्त पद की पूर्ति न हो जाये ।

वि० ज० जोशी,
महाप्रबंधक
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110001, दिनांक 15 अक्टूबर 1975

प्रशासन कार्यालय आदेश सं० 502—श्रीमान महालेखाकार ने इस कार्यालय के निम्नांकित स्थानापन्न लेखाधिकारियों को उनके नाम के समक्ष दर्शाई गई तिथियों से लेखाधिकारियों के स्थायी पदों के समक्ष समय वेतनमान रु० 840-1200 में मूलरूप (सब्सटेंटिवली) से कार्य करने हेतु नियुक्त किया है :—

क्रमांक	नाम	लेखाधिकारी के रूप में मूल (सब्सटेंटिव) नियुक्ति की तिथि
---------	-----	---

सर्वश्री		
1.	कृपाल सिंह	16 फरवरी 1975
2.	ए० सी० ओपड़ा	1 मार्च 1975
3.	के० के० शीवान	1 मार्च 1975
4.	के० एल० डल	1 मार्च 1975
5.	पी० सी० विजयन	1 मार्च 1975
6.	आर० एन० गुप्ता	1 मार्च 1975
7.	आर० पी० कोहली	1 मार्च 1975
8.	एस० एम० गुप्ता	1 जून 1975

हरचरत सिंह दुगल,
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार, कर्नाटक

बैंगलूर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

सं० स्थापना 1/ए 4/ 269—महालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक, बैंगलूर के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा अधिकारियों को उनके नाम के आगे दिखायी तारीख से स्थायी रूप में लेखा अधिकारियों के पदक्रम में उसी कार्यालय में नियुक्त किया गया है :—

सर्वश्री

1. जे० आर० सच्चिदानंद भाट्टा 1-1-1975 (पूर्व दिनांकित)
2. एस० बालकृष्णन 20-2-1975
3. एम० सी० सम्पत्तकुमारन 1-4-1975
4. के० सुन्दरम 1-7-1975

डि० हेच० वीरय्या,
महालेखाकार

कार्यालय महालेखाकार, उत्तर प्रदेश-प्रथम

इलाहाबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1975

सं० प्रशासन-1/11-144(xi)/3247—महालेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम) इलाहाबाद ने निम्नांकित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे अंकित तिथि से आगामी आदेशपर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी नियुक्त किया है :—

सर्वश्री

1. सुधांशु कुमार मुखर्जी 18-9-1975 (अपराह्न)
2. राम किशोर अग्रवाल 18-9-1975 (अपराह्न)

यू० राम चन्द्र राव,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 15 अक्टूबर 1975

सं० 40011(2)/75-प्रशा० ए—(1) वार्धक्यनिवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा ।

क्रम सं०	नाम, रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना को अन्तरण की तारीख	संगठन
1	2	3	4	5
1.	श्री एस० आर० सुब्रह्मण्यन (पी/68)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-75	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रक्ष, दक्षिण, मद्रास)

1	2	3	4	5
2.	श्री मेहर सिंह (पी/112)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-75	रक्षा लेखा, नियंत्रक, मध्य कमान मेरठ
3.	श्री बी० एच० कटककर (प्रो/67)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अफसर पूना)

श्री बी० एच० कटककर, स्थायी लेखा अधिकारी को 8-10-75 से 28-12-75 तक की अर्जित छुट्टी तथा 29-12-75 से 31-1-76 तक की अर्द्धवेतन छुट्टी मंजूर की गई है।

(2) सिविल सेवा विनियमावली जिल्द I के अनुच्छेद 459 (i) के प्रावधानों के अन्तर्गत स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति का नोटिस दे दिए जाने पर रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ के संगठन में सेवारत श्री गुरुबक्श सिंह, स्थानापन्न लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० अभी नियत नहीं) को 23 सितम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत कर दिया गया था।

श्री गुरुबक्श सिंह को 21-8-75 से 22-9-75 तक की सेवा निवृत्ति पूर्व अर्जित छुट्टी तथा 23-9-75 से 27-9-75 तक की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई थी।

(3) रक्षा लेखा महा नियंत्रक, श्री बी० एस० विजयराघवन, स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० पी/138) जो कि रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना के संगठन में सेवारत थे के 9-9-1975 को हुए निधन को खेद के साथ अधिसूचित करते हैं।

तदनुसार श्री बी० एस० विजयराघवन को विभाग की नफरी से 10-9-1975 के पूर्वाह्न से निकाला जाता है।

(4) निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011(2)/74-प्रशा० ए० दिनांक 27 जून, 1975 के पैरा 5 के रूप में जोड़ा जाता है :

“श्री के० सी० सेन स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० पी०/402) को सेवा निवृत्ति पूर्व 11-8-75 से 27-8-75 तक 15 दिन की अर्जित छुट्टी तथा 26-8-75 से 31-8-75 तक 6 दिन की अर्द्ध वेतन छुट्टी मंजूर कर ली गई है।”

एस० के० सुन्दरम,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक,
(प्रशासन)

श्रम मंत्रालय

श्रम ब्यूरो

शिमला-171004, दिनांक अक्टूबर 1975

सं० 23/3/75-सी०पी०आई०—सितम्बर, 1975 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार 1960-100) अगस्त, 1975 के स्तर से दो अंक घट कर 319 (तीन सौ उन्नीस) रहा। सितम्बर, 1975 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किए जाने पर 388 (तीन सौ अठ्ठासी) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज
संयुक्त निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय
आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1975
स्थापना

सं० 6/1090/75-प्रशा० (राज०)/10656—वाणिज्य मंत्रालय में वरिष्ठ निजी सहायक, श्री हंसराज शर्मा को श्री तरलोक सिंह का स्थानान्तरण होने पर, उन के स्थान पर 1-9-1975 (पूर्वाह्न) से मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली के स्थानापन्न रूप में निजी सचिव (केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रवरण वर्ग) नियुक्त किया गया है।

सं० 6/1076/75-प्रशा० (राज०)/10665—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग में स्थायी, श्री के० आर० श्रीनिवासन को 1-9-1975 से 30-9-1975 तक की और अवधि के लिए उसी सेवा के वर्ग-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

राष्ट्रपति, श्री के० आर० श्रीनिवासन को पूर्वोक्त अवधि के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में उए-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

सं० 6/394/56-प्रशासन(जी)/10671—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री आर० पी० भवनानी ने 31 अगस्त, 1975 से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्य-भार छोड़ दिया।

बी० डी० कुमार,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर 1975

सं० 6/1042/74-प्रशासन (राजपत्रित)/10601—मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात, श्री एच० सी० दबराल को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में 10 सितम्बर, 1975 के दोपहर पूर्व से आगे के आदेश होने तक नियंत्रक, आयात-निर्यात, श्रेणी-2 (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्ति करते हैं।

नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में श्री एच० पी० दबराल अपना वेतन 650-30-740-35-810 दक्षता अवरोध-35-880-40-1000 दक्षता अवरोध-40-1200 के वेतन मान में नियमों के अन्तर्गत प्राप्त करेंगे।

ए० टी० मुखर्जी,
उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात,
नूतने मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-400020, नांक 16 अक्टूबर 1975

सं० 18(1)/73-75/पी० एल० बी०-II—सूती वस्त्र (निर्यात नियंत्रण) आदेश, 1949 के खंड 2 के उपखंड (एफ) के अनुसरण में तथा केन्द्रीय सरकार की पूर्ण स्वीकृति से मैं वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० एस०-11/टी० ई० सी०-35/58, दिनांक 7 मार्च 1958 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में संलग्न सारणी के स्तंभ 2 में क्रम सं० 12 के सामने की वद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित

प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

- “(1) निदेशक हाथकरघा और वस्त्र,
मद्रास
- (2) संयुक्त निदेशक हाथकरघा और वस्त्र,
मद्रास
- (3) उपनिदेशक (वस्त्र), निदेशक हाथकरघा और वस्त्र
का कार्यालय,
मद्रास
- (4) सहायक निदेशक (वस्त्र), निदेशक हाथकरघा और
वस्त्र का कार्यालय, मद्रास
- (5) सहायक निदेशक (हाथकरघा और वस्त्र) कोडम्बतूर,
सेलम, मधुराई, त्रिची, तिरुनेलवेली, कांचीपुरम,
मधुराई स्थित रामनाड, रोड और तिरुचेनगोड
मंडलों में”

अनिल कुमार चन्द्रा,
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली-1, दिनांक 10 अक्टूबर 1975

सं० प्र०-1/1(942)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान
एतद्वारा निरीक्षण निदेशालय (धातु) बर्नपुर में अधीक्षक
(अधीक्षण स्तर-II) श्री बी० वी० जोस को दिनांक 1 सितम्बर,
1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति
तथा निपटान निदेशालय, बम्बई में सहायक निदेशक (प्रशासन)
(ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 अक्टूबर 1975

सं० प्र०-1/1(991)—निरीक्षण निदेशक, बम्बई के
कार्यालय में सहायक निवेशक (प्रशासन ग्रेड-II) श्री एस० के०
देसाई की दिनांक 1-9-75 के पूर्वाह्न से उसी कार्यालय बम्बई
में अधीक्षक (अधीक्षण स्तर-II) के पद पर अवतति हो गई।

के० एल० कोहली,

उप निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 16 अक्टूबर 1975

सं० 6628/बी/3(5)/71 (टी० बी० के० डी०)/19वीं—
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भू-
भौतिकी) श्री टी० बी० कृष्णदास, एम० एस० सी० को भारतीय
भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूभौतिकीविद (उपकरण) के
रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-
35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में
स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 19 अगस्त,
1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 18 अक्टूबर 1975

सं० 6652/बी/3(5)/71(एस० के० एल०)/19वीं—
श्री स्वप्न कुमार हजारी एम० एस० सी० को सहायक भूभौतिकीविद
(उपकरण) के रूप में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन
नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-
40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न
क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 10-9-1975 के पूर्वाह्न
से नियुक्त किया जाता है।

बी० के० एस० वरदान
महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 17 अक्टूबर 1975

सं० ए० 19011(68)/75-स्था० ए०—भारतीय खान
ब्यूरो के उप-खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) श्री एस० एल० राय
की संयुक्त राष्ट्र तकनीकी सहायता भर्ती सेवा में खनन विभाग और
खनिज विकास करार में सलाहकार के रूप में प्रतिनियुक्ति होने पर
उन्होंने दि० 23 सितम्बर, 1975 के अपराह्न से इस विभाग में
उप-खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) के पद का कार्यभार छोड़
दिया।

ए० के० राघवाचारी,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी,
कृते नियंत्रक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 15 अक्टूबर 1975

सं० सी०-42876/594—श्री रघुबीर सिंह, तकनीकी
सहायक, मानचित्र उत्पादन (सलेक्शन ग्रेड), श्रेणी III, डिप्टीजन
1 सेवा, को प्राक मानचित्र उत्पादन संयंत्र, भारतीय सर्वेक्षण विभाग
हैदराबाद में सहायक प्रबन्धक, मानचित्र उत्पादन (सा० के० से०
श्रेणी II) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-
35-880-40-1,000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान
में दिनांक 2 जून, 1975 से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता
है।

सं० सी०-42883/707—श्री के० वी० कृष्णमूर्ति, सर्वेक्षक
सर्लेशन ग्रेड श्रेणी III डिप्टीजन 1 सेवा, को अधिकारी सर्वेक्षक
के पद पर श्रेणी II (राजपति) भारतीय सर्वेक्षण विभाग में,
650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-
द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में दिनांक 4-7-75
(पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं० सी०-42897/724-एस० ओ० एस० (ए०)—श्री ए०
आर० गोमिश, गण्डार सहायक (सलेक्शन ग्रेड) जिन्हें इस कार्यालय
की अधिसूचना संख्या सी०-4909/724-एस० ओ० एस० (ए)
दिनांक 28 अक्टूबर, 1974 के अधीन दक्षिण सकल कार्यालय,
भारतीय सर्वेक्षण विभाग, बैंगलूर में सहायक भंडार अधिकारी
(सा० के० से० श्रेणी II) स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर
नियुक्त किया था, को सहायक भंडार अधिकारी के पद पर स्थानापन्न
रूप में 29 अगस्त, 1975 से नियमित आधार पर नियुक्त किया
जाता है।

दिनांक 16 अक्तूबर 1975

सं० सी० 5010/718-ए-—श्री कान्ति प्रकाश, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक, का कार्यालय, को दक्षिण पूर्व सक्रिय कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, भुवनेश्वर में स्थानापन्न एवं लेखा अधिकारी (सा०के०से० श्रेणी II) के पद पर स्थानापन्न रूप में 840 रु० प्रतिमाह वेतन पर 840-40-1,000-द० रो०-40-1,200 रु० के वेतनमान में दिनांक 1 सितम्बर, 1975 पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

हरी नारायण,
भारत के महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 अक्तूबर 1975

सं० फा० 11-13/75-ए-1—श्री डी० के० चौधरी, सहायक सूक्ष्मफोटोकार (पदक्रम 1) को दिनांक 4 अक्तूबर, 1975 के म०पू०से आगामी आदेश पर्यन्त, कु० शोभा बसु, सूक्ष्म-फोटोकार के स्थान पर, जो कि अवकाश पर हैं सर्वथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से काम करने के लिये सूक्ष्मफोटोकार (वर्ग-2 राज-पत्रित) नियुक्त किया जाता है।

श्रीनन्दन प्रसाद
अभिलेख-निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1975

सं० 4(21)/75-एस०एक०—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा डी० मलय विकास पहाड़ी को 19 सितम्बर, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, कलकत्ता में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(10)/75-एस०एक०—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा डा० महावीर सिंह को 22 सितम्बर, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी भोपाल में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(94)/75-एस०एक०—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री मोहम्मद जमालुद्दीन 'साहिल' को 22 सितम्बर, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, इलाहाबाद में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

शान्ति लाल
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 17 अक्तूबर 1975

सं० 17/20/49-सिवन्दी-I— फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री बी० श्रीनिवासन शाखा प्रबन्धक के छुट्टी

पर चले जाने के कारण श्री व्ही० के० नाथर स्थायी किर्रेता फिल्म प्रभाग बंगलौर को दिनांक 1-10-1975 के पूर्वाह्न से फिल्म प्रभाग बंगलौर में शाखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

एम० के० जैन,
सहायक प्रशासकीय अधिकारी
कृते प्रमुख निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर 1975

सं० 16-36/74-एस०-1—राष्ट्रपति ने मेडिकल स्टोर डिपो, कलकत्ता में कैमिस्ट श्री समीर चौधरी को 15-9-75 से आगामी आदेशों तक तदर्थ आधार पर मेडिकल स्टोर डिपो, मद्रास में फैक्टरी प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

संगत सिंह
उप निदेशक (प्रशासन)

दिल्ली दुग्ध योजना

नई दिल्ली-110008, दिनांक 18 अक्तूबर 1975

सं० 3-26/75-स्थापना (वि०)—अध्यक्ष, दिल्ली दुग्ध योजना द्वारा महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण तथा विविध, नई दिल्ली के कार्यालय के लेखा अधिकारी—श्री सुशील कुमार, अन्य आदेश दिए जाने तक, दिल्ली दुग्ध योजना में वेतनमान रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 में, दिनांक 1-10-75 (पूर्वाह्न) से प्रतिनियुक्ति पर लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किए गए हैं।

आनन्द मोहन लाल
अध्यक्ष

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 1 अक्तूबर 1975

सं० पी० ए०/81(73)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी) श्रीरस्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) श्रीपरिमल नारायण तलचरकर को इसी अनुसंधान केन्द्र में 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

पी० उम्मीकृष्णन,
उप स्थापना अधिकारी (भरती)

बम्बई-400085, दिनांक 17 अक्तूबर 1975

सं० 5/1/75-स्थान 5/270—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक इसके द्वारा प्रशासनिक अधिकारी I श्री राजंग हर शणमुखम को इसी अनुसंधान केन्द्र में 1-9-75 से 1-10-75 तक के लिये स्थानापन्न रूप से प्रशासनिक अधिकारी II नियुक्त करते हैं।

वेद प्रकाश चोपड़ा,
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 24 सितम्बर 1975

सं० पी० पी० ई० डी०/4(466)/73-प्रशासन/1131—
श्री के० वी० पी० शर्मा ने उनका अंतरण भाभा परमाणु अनुसंधान
केन्द्र, ट्राम्बे, बम्बई के सिविल इंजीनियरी प्रभाग (हैदराबाद
यूनिट) को होने पर उस प्रभाग में राजस्थान परमाणु विद्युत्
परियोजना के स्थल पर अस्थायी विज्ञान-अधिकारी/इंजीनियर-
ग्रेड एस० वी० के पद का कार्यभार 8 अगस्त, 1975 (अपराह्न) से
छोड़ दिया।

दिनांक 26 सितम्बर 1975

सं० पी० पी० ई० डी०/4(490)/73-प्रशासन/1126—श्री के० जी० वासवानी ने, उनका प्रत्यावर्तन
कार्मिक सहायक के पद पर होने पर इस प्रभाग में सहायक
कार्मिक अधिकारी के पद का कार्यभार, जो कि उन्होंने तदर्थ
आधार पर एवं अस्थायी रूप से ग्रहण किया हुआ था 16
सितम्बर, 1975 के अपराह्न से छोड़ दिया।

सं० पी० पी० ई० डी०/4(491)/73-प्रशासन/1127—
श्री आर० एस० तलपदे ने, उनका परावर्तन निजी सहायक के
पद पर होने पर इस प्रभाग में तदर्थ आधार पर एवं अस्थायी
रूप से भरे गए सहायक कार्मिक अधिकारी के पद का कार्य-
भार 16 सितम्बर, 1975 के अपराह्न से छोड़ दिया।

एन० जी० पेरुलेकर,
प्रशासन-अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

तारापुर, दिनांक 24 सितम्बर 1975

सं० टी० ए० पी० एस०/ए० डी० एम०/947/1149—
परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य
अधीक्षक, श्री वाई० आर० बेलकर की सहायक लेखा अधि-
कारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि
को 1-9-1975 से 31-12-1975 तक के लिए अथवा उस
पद पर किसी व्यक्ति की नियमित नियुक्ति होने तक, दोनों में
से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाते हैं।

के० वी० सेतुमाधवन,
मुख्य प्रशासन-अधिकारी

अय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 3 अक्टूबर 1975

सं० डी० पी० एस०-ए०/11013/65/75-स्था-5579/
1135—अय एवं भंडार निदेशक, भारतीय लेखा परीक्षा
विभाग की वरिष्ठ लेखा परीक्षक श्रीमती बी० शकुन्तला
स्थायी एस० आर० ए० एस० को, जो इस निदेशालय के मद्रास
स्थित मद्रास क्षेत्रीय लेखा यूनिट में अस्थायी रूप से सहायक-लेखा
अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त हैं, 18-9-75 से 15-11-1975

तक की अवधि के लिए उसी निदेशालय में 840-40-
1000 द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में तदर्थ आधार
पर अस्थायी रूप से लेखा अधिकारी II नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ,
प्रशासन-अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 17 अक्टूबर 1975

सं० ए० एम० डी०-1/18/75-प्रशासन—परमाणु खनिज
प्रभाग के निदेशक श्री सी० शान्ति कुमार को 15 अक्टूबर
1975 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के
लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/
इंजीनियर ग्रेड-एस० वी० नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलकत्ता-603102, दिनांक 7 अक्टूबर 1975

सं० आर० आर० सी०/पी० एफ०/262/72 1132—
भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के मौलिक वरिष्ठ आणुलिपिक
तथा रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्न सहायक प्रशासन-
अधिकारी श्री सुचीन्द्रम रामसुब्बैयर साम्बशिवन ने, उनका
प्रत्यावर्तन होने पर 3 अक्टूबर, 1975 के अपराह्न से स्थानापन्न
सहायक प्रशासन-अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

के० शंकरनारायणन,
वरिष्ठ प्रशासन-अधिकारी
कृते परियोजना निदेशक

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-110003, दिनांक 15 अक्टूबर 1975

सं० ई० (1) 05823—वेधशालाओं के महानिदेशक,
नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री
महेन्द्र सिंह को 15-9-1975 के पूर्वाह्न से और आगामी
आदेशों तक स्थानापन्न रूप से सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त
करते हैं।

सहायक मौसम विशेषज्ञ के पद पर नियुक्त होने पर श्री
महेन्द्र सिंह को नई दिल्ली, प्रादेशिक मौसम केन्द्र में तैनात
किया गया है।

दिनांक 16 अक्टूबर 1975

सं० ई० (1) 07540—वेधशालाओं के महानिदेशक कृषि
मौसम विज्ञान प्रभाग, पूना के निदेशक के अधीन प्रधान
वाष्पोत्सर्जन वेधशाला, नई दिल्ली के स्थानापन्न व्यवसायिक
सहायक श्री जी० एस० माही को 15 सितम्बर, 1975 के

पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री जी० एस० माही बेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में तैनात किए गए हैं।

दिनांक 17 अक्टूबर 1975

सं० ई० (1) 07109—बेधशालाओं के महानिदेशक पूना के बेधशालाओं के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी) के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री के० एस० रामशास्त्री को 15 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री के० एस० रामशास्त्री बम्बई के निदेशक के प्रादेशिक मौसम केन्द्र के कार्यालय में तैनात किए गए हैं।

एम० आर० एन० मनियन
मौसम विशेषज्ञ,

कृते बेधशालाओं के महानिदेशक,

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्टूबर 1975

सं० ए० 38012/1/75-ई० सी०—निवर्तन आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर वैमानिक संचार स्टेशन, बंबई के श्री एम० एन० अश्वरु, तकनीकी अधिकारी, संचार ने 31 अगस्त, 1975 (अपरान्ह) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 20 अक्टूबर 1975

सं० ए-38012/1/75 ई० सी०—क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता एयर पोर्ट, कलकत्ता के कार्यालय में संचार अधिकारी श्री बी० एन० बनर्जी ने निवर्तन आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने पर 31 अगस्त, 1975 (अपरान्ह) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

हरबंस लाल कोहली
उपनिदेशक प्रशासन

कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर 1975

सं० ए० 23021/3/74-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक

28 अप्रैल, 1975 की अधिसूचना सं० ए० 31011/1/72-ई० सी० के क्रमांक 1 में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है :

1. श्री टी० एस० बैक्टरमण 22-2-1970।

दिनांक 18 अक्टूबर 1975

सं० 11/21/69-ई० सी०—भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमान-पत्तन प्राधिकरण में स्थायी रूप से अन्तर्लप्यन कर लिये जाने पर, निम्नलिखित अधिकारी, प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से नागर विमानन विभाग में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

क्रमांक	नाम	नागर विमानन विभाग में धारित पद	नागर विमानन विभाग से सेवानिवृत्ति की तारीख
---------	-----	--------------------------------	--

1.	श्री के० एस० राज-गोपालन	उपनिदेशक/नियंत्रक संचार	1-5-1974
2.	श्री ए० पुरुषोत्तम	तकनीकी अधिकारी	1-8-1974

दिनांक 20 अक्टूबर 1975

सं० ए० 32013/14/75 ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 31-5-1974 की अधिसूचना सं० ए० 32013/6/72-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग में निम्नलिखित दो संचार अधिकारियों की तदर्थ पदोन्नति की अवधि 31 दिसम्बर 1975 तक बढ़ा दी है।

1. श्री पी० बी० श्यामनाथ, संचार अधिकारी, ए० सी० एस०, बम्बई
2. श्री पी० पालोज, संचार अधिकारी, ए० सी० एस०, कलकत्ता

हरबंस लाल कोहली
उपनिदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक अक्टूबर 1975

सं० ए०-12025/4/74-ई० (एच)—राष्ट्रपति ने श्री पी० एस० गुजराल को 6 अक्टूबर, 1975 की पूर्वाह्न से तथा अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में सहायक निदेशक, नक्शा एवं चाट के पद पर नियुक्त किया है।

टी० एस० श्रीनिवासन
सहायक निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहृतलय
पटना, दिनांक 1 अक्टूबर 1975

सं०-11(7)-स्था०/75/9904—दिनांक 26-8-75 के पत्र भि० सं०-22012/26/75 प्रशा० II के द्वारा प्रेषित, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) नई दिल्ली

के आदेश सं०-161/75 दिनांक 26-8-75 के अनुसरण में श्री मंगलाम्बर द्विवेदी, परिवीक्षाधीन ने सीमा शुल्क समाहर्ता (निवा०) के पटना मुख्यालय में सहायक समाहर्ता, सीमा शुल्क (निवा०) का कार्यभार दिनांक 2-9-75 के पूर्वार्द्ध में ग्रहण किया।

ह० अपठनीय
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, पटना

इलाहाबाद, दिनांक 6 अक्टूबर 1975

सं० 137/1975—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, मुरादाबाद में तैनात और इस कार्यालय के पत्र संख्या दो (3) 2-स्था०/75/28088, दिनांक 31-7-1975, के अन्तर्गत जारी किये गये स्थापना आदेश संख्या-212/1975, दिनांक 30-7-1975 के अनुसार आगामी आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो के पद पर नियुक्त श्री प्रेम बिहारी रस्तोगी, स्थायी निरीक्षक (चयन ग्रेड), केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, मिरजापुर में दिनांक 12-9-1975 को (दोपहर से पहले) अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं०-136/1975—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय बरेली में तैनात और इस कार्यालय के पत्रसंख्या दो (3) 2-स्था०/75 दिनांक 2-9-75 के अन्तर्गत जारी किये गये स्थापना आदेश सं० 244/1975 दिनांक 1-9-1975 के अनुसार आगामी आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन मान में स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी दो, के पद पर नियुक्त श्री राम बिहारी लाल सक्सेना स्थायी निरीक्षक (चयन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, मुरादाबाद में दिनांक 24-9-1975 को दोपहर से पहले एक रिक्त स्थान पर अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो, धामपुर के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

एच० बी० दास
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, इलाहाबाद

नौबहन और परिवहन मंत्रालय

नव तृतीकोरिन पत्तन

तृतीकोरिन-4, दिनांक 25 सितम्बर 1975

सं० 22013/1-75/प्रशासन/डी०-4812—नव तृतीकोरिन पत्तन के मुख्य इंजीनियर और प्रशासक नव तृतीकोरिन पत्तन में श्री बी० नरसिम्हालू, कनिष्ठ इंजीनियर (यांत्रिक) को प्रोन्नत होने पर 11-9-75 के अपराह्न से अगला आदेश होने तक के

लिए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में सहायक इंजीनियर (यांत्रिक) नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-22013/1-75/प्रशासन/डी०-4811—नव तृतीकोरिन पत्तन के मुख्य इंजीनियर एवं प्रशासक नव तृतीकोरिन पत्तन में सर्वश्री जे० ए० जेम्स, कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल) तथा एस० डी० ए० जोशी, कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल) को प्रोन्नत होने पर 12-9-75 पूर्वार्द्ध से अगला आदेश होने तक के लिये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में सहायक इंजीनियर (सिविल) नियुक्त करते हैं।

डी० आई० पाल
मुख्य इंजीनियर एवं प्रशासक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 16 अक्टूबर 1975

सं० क-32014/7/74 प्रश्ना 5—इस आयोग की अधिसूचना सं० क-32014/7/74-प्रश्ना० 5, दिनांक 12-8-75 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों (अभियांत्रिकी) को केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान केन्द्र, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में पुनः प्रत्येक के सामने दी गई तिथियों से एवं अवधि के लिए अथवा जब तक पद नियमित रूप से भरे जाएं, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं :—

- | | |
|-------------------------------------|-------------------------|
| 1. श्री चौ० भुजंगराव | 1-9-75 से 31-12-75 तक |
| 2. श्री एम० एस० शितोले | 1-9-75 से 31-12-75 तक |
| 3. श्री एस० गुहा | 1-9-75 से 31-12-75 तक |
| 4. श्री बी० रामनाथन | 28-8-75 से 31-12-75 तक |
| 5. श्री आई० जैड० पूनावाला | 28-8-75 से 31-12-75 तक |
| 6. श्रीमती वाल्सला के० अप्पु-कुट्टन | 28-8-75 से 31-12-75 तक |
| 7. श्री ए० जी० काले | 28-8-75 से 31-12-75 तक। |

सं० क०-12017/1/72-प्रशा०-5—इस आयोग की अधिसूचना सं० क०-12017/1/72-प्रशा०-5 दिनांक 31-7-75 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री टी० पी० येगनन को केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान शाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक गणित ग्रुप) के पदक्रम में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 1-10-75 से 31-12-75 तक की आगामी अवधि के लिए अथवा जब तक यह पद नियमित रूप में भरा जाएगा, जो भी पूर्व हो, पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० क०-12017/1/72-प्रशा० 5 (खंड-2)---इस आयोग की अधिसूचना सं० क०-12017/1/72-प्रशा० 5 (खंड-2) के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों को केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-रसायन ग्रुप) के पदक्रम में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 1-10-75 से 31-12-75 तक की आगामी अवधि के लिए अथवा जब तक ये पद नियमित रूप से भरे जाएंगे, जो भी पूर्व हो, पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं :—

1. श्री एम० भौमिक
2. श्री एम० पी० नम्बूदरी ।

दिनांक 17 अक्तूबर 1975

सं० क०-19012/515/74-प्रशा० 5---अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री दयानंद प्रधान को जो सिक्किम सरकार के अधिकारी हैं, लोवर लम्यप जल विद्युत् परियोजना वृत्त, गंगटोक में सहायक अभियन्ता के रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 14-8-74 (पूर्वाह्न) से प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं ।

सं० क०-19012/529/74-प्रशा० 5---अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री बी० के० रसौली, जो सिक्किम सरकार के अधिकारी हैं को लोवर लम्यप जल विद्युत् परियोजना वृत्त, गंगटोक में सहायक अभियन्ता के रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 10-12-74 (पूर्वाह्न) से प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं ।

के० पी० बी० मेतन,
अवर सचिव

कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1975

सं० 27ई०(5)/एन०/69-ई० सी०-II---केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के श्री के० एस० नारायणस्वामी, कार्यपालक इंजीनियर जो इस समय केन्द्रीय सतर्कता आयोग, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर हैं, मूल नियम 56 (क) के अन्तर्गत, सेवा-निवृत्ति से पूर्व 1-8-75 से 31-1-76 तक की मंजूर शुद्ध छुट्टी बीतने पर 1-2-76 (पूर्वाह्न) से स्वेच्छापूर्वक सरकारी सेवा से निवृत्त होंगे ।

पी० एस० पारवानी
प्रशासन उप-निदेशक

मध्य रेल

बम्बई वी० टी०, दिनांक 16 अक्तूबर 1975

सं० एच० पी० बी० /220/जी०/दो/टी० सी०---निम्नलिखित अधिकारियों को, उनके नाम के सामने दिखायी गई तारीख से सहायक परिचालन अधीक्षक/सहायक वाणिज्य अधीक्षक के पद पर श्रेणी 2 सेवा में स्थायी किया गया है :

1. श्री के० राजगोपाल	15-8-1967
2. श्री टी० सम्पत	10-8-1968
3. श्री एस० एस० कश्न	20-9-1968
4. श्री एम० ए० बाडिया	13-3-1969
5. श्री ए० बी० नागराजन	3-8-1969
6. श्री एन० सी० रामचन्द्रन	21-10-1969
7. श्री पी० आर० चेट्टी	15-3-1970
8. श्री वी० एस० वडनेरकर	4-11-1970
9. श्री पी० सी० जैन	8-9-1971
10. श्री आर० के० सावंत	27-12-1972
11. श्री वी० सी० मजीठिया	27-10-1973
12. श्री डब्ल्यू० बी० सांगलीकर	27-10-1973
13. श्री आर० पी० भांति	27-10-1973
बी० डो० मेहरा	
महाप्रबंधक	

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1975

सं०-II---उ० रे० के भारतीय रेल परिवहन सेवा के दर्जा II के निम्नलिखित स्थानापन्न अधिकारियों को इस रेलवे पर उनके विभाग में नीचे बताई गई तारीखों से दर्जा II में, स्थायी किया जाता है ।

क्र० सं०	नाम	स्थायी किये जाने की तारीख
1.	श्री आर० बी० जैन	2-6-72
2.	श्री ए० एस० कंसल	1-12-72

वी० पी० साहनी
महाप्रबंधक

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कोठारी नॉटिंग इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई-400002, दिनांक 10 अक्तूबर 1975

सं० 14961/560 ---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कोठारी नॉटिंग इंडस्ट्रीज

प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन्
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और
कमर्शियल सप्लाइ सिन्डिकेट (इन्डिया) प्रा० लि० (इन लिक्वि०)

कलकत्ता, दिनांक 16 अक्तूबर 1975

सं० एल०/21634/डी०/1388—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कमर्शियल सप्लाइ सिन्डिकेट (इन्डिया) प्रा० लि० (इन लिक्वि०) का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एन० एन० मौलिक
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

आय-कर अपील अधिकरण का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 15 अक्तूबर 1975

सं० एफ० 47—एडी (एटी)/50—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 22 अगस्त 1975 का अधिक्रमण करते हुए आय-कर अपील अधिकरण में सहायक रजिस्ट्रार के पद पर स्थापनापत्र रूप से कार्य करने वाले अधोलिखित अधिकारीगण की नियुक्तियां उनके नाम के सामने दिये गए दिनांक से पुष्ट की जाती है :—

- | | |
|-------------------------|-----------------|
| 1. श्री सी० एल० भनोट | 13 अप्रैल, 1973 |
| 2. श्री महेन्द्र सिंह | 13 अप्रैल 1973 |
| 3. श्री जी० पी० वाजपेयी | 13 अप्रैल 1973 |
| 4. श्री आर० आर० पगारे | 13 अप्रैल 1973 |
| 5. श्री एम० आर० नारायणन | 1 सितम्बर 1974 |

हरनामशंकर
अध्यक्ष

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-468-(234)/1-1/74-75:—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 374, सब प्लॉट नं० 52/1,
टी० पी० एस० नं० 20, है जो कोचरब, अहमदाबाद में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-3 75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रमण लाल नाराणलाल दवे, 9, जय-महल, प्लॉट नं०
502-3, लिकिंग रोड, बम्बई-52। (अन्तरक)
2. (1) श्री रमेशचन्द्र मोहनलाल गांधी, 5, प्राणेशा पार्क,
स्वास्तीक चार रस्ता, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(2) श्री एर्षदभाई रामकृष्ण शाह, ए०-फिलावर कुंज,
स्वास्तीक चार रस्ता, नवरंगपुरा, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 592 वर्ग गज है
और जिसका एफ० पी० नं० 374, सब प्लॉट नं० 52/1, टी० पी०
स्कीम नं० 20, है और जो कोचरब पुराने सचिवालय के पास,
आम्बावाडी, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 8 अक्टूबर, 1975
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अक्तूबर, 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-547 (235)/एच०/75-76:—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 595/बी०/1, है, जो कोचरब, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 16) के अधीन,
3-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कांतीलाल गिरधर लाल पटेल, 20, हरीहर सोसायटी,
मणीनगर, अहमदाबाद पावर ओफ अटारनी होल्डर आफ:—
श्री वबू भाई मनुभाई शाह, कबीर नदी पोल, बाला हनुमान, खाड़ीया,
अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. श्री पटेल दावलभाई गोकलभाई, पालडी, एलिसब्रिज,
अहमदाबाद-7

2. श्री पटेल भागीलाल केशवलाल, 14, महर्षी रवीन्द्रनाथ
टैगोर हाल, पालडी, अहमदाबाद-7।

3. श्री पटेल अरविंद भाई केशवलाल, परबड़ी के पास,
कोचरब, एलिसब्रिज, अहमदाबाद।

4. श्री पटेल गिरीशचन्द्र केशवलाल, परबड़ी के पास,
कोचरब, एलिसब्रिज, अहमदाबाद।

5. श्री पटेल चन्द्रकांत केशवलाल, 14, महर्षी रवीन्द्रनाथ
टैगोर हाल, पालडी, अहमदाबाद -7 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 740 वर्ग गज भूमि पर स्थित है और
जिसका सर्वे नं० 595/बी०/1 है जो कौशल्या माता के मंदिर के
पास, कोचरब, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण
बिक्री दस्तावेज में दिया गया है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 8 अक्तूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कोचिन-11

कोचीन-11, दिनांक 1 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० एल० सी० सं० 47/75-76:—यतः, मुझे,
एम० एम० कुरूप,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अंगाड़ी देश,
ट्रिचूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिचूर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 1-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० रामचन्द्र अय्यर, श्री वेंकटेश्वर के पुत्र, मुंडनिकाडु
वडक्कुम मुरि, अंगाड़ी देश, ट्रिचूर (अन्तरक)
2. श्री रामदास कणिल्लि कृष्णन्, के पुत्र पेरिन्गोटुकरा,
मुरि, ट्रिचूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ट्रिचूर जिला के अंगाड़ी देश में सर्वेक्षण सं० 1594/3 में 14
सेन्ट्स भूमि तथा मकान (मकान सं० XXVIII/667)।

एम० एम० कुरूप

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचिन

तारीख: 1 अक्टूबर, 1975 :

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 16 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० राज सहा० आ० अर्जन/277:—यतः, मुझे, सी०
एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो त्रिपोलिया के पास जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18, 20, 22 एवं 24, 25 फरवरी, 1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्री उदयभान पुत्र श्री प्रेमचन्द पोरवाल, ग्राम बाली (पाली)।

2. श्री रमणलाल पुत्र श्री उदयभान, बिठलवाड़ी, बम्बई-2।

3. श्रीमति अंगारी बाई पत्नि श्री सांकलचन्द, शंकर सेठ बलिङ्ग, बम्बई-7।

4. श्री भंवरलाल पुत्र देवीचन्द कासा मैजर रोड, प्लॉट नं० 7, मद्रास-8।

5. श्री अमृतलाल पुत्र देवीचन्द पोरवाल, लिगापाली स्ट्रीट, नं० 10, हैदराबाद-22,

6. श्रीमति साका बाई पत्नि श्री कुन्दनमल पोरवाल, धनराजजी स्ट्रीट, 101/103, बम्बई-3। (अन्तरक)

(2) 1. श्री केवलचन्द पुत्र श्री नेमीचन्द, कलाथ मर्चेन्ट, मेहता मार्केट, जोधपुर,

2. श्री माधवचन्द पुत्र श्री नेमीचन्द, कलाथ मर्चेन्ट, मेहता मार्केट, जोधपुर,

3. श्रीमति खुमा देवी पत्नि श्री लालचन्द मेहता मार्केट, जोधपुर,

4. श्रीमति भंवरी देवी पत्नि श्री पुखराज, मेहता मार्केट, जोधपुर,

5. श्री छगन राज पुत्र श्री भीमचन्द सुराना पाली की हवेली, जोधपुर,

6. श्रीमति चम्पा देवी पत्नि श्री रायचन्द द्वारा मैसर्स विजय प्लाई-वुड सैन्टर, पौकरण हाउस, सौजती गैट के अन्दर, जोधपुर।

7. श्री किशोरचन्द पुत्र श्री भीमचन्द सुराना, 181, दूसरा पोलोघाउन्ड, जोधपुर,

8. श्री मूलचन्द पुत्र श्री जसराज, मोहनपुरा, जोधपुर,

9. श्रीमति शांतिदेवी पत्नि श्री छगनलाल सुराना, पाली की हवेली, जोधपुर।

10. कुमारी फैसी पुत्र श्री मुलतानमल रांका, सिवाना।

(अन्तरिती)

(3) श्री शाह मानमल भीमचन्द टिम्बर मर्चेन्ट पाली की हवेली त्रिपोलिया के पास जोधपुर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी, अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

त्रिपोलिया के पास, जोधपुर में "पाली की हवेली" नामक सम्पत्ति में 6400 वर्गगज क्षेत्रफल की जमीन।

सी० एस० जैन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जोधपुर।

तारीख : 16-10-1975।

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा-269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अक्तूबर 1975

सं० ए० री० 210/ओ०ए०सी०, ए० आर० 4/75-76:—

अतः मुझे, जी० ए० जेम्स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० सं० 41, प्लॉट सं० सी०-16 से 21 दोनों सम्मिलित रूप से है, जो ओशीवारा व्हीलेज, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-2-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बैराभजी, जी० जी० भाई, प्राईवेट लिमिटेड, बैलाई हाऊस, दूसरा तल, मंगलवार स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-400001।

(अन्तरक)

2. श्री विनोदनी वसंतराय, संघवी स्वेअर विहार, स्वास्तिक, सोसायटी, प्लॉट सं० 1।

(अन्तरिती)

3. द्वारा एशिया, इंजीनियरिंग कं० 39, नागदेवी स्ट्रीट, बम्बई-4000031 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. मैसर्स डालिया, इण्डस्ट्रियल ऐस्टेट, बम्बई।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बहुत् बम्बई में ओशीवारा ग्राम में स्थित एवं अवस्थित जमीन का वह तमाम भाग अथवा खण्ड या स्थल जो कि माप में 8910 वर्ग गज अथवा उसके समकक्ष (7449.89 वर्ग मीटर के बराबर) तथा जो प्लॉक के प्लॉट सं० सी०-16, सी०-17-सी०-18, सी०-19, सी० 20 तथा सी०-26 होने के नाम से सर्वे जे० 41 का ही भाग है। उपरोक्त फैलाव (ले आउट) जमीनों का ही भाग है जो कि तृतीय अनुसूची में ऊपर उल्लेख है तथा जिसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुयी हैं।

उत्तर में या उत्तर की ओर अंशतः प्लॉट सं० सी०-16 तथा अंशतः 44' चौड़ा आंतरिक मार्ग दक्षिण है या दक्षिण की ओर प्लॉट 'डी०' है पश्चिम में या पश्चिम की ओर '44' चौड़ी आंतरिक मार्ग है। पूर्व में अथवा पूर्व की ओर '44' चौड़ा पहुच मार्ग है।

जी. ए० जेम्स,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख : 15 अक्तूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० 1304, यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4065, फरवरी 1975 में है तथा जो गोसिया निहाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-316GI/75

1. श्री पाल सिंह सपुत्र केसर सिंह जनरल पावर आफ अटारनी मोहन सिंह सपुत्र लाल सिंह निवासी अडहोका, तहसील अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमति गुरबख्श कौर पत्नी मोहन सिंह सपुत्र श्री जय चन्द निवासी गांव शेरपुर तहसील फिल्लौर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4065 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16 अक्टूबर, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 अक्तूबर, 1975

निदेश सं० 1305:—यतः, मुझे रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4066 फरवरी,
1975 में है तथा जो गोरसिया निहाल में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी,
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पाल सिंह सपुत्र केसर सिंह निवासी गांव बिटारके
तहसील अमृतसर जनरल पावर आफ अटारनी काला सिंह सपुत्र
लाल सिंह गांव अडहोक। (अन्तरक)

2. श्री मोहन सिंह सपुत्र श्री जय चन्द तहसील अमृतसर
निवासी शेरपुर तहसील फिल्लौर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
योग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4066 फरवरी, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16 अक्तूबर, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 अक्तूबर 1975

निदेश सं० 1306:—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4067 फरवरी,
1975 में है तथा जो गोसिया निहाल में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पाल सिंह सपुत्र श्री केसर सिंह निवासी बुटर कलां
तहसील अमृतसर जनरल पावर आफ अटारनी आफ काला सिंह
सपुत्र लाल सिंह निवासी अडहोक तहसील अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमति गुरदीप कौर पत्नी मोहन सिंह निवासी शेरपुर
तहसील फिल्लौर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4067 फरवरी, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16 अक्तूबर, 1975
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 अक्तूबर, 1975

निदेश सं० 1307:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4086 फरवरी, 1975 में है तथा जो सुथेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुशयारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1098 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कर्म सिंह सपुत्र श्री मोता सिंह सपुत्र जोधा सिंह निवासी लुथेरा कलां जिला जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री गन्धार सिंह, तिलोत्तन सिंह, कुलदीप सिंह धूरब सिंह सपुत्र बचिन्द्र सिंह सपुत्र जैयत सिंह निवासी कृष्ण नगर हुशयार-पुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4086 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशयारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16 अक्तूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० 1308:—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4066 फरवरी, 1975 में है तथा जो बदोवाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुशयारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लक्ष्मण सिंह मतवना अर्जन सपुत्र श्री हीरा, गांव बदोवाल तहसील, हुशयारपुर। (अन्तरक)

2. श्री गुरुमुख सिंह, देवेन्द्र सिंह सपुत्र मिलखा सिंह, सपुत्र चरण सिंह, गांव बदोवाल तहसील हुशयारपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4016 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशयारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16 अक्टूबर, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० 1309:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4052 फरवरी,
1975 में है तथा जो बदोवाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हुशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लक्ष्मण सिंह मतवना अर्जुन सपुत्र हीरा, गांव बदोवाल
तहसील हुशियारपुर ।
‡ (अन्तरक)

2. श्री गुरमुख सिंह, देवेन्द्र सिंह सपुत्र मिलखा सिंह (2)
पलविन्द्र सिंह, मोहन सिंह सपुत्र सुरजीत सिंह (3) गुरमल सिंह
बलदेव सिंह सपुत्र सरवण सिंह (4) इकबाल सिंह, अमरजीत सिंह
सपुत्र प्रगट सिंह गांव बदोवाल तहसील, हुशियारपुर ।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4052 फरवरी, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशियारपुर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 16 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आर्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० 1310:—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9478 फरवरी, 1975 में है तथा जो बदाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण, में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :-

1. श्री धृत राम सपुत्र उत्तम निवासी छायां तहसील दसूहा (2) महिन्द्र सिंह सपुत्र दलीप सिंह निवासी क्षीगरा कलां तहसील दसूहा जिला हुशियारपुर। (अन्तरक)

2. श्री आशाकार सिंह, तजिन्द्र सिंह, सपुत्र कुलदीप सिंह गांव बडाला, जिला जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9478 फरवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 16 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० ए० पी०-1311.—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9479 फरवरी, 1975 में बदाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री धृत राम सपुत्र श्री उत्तम गांव जनवान तहसील दसूहा, जिला हुशियारपुर। (अन्तरक)
2. श्री महिन्द्र सिंह सपुत्र दलीप सिंह गांव झींगरा कलां तहसील दसूहा (2) भाग माल बुद्ध राम, तासमोगलाल सपुत्र बाबू राम गांव बड़ाला तहसील जालन्धर। (अन्त र्ति त)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9479 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16 अक्टूबर, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 अक्टूबर 1975

निर्देश नं० ए० पी०-1312—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10083 फरवरी, 1975 में है तथा जो लधेवली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

4—316G1/75

(1) श्री अमरचन्द सपुत्र डेरा राम निवासी पतारा तहसील जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री चमन लाल रापुव श्री रक्खाराम निवासी शेरपुर शेखा जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10083 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 16 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 अक्टूबर 1975 .

निर्देशनं० 1313—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9805 फरवरी 1975 में है तथा जो लधेवली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री अमर चन्द सपुत्र डेराराम निवासी पतारा तहसील जालन्धर (अन्तरक)
- (2) चानन राम सपुत्र रक्खाराम निवासी शेरपुरा शेखा तहसील जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह व्यक्ति सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9805 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16 अक्टूबर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 अक्टूबर 1975

निर्देश नं० 1314—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और

जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9806 फरवरी 1975 में है तथा जो लधेवाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमरचन्द सपुत्र श्री कर्म राम निवासी पतारा तहसील जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्रीमती रत्न कौर पत्नी रक्खाराम निवासी शेरपुर शेखा तहसील जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9806 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार;

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 अक्टूबर 1975

निर्देश नं० 1315.—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10082 फरवरी 1975 में है तथा जो लधेवाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री अमरचन्द सपुत्र डेरु राम निवासी पतारा तहसील जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती बलबीर कौर पत्नी चमन लाल निवासी शेरपुर शेखा तहसील जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10082 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16 अक्टूबर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10-10-75

निर्देश सं० अ० ई० 1/1106-9/ मार्च 75— अतः मुझे,
एन० के० शास्त्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 137-ए/6 सायन डिवीजन माटुंगा इस्टेट है, जो प्लॉट नं० 137-ए (पश्चिम) सायन में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-3-1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम की' धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा-269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

- (1) श्री प्रभाकर भास्कर गांधी और अन्य (अन्तरक)
- (2) सायन स्मृति को० आ० हाऊसिंग सोसायटी लि० (अन्तरिती)
- (3) रखामाबाई पंढरीनाथ लाड, रामानंद पंढरीनाथ लाड (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री ईश्वर लाल नाराणजी शहा (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सायन में स्थित और अवस्थित बम्बई म्युनिसिपल कापोरेशन की सायन माटुंगा एस्टेट की स्कीम नंबर 6 प्लॉट संख्या 137 ए शामिल करके खाली जमीन या मैदान का वह तमाम भाग या खंड जो कि माँप में 427 वर्ग गज या उसके समकक्ष पूर्व में या पूर्व की ओर 69 फुट म्युनिसिपल की सड़क संख्या 24 है, पश्चिम में या पश्चिम की ओर पाडगावकर ब्रदर्स के प्लॉट संख्या 125 और 125 ए है, उत्तर में या उत्तर की ओर प्लॉट सं० 137 है तथा उसके पीछे 15 फिट चौड़ा रास्ता है और दक्षिण में या दक्षिण की ओर नाडकणी का प्लॉट संख्या 138 है।

एन० के० शास्त्री,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख : 15 अक्टूबर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना-411004 दिनांक 16-10-1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/फरवरी 75/बम्बई (पूना) 245/
75-76 :—अतः मुझे, एच० एस० श्रीलख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे क्रमांक 233/ए है तथा जो बोट क्लब,
रास्ता पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 11-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के
पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री पालन दिनशा श्राँफ दालमल पार्क, कफे परेड,
बम्बई-5 (अन्तरक)
- (2) पाथेजा, फोजिग, एण्ड आंटो पार्ट्स मैन्युफैक्चरर्स प्राई-
वेट लिमिटेड 399 ए विठलभाई पटेल रास्ता बंबई-
400004 कांग्रेस भवन के सामने (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड जमीन का टुकड़ा प्लॉट क्रमांक ए, सर्वे क्र० 131 ए/4
का भाग अभी का सर्वे क्रमांक 233/ए बोट क्लब रास्ता, पूना
क्षेत्रफल :—13462 वर्गफीट याने 1250.668 वर्ग मीटर्स जो
निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर के तरफ :—सर्वे क्र० 131/ए /4 (पार्ट) प्लॉट क्र० बी०
श्री एम० जे० शहा का प्लॉट.

दक्षिण की तरफ :—बोट क्लब रास्ता

पूर्व के तरफ :—रास्ता और उसके आगे प्लॉट -सर्वे क्र० 132 बी०

पश्चिम के तरफ :—बीस फीट रास्ता

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1185 फरवरी में
सबरजिस्ट्रार बम्बई के दफ्तर में लिखा है)

एच० एस० श्रीलख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 16-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सरदार बयाल सिंह (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अभिनाश कुमार महेश्वरी और अन्य (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, दिनांक 19-9-75

निर्देश नं० 53-ए/एक्यू :—यतः मुझे, विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5 है तथा जो हस्तिंग रोड इलाहाबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-4-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधिन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए

अनुसूची

एक किता प्लॉट नं० 5 जो कि 2000 वर्ग गज है जो कि हस्तिंग
रोड इलाहाबाद में स्थित है

विशम्भर नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 19-9-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18-9-75

निर्देश नं० 18-डी/एक्यू:—अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 160 है तथा जो वार्ड का बाग इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 209-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रुप किशोर श्री वस्तावा (अन्तरक)

(2) श्री देवन्द कुमार केसरवानी और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 160 जो कि 540 वर्ग गज है जो कि मुहल्ला वार्ड का बाग इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख : 18-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

- (1) श्री राधाकृष्ण मिश्र (अन्तरक)
(2) श्री शंकर लाल (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 सितम्बर 75

निदेश नं० 69-एस/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 216 है तथा जो बस्की उपरहार में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—316GI/75

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट नं० 216 जिसका तीन बिस्वा जो कि बस्की
उपरहार जिला, इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ,

तारीख : 22-9-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 सितम्बर 75

निदेश नं० 69-आर०/अर्जन:— अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 216 है तथा बस्की उपरहार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री राधा कृष्ण मिश्र (अन्तरक)

(2) श्री राम नाथ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट नं० 216 जिसका 3 बिस्वा जो कि बस्की उपरहार जिला इलाहबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 22-9-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री राधा कृष्ण मिश्र

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री भोम प्रकाश

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

लखनऊ, दिनांक 22 सितम्बर 75

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश नं० 8-ओ/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 216 है तथा जो वस्की उपरहार में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया जाय
है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट नं० 216 जिसका 3 विस्वा जो कि वस्की
उपरहार, जिला इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 22-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 सितम्बर 75

निदेश नं० 17-डी/अर्जन— अतः मझे, विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 216 है तथा जो बस्की उपरहार में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-3-
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम
की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित
व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राधा कृष्ण मिश्र (अन्तरक)

(2) श्री दरबारी लाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में सम्पादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट नं० 216 जिसका तीन बिस्वा जो कि बस्की
उपरहार जिला इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 22-9-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17-10-75

निदेश नं० एस० आर०/जबलपुर/27-2-75:—अतः मझे,

एम० एफ० मन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० म० न० 314 है, जो गोली बाजार वार्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-2-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शीलचन्द बल्द बारेलाल जैन लाड गंज जबलपुर (अन्तरक)

(2) श्री भवानी प्रसाद बल्द मूलचन्द साहू 14 गजराती कालौनी जबलपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 314, 315 गोल बाजार वार्ड सतना विल्डिंग जबलपुर

एम० एफ० मन्शी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 17-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा;
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक, 17-10-75

निदेश सं० एस० आर०/ जबलपुर/ 1-2-75:— अतः, मझे, एम० एफ० मन्शी, (आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है

और जिसकी सं० बना हुआ है, जो नेपीअरटाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-2-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम या' घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती गिरिज किशोरी वर्मा विधवाई ईश्वरीराज चन्द्र वर्मा (2) सुशील कुमार वर्मा (3) विनय कुमार 215 नेपीअरटाउन जबलपुर (अन्तरक)
- (2) श्री कैलाश राज 2 मदन लाल 275 नेपीअरटाउन जबलपुर (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

बंगला नम्बर 285 बना हुआ नेपीअर टाउन जबलपुर

एम० एफ० मन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17-10-75

निदेश सं० एस० आर०/शिवपुरी/4-2-75:—अतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एगरीकलचर है, जो झांसी रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-2-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सरदार संजयराव सहाब पिता सरदार अपोजीराव सिधोले पता नारायण राव जी पिता गोविन्द राव मंसूर (अन्तरक)

(2) श्री मोहन कुमार मथुरा प्रसाद निवास नदी संतर मुरार ग्वालियर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एगरीकलचरल भूमि वार्ड नं० 16 झांसी रोड शिवपुरी साथ में सुपरस्ट्रक्चर

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 16-10-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17-10-75

निदेश सं० एस० आर० /शिवपुरी 4/2/75:—अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एगरीकल्चरल है, जो झासी रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/2/75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सरदार संजय राव सहाय पिता सरदार अपोजीराव सिथोले द्वारा नमरायण राव पिता गोविन्दराव नदी सतरं मुरार ग्वालियर (अन्तरक)

(2) श्रीमती विस्मल्ला पति कुदावकम शिवपुरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एगरीकल्चरल भूमि वार्ड नं० 16 झासी रोड शिवपुरी

एम० एफ० मुन्शी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 16-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17-10-75

निर्देश सं० एस० आर० /शिवपुरी 4/2/75:—अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० एगरीकलचर है, जो स्यासी रोड में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/2/75 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

6—316GI/75

(1) श्री सरदार संजय राव सहाव पिता सरदार अपोजीराव सिथोले द्वारा नारायनराव पिता गोविन्द राव मयसूर (अन्तरक)

(2) श्रीमती मुकुमराजबी पति एम० हसन निवास बहीश मोहल्ला भोपाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एगरीकलचर भूमि वार्ड नं० 16 स्यासी रोड शिवपुरी।

एम० एफ० मुन्शी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17-10-75

निर्देश सं० एस० आर०, शिवपुरी-4/2/75:—अतः, मुझे,
एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० एगरीकलचर है, जो झांसी रोड में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/2/75 को,
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सरदार संजय राव सहाब पिता सरदार अपोजीराव
सिथोले द्वारा नारायण राव पिता गोविन्द राव जोशी
(अन्तरक)

मंसूर

(2) श्रीमती इन्द्रा मोती पति दुर्गा प्रसाद सरदार बजार
शिवपुरी (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एगरीकलचर भूमि बार्ड नं० 16 झांसी रोड शिवपुरी।

एम० एफ० मुन्शी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-10-75

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17-10-75

निर्देश सं० एस० आर० /शिवपुरी-11/2/75:—अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० एगरीकलचर है, जो झांसी रोड में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी, में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 11-2-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण, में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री सरदार संजयराव पिता सरदार अपोजी राव सि-थोले द्वारा नारायण राव पिता गोविन्द राव -मैसूर (अन्तरक)

(2) श्री रघुवरदयाल पिता मातादीन बंसल सदर बाजार शिवपुरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एगरीकलचर भूमि वार्ड नं० 16 झांसी रोड शिवपुरी।

एम० एफ० मुन्शी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 17-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अक्टूबर 1975

निदेश सं० एस० आर०/जगदलपुर/फरवरी, 1975:—
अतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 9892 है, जो केवल मुन्दा मोहल्ला
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगदलपुर में रजिस्ट्रीकृत
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः प्रथम उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स राजूमल रेलीमल पार्टनर श्री राजूमल पिता
राजूमल (2) रेलीमल पिता राजूमल
(3) रेवलदास पिता दरदामल (4) हरदामल पिता
तिलोक चन्द (5) ठाकुरमल पिता तिलूमल
(अन्तर्कर)

(2) मैसर्स रेसहाव नन्दकिशोर रेसहाव जुगल किशोर
जगदलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1412 सीट नं० 103 ऐरिया 19443 सक्कायर
फीट मोहल्ला केवल मुन्दा वाई जगदलपुर टाउन एलोग विथ सभी
स्टेन्डिंग स्ट्रैकचर इत्यादि।

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 17-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अक्टूबर 1975

निदेश सं० एम० आर० /इन्दौर/11-2-75:— अतः मुझे,

एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० म० नं० 3/5 है, जो साउथ तुकोगंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-2-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जयन्द्रा वल्द कुमुम चन्द्रा मजुमदार निवास इन्दौर। (अन्तरक)

(2) श्री कसमीरा जोन वल्द चपरियन रेवलो (2) श्रीमति मरी लोर्ड रेवलों पति कसमीरा जोन 3/5 नाथ मन्दिर कालोनी इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3/5 नाथ मन्दिर कालोनी साउथ तुकोगंज इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 17-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अक्टूबर 1975

निदेश सं० एम० आर०/जबलपुर/27-2-75 :—अतः,
मुझे, एम० एफ० मुन्शी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है
और जिसकी सं० म नं० 661 है, जो नेपीअर टाउन में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-2-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डोनल्ड राबर्ट सैवील 660 नेपीअर टाउन
जबलपुर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती ओम्मा खन्ना गली नं० 12 सदर बाजार
जबलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 660, 661 नेपीअर टाउन, जबलपुर।

एम० एफ० मुन्शी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री विनोद मिल्क कम्पनी उज्जैन (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) दी फुअनेक्स मिल्क लि० शीना पट्टी बपत मार्ग बम्बई
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अक्तूबर 1975

निदेश सं० एम० आर० /उज्जैन/12-2-75:—

अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है और जिसकी सं० लीज होल्ड लेण्ड साथ में बिल्डिंग है, जो आगरा रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12-2-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्रावत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लेशी होल्ड लेण्ड साथ में बिल्डिंग बनी हुई आगरा रोड उज्जैन

एम० एफ० मुन्शी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

भोपाल, दिनांक 17 अक्तूबर 1975

निदेश सं० एस० आर० /जबलपुर/फरवरी, 1975:—
अतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
जिसकी सं० म० नं० 54, है, जो नर्मदा रोड में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रकृत अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री एस० पसुपती बल्द लाला श्री सुब्रमनिश्रम 1464
साउथ टी० टी० नगर, भोपाल (अन्तकर)

(2) श्रीमती कुसुम मित्तल पति श्री श्री बी० एस० मित्तल
110 नेपाँगर टाउन, जबलपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 54 नर्मदा रोड, जबलपुर

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-10-75

मोहर :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17-10-75

निदेश नं० एस० आर०/रतलाम/11-2-75:— अतः मुझे,

एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० मकान बना हुआ है, जो कालेज रोड पर स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-2-75 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (2) श्रीमती बसन्ती बाई विधवा रेवाशंकर (2) कैलाशचन्द
(3) विष्णुचन्द (4) श्री रमेश चन्द (5) सुधीर
पिता रेवाशंकर (6) श्रीमती गीताबाई विधवा
कुन्ज विहारिलाल नं० 6, रतलाम (अन्तरक)
(2) श्री आर० आर० बोहरा एण्ड कम्पनी पारटन श्री राम-
गोपालन पिता धूलीजी, पोरबन्दर हाल, रतलाम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान बना हुआ कालेज रोड पर वेस्ट्रिंग म० नं० 3 ऐरिया 3996 सक्कार फीट, रतलाम,

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 17-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अक्तूबर 1975

निदेश सं० एस० आर०/रायपुर/20-2-75:— अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० प्लॉट और मकान है, जो सती बाजार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-2-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री सोहन लाल नूथानी (2) मदनमोहन (3) मोती-लाल (4) पद्मालाल पुत्रगण श्री रामलाल सदर बाजार रायपुर । (अन्तरक)

(2) श्रीमती गनेशी बाई पति गुलाब चन्द जैन सती बाजार बाई रायपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां, करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट और मकान सती बाजार रायपुर ।

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 17-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती सरना भट्टाचार्यी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्रीमती गौरी गोस्वामी

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5 कलकत्ता-16

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

कलकत्ता-16 दिनांक 15-10-75

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

निर्देश सं० ए०सी-19/अर्जन रेंज-5/कैल-75-76:—अतः, मुझे, एस० एस० इनामदार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ख० 4035 वाग सं० 15871, 15972, व 15873 है तथा जो भीष्मा बाली, पी० एस० बाली हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख 14-2-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 कठा 14 छटांक 5 स्क्वैर फीट भूमि एवं भूकान स्व० सं० 4038 वाग सं० 15871, 15872, एवं 15873 भीष्मा बाली पी० एस० बाली हावड़ा में स्थित खोड सं० 590 ता० 14-2-75

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

एस० एस० इनामदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5
54, रफीअहमद किरवाई रोड,
कलकत्ता-16

अतः अब उक्त अधिनियम, की, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

तारीख : 15-10-75

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

(1) श्री तारकचरण घोष

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती नीता दत्त

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5 कलकत्ता-16

कलकत्ता-16 दिनांक 15-10-75

निदेश सं० ए सी -18/अर्जन रेंज-5/कल/75-76:— अतः
मुझे, एस० एस० इनामदार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० 655 दाग सं० 3751 है तथा जो मौझा सुकचर
पी० एस० खदी 24 परगना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बरैकपुर, 24 परगना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-2-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 बीघा 8 कट्टा 11 छटांक भूमि, ख० सं० 655. दाग सं०
3751, मौझा सुकचर, पी० एस० खदी, 24 परगना में स्थित
डीड सं० 503 ता० 5-2-75।

एस० एस० इनामदार,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5

54, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 15-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

Acq. File No. 247/J. No. I(520)KR/74-75.

यतः मुझे, B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं०

526/1 1-34 cents & 534/1-3-77 cents. Total-Ac—5—11
cents (Five Acres Eleven cents), है, जो में Gannavaram
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Gannavaram, में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
15-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) Smt. Maddali Jayaprada,
W/o Sri Maddali Ananta Padmanabha Prasad,
Punnadipadu Village, Krishna Dt.

(अन्तरक)

(2) Smt. Bhavneni Venkata Bhaskaramma,
W/o Sri Parusuramaiah, Eluru Road, Durga
Agraharam, Vijayawada.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 236 of
1975 registered before the SRU Vijayawada.

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 9-10-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० अ० ई० 290/74-75—अतः मुझे जे० एम० मेहरा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6, 7, 9, 10 है, जो नाहूर मुलुड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० सर्स मिर्नह्ला डिलर्स प्रा० लि० (अन्तरक)

2. मैसर्स एच० ए० बन्धीअली टीन फैक्टरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रामनाकर (मुलुड के पास) जो कि अब बृहत बम्बई के बम्बई उपनगर के जिला बांद्रा के रजिस्ट्रेशन उपजिले में है, में स्थित, आवस्थित खाली तथा खुली जमीन (ओपन लैंड) जो कि प्लॉट से 6, 7, 9, और 10 में उपविभाजित है। वह तमाम भाग, या हिस्सा जो कि माप में 9766 वर्ग गज (नी हजार सात सौ छयासठ वर्गगज है जो आठ हजार एक सौ पैसठ दशमलव, बावन वर्ग मीटर के या उसके समतुल्य है) तथा जिसका सर्वेक्षण सं० 54 हिस्सा सं० 1 (पार्ट) तथा सर्वेक्षण सं० 119 हिस्सा सं० 1 (पार्ट) तथा जो निम्नलिखित, अनुसार घिरा हुआ है। उत्तर में या उत्तर की ओर 56 फुट सड़क है दक्षिण या दक्षिण की ओर 33 फुट की सड़क है। सर्वे नं० 54 हिस्सा नं० 1 (अंश) और सर्वे नं० 19 हिस्सा नं० 1 (अंश) पूर्व या पूर्व की ओर प्लॉट सं० 12, 13, 14 और 15 है तथा पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर प्लॉट सं० 2, 3, और 4 है।

जे० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, बम्बई।

तारीख : 9-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड

धारवाड, दिनांक 18 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० 83/75-76/एक्यू०—यतः, मुझे, पी० सत्यनारायण
राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसका सर्वे नं० 187-ई और 185-ए है, जो मानूर गांव,
शिरगुप्पा तालुक, बल्लारी जिला में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, कंप्ली डाक्युमेंट नं० 1488 के अंतर्गत
17-2-1975 के दिन

म भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० लक्ष्मीनरसिंह सुपुत्र ए० चिन्नबापि राजू, मन्नूर
कंथाप, शिरगुप्पा तालुक (अन्तरक)

2. इन्द्रजीत सिंह सुपुत्र वी० एस० ग्रेवाल, डोर नं० 415,
पुनामल्ली हाथ रोड, मद्रास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

खेती का जमीन जो बल्लारी जिला, शिरगुप्पा तालुक के
मानूर गांव में स्थित है ।

सर्वे नं०

विस्तीर्ण

187-ई

एकड़ सेंट

11—01

185-ए

14—56

25—57

पी० सत्यनारायण राव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड

तारीख : 18-10-75

मोहर :

प्ररूप० अई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 15 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० 82/75-76/एक्यू०—यतः, मुझे पी० सत्यनारायण
राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी डोर सं० 646 इमारतों की साथ है, जो बल्लारी
जिला के शिरगुप्पा शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
शिरगुप्पा में डोक्यूमेंट नं० 2716 के अंतर्गत 8-3-1975 के दिन
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन ()

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1, (1) श्री गल्ला रामण्णा सुपुत्र एगण्णा, ट्रेडर, शिरगुप्पा
(बल्लारि जिला)

(2) श्री जी० आर० बाबूजी सुपुत्र जी० रामण्णा, ट्रेडर,
शिरगुप्पा (बल्लारी जिला) (अन्तरक)

2. (1) श्री एम० अश्वीश साहेब सुपुत्र एस० हुसेन साहेब,
ट्रेडर, शिरगुप्पा ।

(2) श्री एस० अब्दुल राउफ सुपुत्र अश्वीश साहेब ट्रेडर
शिरगुप्पा (बल्लारि जिला) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन और उस पर स्थित इमारतें (सीनेमा डॉल, बुकिंग
ऑफिस बिल्डिंग, जनरेटर रूम बिल्डिंग) जो चारों ओर कम्पोड बाल
में आवृत है । जिसकी डोर नं० 646 है और ए सम्पत्ति शिरगुप्पा
मुनिसिपालटी के वार्ड नं० VI में शिरगुप्पा शहर में स्थित है ।

सीमाएं :—

पूरब में :	रावीथल सुगण्णा के बिल्डिंग
पश्चिम में :	हास्पीटल एरीया और कम्पौंड ।
उत्तर में :	खुला जमीन
दक्षिण में :	शिरगुप्पा अडोनि रोड ।

पी० सत्यनारायण राव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

दिनांक : 15-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० राज० सहा० आ० अर्जन/278—यतः मुझे
सी० एस० जैन
आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 285 है तथा जो अलवर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अलवर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 मार्च, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8—316G1/75

(1) श्री तुलसीराम पुत्र श्री छाजूराम, मालाखेड़ा बाजार,
अलवर (अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाशवन्ति पत्नि श्री प्यारेलाल, तहसील
कार्यालय के पास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन जो प्लॉट नं० 285, स्कीम नं० 2, लाजपतनगर, अलवर
में स्थित है।

सी० एस० जैन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 16-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, आप अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 11/317(905)/75-76—यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जी-40 राधापुरी है, जो कृष्ण नगर, शाहदरा दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बलविन्द्र कुमार शर्मा, सुपुत्र श्री नारायण दास शर्मा, निवासी जे-2/2-ए, कृष्ण नगर, दिल्ली-51।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गायत्री पाठक, पत्नी श्री उमेश चन्द्र पाठक, निवासी एस-34, राजौरीगार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक क़ेड मंजिला बिल्डिंग जो कि प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है तथा नं० 40, ब्लाक नं० 'जी' है और जोकि राधेपुरी, कृष्ण नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व :	लेन 10 फुट
पश्चिम :	सड़क 20 फुट
उत्तर :	जायदाद नं० जी-41
दक्षिण :	जी-40 का बाकी भाग

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12 अक्टूबर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, ग्रासफ गली रोड, नई दिल्ली

दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1859(904)/
75-76—यतः, मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1429 है, जो गली गान्धवी वाली, कालन महल, दिल्ली में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राधा कौर, निवासी 1429, गली गान्धवी वाली, कालन महल, दिल्ली-6 (अन्तरक)

2. मोहम्मद रफी, निवासी 1429, गली गान्धवी वाली, कालन महल, दिल्ली-6 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि प्लॉट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 53 वर्ग गज है तथा जो गली गान्धवी वाली, कालन महल, दिल्ली में स्थित है ।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख : 22-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1/2, दिल्ली-1

4/14 आसफ अली रोड, नई दिल्ली

दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/11/285/(908)

75-76 मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० बी-9/5 है जो कृष्ण नगर शाहदरा दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-2-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मोहिन्दर कौर, पत्नी श्री प्रेम सिंह, निवासी ए-7, जगतपुरी, दिल्ली-5 (अन्तरक)

2. श्री कृष्ण कुमारी, पत्नी श्री भागीरथ राम प्रकाश, निवासी ए-4/23, कृष्ण नगर, दिल्ली-5 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जोकि प्लॉट की भूमि पर जिसका क्षत्रफल 97-2/9 वर्ग गज है तथा सं० बी-9/5 है और जोकि कृष्ण नगर, शाहदरा, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व :	प्लॉट नं० पी-9/4
पश्चिम :	बी-9/5 का भाग
उत्तर :	सड़क
दक्षिण :	प्लॉट नं० बी-10/5

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 22-10-75 अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली 1
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1/2, दिल्ली-1

4/14ए, आसफ अली रोड

दिनांक 20 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० एयु०/11/272(906)/75-76

यतः, मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी-10/4 है, जो कृष्ण नगर, गाउन्ली दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रकाश भटनागर, पत्नी श्री कुल भूषण, निवासी एच-1/4, कृष्ण नगर, दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री आर० के० मित्तल, सुपुत्र श्री जगन्नाथ, निवासी 7-डी, कमला नगर, दिल्ली-1

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

संशुद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मकान जो कि प्लॉट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 164 वर्ग गज है तथा नं० 4, ब्लाक सी-10, कृष्ण नगर (गांव गाउन्ली), दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :

पूर्व :	जायदाद नं० सी०-10/3
पश्चिम :	सी-10/4 का भाग
उत्तर :	सड़क
दक्षिण :	जायदाद नं० सी०-9/5 ।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2, दिल्ली, नई दिल्ली ।

तारीख : 20 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

दिनांक 22 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० 11/1722 ए (9077)/
75-76/—यतः, मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० 14-6671, अहाता किदारा, है जो बारा हिन्दु राव,
सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 17-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-
रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कमला बती, पत्नी श्री गोपाल दास चावला
निवासी 19/30, शक्ति नगर, दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री बटुल जबर तथा शामास उलदीन, सुपुत्र श्री मदर
साहिब, निवासी 6753, अहाता किदारा, बारा
हिन्दु राव, सदर बाजार दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक दुमजिला मकान जिसका मुन्यसिपल नं० 14/6671 है
और जोकि अहाता किदारा, बारा हिन्दू राव के क्षेत्र में सदर बाजार,
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व :	गली
पश्चिम :	जायदाद नं० 6672
उत्तर :	मकान नं० 6670
दक्षिण :	मकान नं० 6673

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

दिनांक 22 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० I/एस० आर०-III/ फरवरी-1/(31)/74-75/—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी-40, सी-41 तथा सी-42 है, जो कनाट प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रवतार सिंह सन्धू सुपुत्र एस० बी० एस० पुसाखा सिंह सन्धू, निवासी 5, जन्तरमन्तर रोड़, नई दिल्ली (अन्तरक)
2. मै० न्यू इन्डिया कनस्ट्रक्शन कं०, 4/5, सिंह सभा रोड़, सज्जी मण्डी, दिल्ली (अन्तरिती)
3. श्री पो० एन० लाम्बा (सी-40)
श्री एच० एल० ललवाली (सी-1)
श्री विनय चन्द (सी-42)
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

लीज-होल्ड उच्चल जायदाद जिसका क्षेत्रफल 7200 वर्ग गज है जोकि ऊपर की मजिल पर है और जिसका मुख्यसिपल नं० सी-40, सी-41 तथा सी-42, कनाट प्लेस, ई नई दिल्ली में है, जिसमें कमरे, रसोई बाथ रूम, सामने का बरादाह तथा सामने कनाट प्लेस लेन है जोकि कनाट प्लेस के बीच में तथा कनाट सर्कस के बीच है, और सीमाएं निम्न प्रकार से हैं :—

पूर्व	एस० दया सिंह को जायदाद
पश्चिम :	एस० जोगिन्द्र सिंह को जायदाद
उत्तर :	सार्वजनिक सड़क तथा कनाट लेन
दक्षिण :	खुला मैदान

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 22-10-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई०-1/1143-10/मार्च-75—अतः मुझे एन० के० शास्त्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1742 माहिम डिवाजन, माहिम है, जो प्लॉट नं० 32 शिवाजी पार्क स्कीम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी :—

1. श्रीमती मंगलाबाई वामन केतकर। (अन्तरक)
2. श्रीमती आशा मोहन हींगोटाणी। (अन्तरिती)
3. किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम भाग अथवा खण्ड जिसका क्षेत्रफल 561 वर्ग गज या उसके समकक्ष है। तथा जो बम्बई नगर और द्वीप (आयलैंड) में तथा अंबई नगर 1 के जिलों/उपजिलों में बम्बई नगर के लिए म्युनिसिपल कार्पोरेशन की माहिम स्थित योजना शिवाजीपार्क स्कीम के अन्तर्गत बने भवनों में से है। तथा जिसकी प्लॉट संख्या 32 है, और जो कि इस प्रकार से घिरा हुआ है।

उत्तर पूर्व में 40 फुट की सड़क है। दक्षिण पूर्व में उसी योजना की प्लॉट सं० 33 है। तथा जिसे पट्टे पर (लीज) पर गंगाराम भाऊ कोलते को देने के लिए सहमति हो गयी है।

दक्षिण पश्चिम में उस योजना की प्लॉट संख्या 30 है। तथा जिसे पट्टे पर (लीज) बाई बबलीबाई शाहजी शोराफजी को देने के लिए सहमति हो गयी है, और उत्तर-पश्चिम में उसी योजना की प्लॉट संख्या 31 है। तथा जिसे पट्टे पर (लीज) पर एस० व्ही० आपटे को देने के लिए सहमति हो गयी है। जमीन का यह भाग माहिम डिवाजन की केडास्ट्रल सर्वे संख्या 1742 का भाग है। तथा जिसका निर्धारण म्युनिसिपल दर और कर के (असेसर) और कलेक्टर ने जि० बाई सं० 4891 (2 ए०) स्ट्रीट नं० 219 एए, शिवाजी पार्क सड़क नं० 2 के अधीन किया है।

एन० के० शास्त्री,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख : 13-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 23 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई०-1/1112-15/मार्च 75—अतः मुझे एन०
के० शास्त्री आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सी० टी० एल० नं० एफ०/841 है, जो बांद्रा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 5-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

9-316GI/75

1. श्री कोरोल नोमनभाई रंगवाला और अन्य
(अन्तरक)
2. श्री महम्मद रफी हाजी अलमहम्मद (अन्तरिती)
3. श्रीमती बिरुकीस महम्मद रफी। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वहां पर बनी इमारत गृहवाटिका निवास गृहोंसहित जमीन
या भूमि का वह तमाम टुकड़ा जो बान्द्रा पे स्थित है और जो रजिस्ट्रै-
शन उप-जिला, जिला, बृहत्तर बम्बई (अब वह बम्बई शहर)
में है और टी० पी० एस० 111 बान्द्रा का फायनल प्लॉट नं० 43
और सी० टी० एस० नं० एफ० 841 है और जो माप से 855 वर्ग
गज याने 714.89 वर्ग मीटर या उसके समकक्ष है और जो निम्न
प्रकार से घिरा है अर्थात् उत्तर की ओर से प्लॉट नं० 44, सर्वे नं०
843, दक्षिण की ओर से 20 वा रोड, पूर्व की ओर से प्लॉट नं०
56, सर्वे नं० 840 और पश्चिम की ओर से रास्ता और उक्त
इमारत जो अब महानगर पालिका से कर निर्धारित ए वाई नं०
5910 (2) पंजीकृत है और 28वां रोड और रीक्रीएशन रोड
के कोने पर है।

एन० के० शास्त्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख : 23-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई०-1/1104-7/मार्च 75—अतः मुझे एन० के० शास्त्री

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1635, पार्ट डिवीजन के ब्लॉक का प्लॉट नं० 199 है, जो बैंकबे रेक्लमेशन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुस्तक कमल हायवली और अन्य (अन्तरक)

2. एयरलाईन्स हॉटेल प्रा० लि० (अन्तरिती)

3. किराएदार। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर और रजिस्ट्रेशन उपजिले में बम्बई सरकार की बैंकबे रेक्लमेशन ऐस्टेट के ब्लॉक 11 में प्लॉट सं० 199 के रूप में उस पर बनी इमारत, गृहवाटिका और उस पर स्ट्रक्चर सहित जाने जाना वाला जमीन का वह तमाम भाग जो की माप में 1929 वर्गगज अर्थात् 1613 वर्ग मीटर के समकक्ष है उसकी सीमाएं इस प्रकार से घिरी हुई है, उत्तर में या उत्तर की ओर उसी ऐस्टेट की प्लॉट सं० 200 है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर उसी प्लॉट की प्लॉट सं० 198 है, पूर्व में या पूर्व की ओर जमशेटजी टाटा मार्ग है तथा पश्चिम में या पश्चिम की ओर उसी ऐस्टेट की प्लॉट संख्या 202 है और यह उपरोक्त कथित जमीन का टुकड़ा बम्बई के कलक्टर की पुस्तकों में रेंट रोल नं० 10097 के अधीन पंजीकृत है तथा फोर्ट डिवीजन की सी० एस० सं० 1635 है।

एन० के० शास्त्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 21-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० अ० ई०-1/1144-14/माचं 75-अतः मुझे
एन० के० शास्त्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० सी० एन० नं० 217 और 218 फोर्ट डिब्बोजन है,
जो ग्रीन स्ट्रीट बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूती
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सब रजिस्ट्रार बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 29-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहनलाल टी० भाटिया (अन्तरक)

2. श्रीन हाउस प्रेमाससीसू ओनर्स को-आपरेटिव सोसायटी
लि० (अन्तरिती)

3. किराएदार। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, यदि
कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई आयलैंड में बम्बई के रजिस्ट्रेशन उपजिले में ग्रीन स्ट्रीट
बम्बई में स्थित, अवस्थित एवं विद्यमान फ्रीहोल्ड टेन्योर का ग्राउंड
या खाली जमीन का वह तमाम भाग, अथवा खण्ड जिसका क्षेत्रफल
280 वर्ग गज है तथा कोर्ट याड 333 वर्ग गज अथवा उसके समकक्ष
है तथा जो राजस्व कलक्टर की पुस्तकों में ए० सर्वे सं० 9315
(पार्ट) फोर्ट डिब्बोजन के कैंडस्ट्राल सर्वे सं० 217 और 218 के
अधीन दर्ज है तथा म्युनिसिपल दर और कर, कलक्टर की पुस्तकों
में ए० (1) वार्ड सं० 1077 तथा स्ट्रीट सं० 46 ग्रीन स्ट्रीट के अधीन
दर्ज है तथा उसकी सीमाएं इस प्रकार से घिरी हुई हैं कि पूर्व में या
पूर्व की ओर प्रोपर्टी सी० एन० सं० 216 है जो कि पहले प्रिंस
ऐली एन० खान की थी और अब सायलवस्टर एम० फर्नांडीस की
है। पश्चिम में या पश्चिम की ओर एक निजी रास्ता है, तथा उसके
पीछे प्रापर्टी सी० एन० सं० 219 है जो कि पहले फ्राम जी होरमराजी
कोमपीसरितवाला की विधवा बनुबाई की थी, और अब सोराब
बोमन ईरानी की है। उत्तर में या उत्तर की ओर प्रापर्टी सं० सी०
एन० सं० 220 है जो कि पहले हाजी हामिद हाजी उस्मान तथा
अन्य लोगों की थी और अब मनीलाल टी० शाह की है और दक्षिण
में या दक्षिण की ओर ऊपर उल्लिखित ग्रीन स्ट्रीट है।

एन० के० शास्त्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 13-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० अ० ई०-1/1108-11/मार्च 75—अतः मुझे
एन० के० शास्त्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थाई सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सी० एस० नं० 171, प्रिन्सेस हाक डिव्हीजन
है, जो आरगेल रोड, एलफिन्टन एस्टेट में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार बम्बई में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-3-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हिरनी लक्ष्मीदास (अन्तरक)
2. ईस्टर्न चम्बर्स प्रेमायसीस को-आपरेटिव सोसायटी लि० (अन्तरिती)
3. किराएदार। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई द्वीप में आरगेल रोड पर स्थित एल्फिन्टन स्टेट में बम्बई
पोर्ट से सम्बन्धित जमीन का तमाम भाग जो कि माप में 579.62
बर्ग मीटर या उसके समकक्ष है, तथा जिसकी सीमाएं इस प्रकार से
चिरी हुयी हैं।

उत्तर में या उत्तर की ओर पूना स्ट्रीट है। दक्षिण में या दक्षिण
की ओर उपरोक्त स्ट्रीट की ही अन्य भूमि है। जिसकी प्लॉट सं०
127 ए है, और जिसे पट्टे पर ईश्वरलाल छगनलाल तथा अन्य जो
कि मेसर्स पोपट ब्रदर्स के नाम से व्यापार कर रहे हैं। पूर्व में या
पूर्व की ओर आरगेल रोड है। तथा पश्चिम में या पश्चिम की ओर
ट्रस्टियों से सम्बन्धित भूमि है। जिसकी फायनल प्लॉट संख्या
128 बी है। तथा जिसे प्रभुदयाल अग्रवाल तथा अन्यो को पट्टे के
आधार पर दिया हुआ है। तथा जो भूराजस्व बम्बई के कलेक्टर की
पुस्तकों में कंडस्ट्रल सर्वे संख्या 171 प्रिन्सेस हाक डिव्हीजन में
पंजीकृत है, तथा म्युनिसिपल दर और कर के निर्धारक (असेसर)
तथा कलेक्टर की पुस्तकों में बी बार्ड सं० 4802, 4804 स्ट्रीट नं०
52, 58 आरगेल रोड और 47-49 कल्याण स्ट्रीट, के अधीन दर्ज है,
तथा टाउन प्लानिंग स्कीम की एलफिन्टन एस्टेट सेक्शन की फायनल
प्लॉट सं० 128 ए है। और बम्बई नगर तथा बम्बई उपनगर के
रजिस्ट्रेशन जिले और उपजिले में स्थित है। तथा पट्टे में अरेखित
है और विशेष रूप से अनुबद्ध है।

एन० के० शास्त्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 21-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० अ० ई०-1/1141-11/मार्च 75—यतः मुझे
एन० के० शास्त्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1059, 1/1060, 1061,
2/1061, 1062 परेल डिवीजन है, जो प्रभादेवी में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सबरजिस्ट्रार बम्बई में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
25-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती गूलबानू महेरखान इरानी और अन्य ।

(अन्तरक)

2. श्री हरुब रस्तुम इरानी

(अन्तरिती)

3. किराएदार । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

निम्न लिखित में आधा हिस्सा :—

निवास गृहों सहित जमीन जो प्रभादेवी पर स्थित तथा जो
माप से 8577 वर्ग मीटर है जिसका केडेस्ट्राल सर्वेक्षण नं० 1062
लोअर परेल डिवीजन है ।

निवास गृहों सहित जमीन जो माप से 224 वर्ग मीटर है ।
जिसका केडेस्ट्राल सर्वेक्षण नं० 1061 (अंश लोअर परेल डिवी-
जन है) ।

निवास गृहों सहित जमीन जो माप से 1033 किलो मीटर
है, जिसका केडेस्ट्राल सर्वेक्षण नं० 1059 और 2/1060 लोअर
परेल डिवीजन है ।

निवास गृहों सहित जमीन जो माप से 974 वर्ग मीटर है जिसका
सर्वेक्षण नं० 1961 और 1/1066 लोअर परेल डिवीजन
है ।

एन० के० शास्त्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1,

बम्बई

तारीख : 22-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० अ० ई०-1/1118-21/मार्च-75-अतः, मुझे, एन०
के० शास्त्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० 1/1680 लोअर परेल डिवीजन
है, जो प्लॉट नं० 254 बी वरली इस्टेट में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-3-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. बेलवांडी प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)
2. निलनि फाउन्डेशन ट्रस्ट (अन्तरिती)
3. किराएदार। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम भाग एवं उस पर बनी इमारत सहित
जिसे 'बेलवांडी हाऊस' कहते हैं वह माप में तीन हजार आठ सौ
नवासी (3889) वर्ग गज अर्थात् 3552 वर्ग मीटर या उसके
समकक्ष है, वह बम्बई नगर और द्वीप तथा सब रजिस्ट्रेशन उपजिले
की बृहत्तर बम्बई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की वरली ऐस्टेट की
प्लॉट सं० 235-बी० है तथा जिसकी सीमाएं इस प्रकार हैं।

उत्तर में उक्त ऐस्टेट की प्लॉट संख्या 254 सी है, पूर्व में 40 फुट
की सड़क संख्या 11 है, दक्षिण में उक्त ऐस्टेट का प्लॉट संख्या
254 ए है तथा पश्चिम में एक हजार फुट की सड़क डा० ऐनी
वेसंट मार्ग है। जिसकी लोअर प्रेत डिवीजन न्यू० सर्वे संख्या 1418
है। तथा केडांस्ट्राल सर्वे संख्या 1/1680 है। उसका निर्धारण
म्युनिसिपल दर एवं करके अस्सेसर के और कलेक्टर की जी बार्ड
संख्या 1462 (2) स्ट्रीट संख्या 461 भी डा० ऐनी वेसंट रोड के
अधीन है।

एन० के० शास्त्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख : 22-10-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० अ० ई० 5/291-सी०/75—अतः, मुझे, जे०
एम० मेहरा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 192, हिस्सा नं० 3 है, जो कुर्ला बम्बई-
70 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बान्द्रा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
14-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) बिशनसिंग सन्तासिंग
(2) श्रीमती सुरानीत कौर
(3) मेहरासिंग पाला सिंग
(4) श्रीमती सविंदर कौर
(5) साधुसिंग बसकाहिंग
(6) श्रीमती गुरुवचन कौर (अन्तरक)

2. गुरुसेवक को० ओ० हा० सोसायटी (अन्तरिती)

3. गुरुसेवक को० ओ० द० सो० के० मेंबर्स (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भू प्लॉट जो कि माप में 816 वर्ग गज अर्थात् 680 वर्ग मीटर
है। उसकी सर्वे संख्या 192, हिस्सा संख्या 3, म्युनिस्पल एल०
वार्ड संख्या 3706 (9) एस० टी० नंबर 268 ए० न्यू०
आग्रारोड, कुर्ला, बम्बई 70 है।

जे० एम० मेहरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख : 21-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० अ० ई० 5/271/74-75—यसः, मुक्त, जे० एम० मेहरा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ओल्ड नं० 1/ए० और सी० टी० एस० नं० 457 है, जो चेंबूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-3-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) जगन्नाथ रामचन्द्र चेंबूरकर
- (2) पुष्पकुमार जगन्नाथ चेंबूरकर
- (3) विनयकुमार जगन्नाथ चेंबूरकर

- (4) यशवंत रामचन्द्र चेंबूरकर
- (5) हेमन्तकुमार जगन्नाथ चेंबूरकर
- (6) अलका सदानन्द जाबोलीकर जी
- (7) अलका जगन्नाथ चेंबूरकर
- (8) वैशाली सुरेन्द्र कुबीर नी
- (9) रेखा जगन्नाथ चेंबूरकर
- (10) कीरन जगन्नाथ चेंबूरकर
- (11) जयश्री जगन्नाथ चेंबूरकर। (अन्तरक)

2. (1) लक्ष्मण जमाली गडकरी
- (2) सदानन्द भीकाजी कलगुटकर
- (3) विठ्ठल भीकाजी कलगुटकर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्रेशन उपजिला बांदरा में चेंबूर में स्थित एवं अवस्थित तथा विद्यमान जमीन का वह तमाम खंड या प्लॉट या मैदान जिसकी पुरानी प्लॉट संख्या 1/1ए तथा लिटोल भलबार हिल उपनगर योजना संख्या III में नई प्लॉट संख्या या सी० टी० एस० नंबर 457 है और जिसका म्युनिसिपल एम बार्ड संख्या 143/सी० एस० टी० रोड है। जो कि फायर ब्रिगेड स्टेशन से अगला है। वह माप में लगभग 840 वर्गगज अर्थात् 702.34 वर्ग मीटर है तथा जिसकी सीमाएं इस प्रकार हैं : पूर्व में अथवा पूर्व की ओर हरिश्चन्द्र भास्कर चेंबूरकर की प्रोपर्टी एन० सं० 25 है, पश्चिम में, अथवा पश्चिम की ओर फायर ब्रिगेड स्टेशन है, और दक्षिण या दक्षिण की ओर सायन ट्राम्ब रोड है, और उत्तर में अथवा उत्तर की ओर प्लॉट संख्या 6 है।

जे० एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख : 17-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० अ० ई०-1/1120-23/मार्च 75—अतः, मुझे, एन० के० शास्त्री आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० फोर्ट 1429, फोर्ड डिवीजन है, जो न्यू मरिन लाइन्स के पूर्व बाजू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कथित जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नथूमल मेघराज निरवानी और धमडेराम केवलजी गोवानी (अन्तरक)

2. कोर्ट चैबर्स प्रेमायसीस को० आ० मोसायटी लिमिटेड (अन्तरिती)

3. उन व्यक्तियों के नाम और पते जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है :—

आउट तल :

- (1) मैसर्स आर० सी० भवानी कोर्ट चैबर्स डिमिटेड को० और अन्य सो० लिमिटेड, 35 न्यू मरिन लाइन्स, बम्बई-20
- (2) कोकण केमिकल्स प्रा० लि० ---वही---
- (3) सत्यपाल ट्रेवलस ---वही---
- (4) सी० जेड० इन्स्ट्रूमेन्ट्स इंडिया प्रा० लि०
- (5) मैसर्स वटानमल तुलचंद
- (6) मैसर्स सेथ ओव्हर्ससीज कारपोरेशन
- (7) फोरसाइट एंडवर्टाइजिंग प्रा० लि०
- (8) कला नृत्य
- (9) रविधा इन्टरप्राइज
- (10) स्पीरिच्युअल असेंबली आफ बहाइत बहाई सेंटर
- (11) मैसर्स अलकॉन और अरकॉन पावरलिफ्ट
- (12) श्री सी० एन० संघवी
- (13) मैसर्स मरुबनी कारपोरेशन
- (14) पुलगांव काटन मिल्स लि० विनर लि०
- (15) मैसर्स लिश्रा (एजेन्सीज) प्रा० लि०
- (16) एल० डी० जोशी को०
- (17) के०—दोशी असोसिएशन बिजनेस कारपोरेशन
- (18) श्री पी० एन० मसांद
- (19) श्री व्ही० एस० सबानी
- (20) श्री के० आर० काकर
- (21) सीटा
- (22) मैसर्स कनभाई एन्जनीरिंग प्रा० लि०
- (23) एस्लेस्ट जोन और को०
- (24) हेरम इंडिया प्राईवेट लिमिटेड
- (25) श्री आर० बी० शहा
- (26) मार्टिन मैनेजमेंट कौन्सिल (एम० एस० सी०)
- (27) मैसर्स पी० एस० जैन कं० लि०
- (28) एम्प्लेगमेंटेड कोल फाइलड लि०
रामचन्द्र बदीप्रसाद कारबोनेट (इंडिया) लि०
आराधना सिल्क मिल्स प्रा० लि०
- (29) सीता
- (30) श्री रामानी के० के०
- (31) श्री डी० आर० रायनी, रामानी एन्ड को०
- (32) श्री बन्सीलाल एम० पारीख
- (33) ए० सी० कामदार एन्ड को०
- (34) मार्सेडन बकुभाई एन्ड सन्स प्रा० लि०
- (35) इन्डस्ट्रीयल इम्प्रूवमेंट प्रा० लि०
- (36) एडवर्टाईसिंग कन्सल्टेंट (इंडिया) लि०
- (37) मैसर्स विसवामण्डल हाऊसिंग को० आ० लि०
- (38) ग्राफीट इंडिया लि०
- (39) रेलीअन्स हीट ट्रांसफर प्रा० लि०
- (40) एस० पी० जैन (राजन को०)
- (41) नवरत्न आर्ट ज्यूवेलर्स
- (42) श्री हरीकिसन बी० ठक्कर
- (43) ईस्ट इंडिया पेपर को०
- (44) मैसर्स मुरलीधर प्रेमचंद को०
- (45) ---,---
- (46) अटीक कारपोरेशन
- (47) एल्फ हसन लि०
- (48) निट को टाइम्स प्रा० लि०
- (49) श्री एन० गंगूमल
- (50) श्री किशोर एल० रोजा

- (51) पोदार सेल्स कारपोरेशन
- (52) क्लारिअन मक्कन अडवरटाईजींग सर्विसेज लि०
- (53) इन्सीपेक्स कारपोरेशन
- (54) सर्वे सेटलींग सीडिकेट
- (55) सी० एस० मेहता और को०
- (56) ए० नाटसन और को० (इंडिया) ए० बी०
- (57) माथाडी कारपोरेशन प्रा० लि०
- (58) तलाठी/जाफ एसोसिएशन आर कौटिकट
- (59) आयाडी कारपोरेशन
- (60) —, —

4. वे व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है वे सम्पत्ति में हितबद्ध है :—

- (1) श्री आर० सी० भवानी और अन्य
- (2) श्री एम० व्ही० पटेल और अन्य
- (3) श्री अलीन सीव्हा
- (4) मैसर्स बतनमल बलचंद
- (5) श्रीमती दर्शन एस० गोयल
- (6) श्रीमती कमला व्ही० गोएल
- (7) सरदार राजेन्द्रसिंग
- (8) स्पीरीच्युअल एसोबली ग्राफ बहाइज
- (9) मैसर्स अलकान और अलकान
- (10) श्री सी० एन० संघवी
- (11) कुमारी मथानी चन्द्रा
- (12) कुमारी मथानी व्हीस एच०
- (13) श्रीमती व्ही श्रीनिवासन
- (14) श्री नारायणदास एस० खेमलानी
- (15) श्रीमती विनीता स्वामी
- (16) श्री गोस्वामी हरीकिसन
- (17) श्रीमती पुष्पा एल० जोशी
- (18) श्री पी० एस० मसाद
- (19) श्री व्ही० एस० सबानी
- (20) श्री के० आर० कबकर
- (21) श्री आय० एल० बाहेर
- (22) श्रीमती कला शामदास सहानी
- (23) श्री स्त्रीस्तोपर जोन और अन्य
- (24) श्रीमती स्वीथ आय जंगीनानी
- (25) श्री शाम एस० कमलानी
- (26) श्री एन० एच० अत्रैया
- (27) मैसर्स श्री० एस० जैन कोली
- (28) श्री हरीकिसन गोस्वामी
- (29) श्री सुन्दरदास खेमलानी
- (30) श्री रामानी गोपीके
- (31) श्री डी० आर० रायनी
- (32) श्रीमती नीला डी० रायनी
- (33) श्री बन्सीलाल एम० पारीख
- (34) श्री ए० सी० कामदार
- (35) श्री विद्याबत चन्द्रकान्त
- (36) श्रीमती सरला एन० जकाराने
- (37) श्री रामचन्द्र मिरचंदानी
- (38) श्री मानेकलाल डी० शाला
- (39) श्रीमती निर्मला शांतीलाल शहा
- (40) श्री सेकरी बी० के०
- (41) होग ज़ोलीनेस विजय शांती सूटेशमरनी चैरिटेबल ट्रस्ट
- (42) श्रेयस ट्रस्ट
- (43) मैसर्स नवरत्न आर्य ज्वैलर्स
- (44) श्रीमती नलीनी एच० ठक्कर
- (45) ईस्ट इंडिया पेपर कम्पनी

- (46) मैसर्स गोपीनाथ इन्डस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन
- (47) —, —
- (48) मैसर्स अटीक कारपोरेशन
- (49) श्री आई० एम० बादरी
- (50) श्री विजय तलवार
- (51) श्रीमती उषा गंगुमल
- (52) श्री एल० के० रहेजा
- (53) मैसर्स बेडराक चमर क० रबड़ को०
- (54) श्री सी० टी० खूबचंदानी
- (55) —, —
- (56) श्रीमती रामकुवरबाई आर०
- (57) श्री सी० एस० मेहता
- (58) श्रीमती नलीनी एच० ठक्कर
- (59) श्री अनीलकुमार जैन
- (60) श्रीमती रंजना के० भवानी
- (61) श्री लालचंद एच० जगनानी
- (62) श्री मुरली पी० मीरचंदानी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई द्वीप में, बम्बई के रजिस्ट्रेशन जिले एवं उप जिले में न्यू मरीन लाइन्स मार्ग के पूर्व में स्थित एवं अवस्थित इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट की पट्टे के आधार पर भूस्वामिन्व की जमीन अथवा मैदान का, उस पर बनी गृहवाटिकाओं तथा हिराडिटामेंट तथा उसका परि-सर सहित वह तमाम भाग जिसकी प्लॉट सं० 15-ए० है, वह माप में 2316 वर्ग गज (अर्थात् 1936.47 वर्ग मीटर) या उसके समकक्ष है, जिसे (कोर्ट चैम्बर्स के नाम से जाना जाता है तथा जिसकी नई सर्वे सं० 8543 (पार्ट) है तथा फोर्ट डिवीजन की कंडास्ट्राल सर्वे सं० 1429 है तथा जिसका निर्धारण म्युनिसिपल कर एवं दर के निर्धारक (असेसर) एवं कलेक्टर की पुस्तकों में वार्ड सं० 3521 तथा स्ट्रीट सं० 29 के अधीन किया गया है, उसकी सीमाएं इस प्रकार हैं—पूर्व में या पूर्व की ओर जमीन का वह भाग है, जो पहले इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट बोर्ड निहित था, पश्चिम में या पश्चिम की ओर न्यू० मैरीनलाइन्स मार्ग है, उत्तर में या उत्तर की ओर प्लॉट सं० 15 है तथा दक्षिण में या दक्षिण की ओर चौरंगी मार्ग है।

एन० के० शास्त्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीख : 18-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० ए-116/गौ/75-76/3493-01—अतः, मुझे, एगबर्ट सिंग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी दाग नं० 694, के० पि० पत्ता नं० 67, है तथा जो गांव जफरिगोग मौजा बेलटोला जिला, कामरूप में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गोहाटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :—

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती उमा देवी पत्नि कुमार जे० एन० देव
गांव रुकमणि नगर, मौजा बेलटोला, जिला कामरूप।
(अन्तरक)

2. श्रीमती उशा देवी काजोरिया, दिलिप कुमार काजोरिया
की पत्नि केयर आफ, मैसर्स रतन लाल अजित सरिया,
फैन्सी बाजार, गोहाटी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के माप 3 (तीन) काता 12 (बारह) लेचा जो कि जूरोड, कलकारखाना एरिया का गांव जफरिगोग, मौजा, बेलटोला, कामरूप जिला में स्थित है।

एगबर्ट सिंग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 22-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

सं० ए०-117/75-76—अतः मुझे एगबर्ट सिंग आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दाग नं० 694 के० पि० पत्ता नं० 67 है तथा जो गांव जफरिंगो, मौजा बेलटोला, जिला कामरूप में स्थिति है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गोहाटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-5-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती उमादेवी कुमार जे० एन० देव की पत्नि, गांव रुक्मणि नगर मौजा टेलटोला कामरूप (अन्तरक)
2. बिना देवी पत्नी श्री शिउप्रसाद काजोरिया की पत्नि केर आफ मैसर्स रतनलाल अजितसरिया, फेन्सी बाजार, गोहाटी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के माप 3 (तिन) कोला 12 (बारह) लेचा जोकि जू रोड कल कारखाना एरिया का गांव जफरिंगो, बेलटोला मौजा गोहाटी, जिला कामरूप में स्थिति है।

एगबर्ट सिंह
(सक्षम प्राधिकारी)
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख :—22-10-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 22 अक्तूबर 1975

निर्देश सं० ए०-118/गौ०/75-76/3515-23—अतः मुझे, एगबर्ट सिंग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दाग नं० 1326 के० पि० पत्ता नं० 49 है तथा जो गांव जफरिंगोम मौजा बेलटोला, जिला कामरूप में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-5-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती उमादेवी कुमार जे० एन० देव का पत्नी गांव रुकुमुनी नगर मौजा बेलटोला कामरूप

(अन्तरक)

2. श्री रतन लाल अजित सरिया फेन्सी बाजार, गौहाटी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के माप 3 (तिन) काता 12 (बारह) लेचा जोकि जू रोड, कलकारखाना एरिया का गांव जफरिंगोम, बेलटोला मौजा, गौहाटी, जिला कामरूप में स्थित है।

एगबर्ट सिंग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 22-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० ए०-155/गौ०/75-75/3482-90—अतः, मुझे,
एगबर्ट सिंग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० दाग नं० 1326 के० पि० पत्ता नं० 89 है तथा जो गांव जफरिंगो मोजा बेलटोला जिला काम रूप गौहाटी में, स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती उमादेवी कुमार जे० एन० देव की पत्नी गांव हकमुनी नगर मौजा बेलटोला कामरूप

(अन्तरक)

2. श्रीमती राधादेवी काजोरिया श्री बिनोद कुमार काजोरिया का पत्नी, केर आफ मेसर्स रतनलाल अजित सरिया फेंसी बाजार गौहाटी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का माप 3 (तिन) काता 12 (बारह) लेचा जोकि जू रोड कलकारखाना एरिया का गांव जफरिंगो, बेलटोला मौजा गौहाटी, कामरूप जिला में स्थित है ।

एगबर्ट सिंग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 22-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निदेश सं० सी० ए० /5/फरवरी/75—यतः मुझे, एच०
एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी
सं० जुना सर्वे क्रमांक 102ए, 102बी, 102सी, 112 और
113 है, तथा जो तरेनावला म स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बंबई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 11-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कमलिनी एम० पारपिया,
द्वारा- मैसर्स मटुमाउली जमेइलराम एण्ड मदन सोलि-
सीटर्स, लेटिन चैम्बर्स, दलाल स्ट्रीट, बंबई-400001
(अन्तरक)

2. कौन्सिल आफ इंडिया स्कूल आफ पोलिटैक्निकल्स

एकानोमी सभासद :

- (1) श्री एम० एल० दांतवाला
- (2) श्री अलू० दस्तूर
- (3) श्री सुखमय चक्रवर्ती
- (4) श्री रजनी कोयारी
- (5) श्री के० एस० राज,
- (6) श्री निलकंठ राय
- (7) श्री व्ही०एम० दांडेकर द्वारा मैसर्स भाई शंकर कांगा
एण्ड गिरिधरलाल सोलिसीटर्स मानेकुजी बाडिया
बिल्डिंग, तीसरा फ्लोर, बेल लेन, बंबई-400001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्री होल्ड जमीन से 1/3 हिस्सा प्लाट क्रमांक 167 तरेनावला
टाउन, प्लानिंग स्कीम क्रमांक 1, जुना सर्वे क्रमांक 102ए, 102-बी,
102-सी, 112 हिस्सा क्रमांक 2 और सर्वे क्रमांक 113 हिस्सा
क्रमांक 3 उस पर रहने का घर आयुक्त हाउसेस, और दूसरा बांधकाम
क्षेत्रफल 40467 वर्ग यार्ड्स।

मौजे — तुगाली, लोनावला म्युनिसिपैलिटी के कासम में
तहसील मावल जिला पूना।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख क्र० 625 फरवरी, 75 में
सब रजिस्ट्रार बम्बई के दफ्तर में लिखा है)।

एच० एस० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 22-10-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंबई (पूना)

पूना, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० ए०/5 फरवरी/75/247/75-76—यतः मुझे एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जुना सर्वे क्रमांक 102 ए, 102 बी, 102 सी, 112 और 113 है तथा जो लोनावाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री सुलोचना एस० मुलागबंकर

द्वारा : मैसर्स मटुभाई जमेश्वतराम एण्ड मदन सोलिसीटर्स
लैटिन चैम्बर्स, दलाल स्ट्रीट, बम्बई-400001

(अन्तरक)

2. कौन्सिल आफ इंडियन स्कूल आफ पोलिटिकल इकोनोमी
सभासद :

- (1) श्री एम० एल० दांतवाला
- (2) श्री अलू० दस्तूर
- (3) श्री सुखमय चक्रवर्ती
- (4) श्री रजनी कोथारी
- (5) श्री के० एम० राज
- (6) श्री नीलकंठ राम
- (7) श्री व्ही० एम० दाडेकर

द्वारा :

मैसर्स भाई शंकर कांगा एण्ड गिरिधरलाल
सोलिसीटर्स मानेकजी बाड़िया, बिल्डिंग 3 सरा
फ्लोर 11 बेल लैन, बंबई-400001 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड जमीन में से 1/3 हिस्सा लाट मांक 167 लोनावाला टाउन, प्लानिंग स्कीम क्रमांक 1 जुना सर्वे मांक 02 ए, 102 बी, 102 सी, 112 हिस्सा क्रमांक 2 और सर्वे क्रमांक 113 हिस्सा क्रमांक 3, उस पर रहने का आउट हाउसेस और दूसरा बांधकाम क्षेत्रफल—40467 वर्ग यार्ड्स।

मोजेतुंगाली, लोनावाला, म्युनिसिपैलिटी के कसा में तहसील—मावल, जिला पूना।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 624 फरवरी, 75 में सब रजिस्ट्रार बंबई के दफ्तर में लिखा है।)

एच० एस० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 22-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० ए०/5/फरवरी/75/बंबई/(पूना)/249/75-
76—यतः मुझे, एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना सर्वे क्र० 102ए, 102बी, 102सी, 112
और 113 है तथा जो लोनावला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 14-2-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था, या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एयर मार्शल ऋषिकेश एस० मुलगांवकर
द्वारा : मैसर्स मटुभाई जमेहराम एण्ड मदन सालीसिटर्स
लैटिन चौम्बर्स, दलाल स्ट्रीट, बंबई-400001

(अन्तरक)

2. कोन्सिल आफ इंडिया स्कूल आफ पोलिटिकल इकानोमी
सभासद :

- (1) श्री एम० एल० दांतवाला
- (2) श्री अलू० दस्तूर
- (3) श्री सुखमय चक्रवर्ती
- (4) श्री रजनी कोठारी
- (5) श्री के० एन० राज
- (6) श्री नीलकंठ राय
- (7) श्री व्ही० एम० दांडेकर

द्वारा : मैसर्स भाईशंकर कांगा एण्ड गिरधारी लाल
सालीसिटर्स, मानेकजी बाडिया बिल्डिंग,
तीसरा फ्लोर, 11 बेल लेन, बम्बई-400001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड जमीन में से 1/3 हिस्सा, प्लॉट क्रमांक 167, लोनावला
टाउन प्लानिंग स्कीम क्र० 1 जुना सर्वे क्र० 102-ए, 102-बी,
102-सी, 112 हिस्सा क्र० 2 और सर्वे क्र० 113 हिस्सा क्र० 3,
उस पर रहने का घर, आउट हाउसेस और बूसरा बांध काम।

क्षेत्रफल : 40467 वर्ग यार्ड्स।

मौजे तुंगार्ली, लोनावला, म्युनिसिपैलिटी के कक्षा में तहसील—
मावल, जिला पूना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख क्र० फरवरी, 75 में सब-
रजिस्ट्रार बंबई के दफ्तर में लिखा है।

एच० एस० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 22-10-1975

नोट :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, 60/61 एरंडवना, कार्वेरोड, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 20 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/फरवरी'75/बंबई (पूना)/246/75-76--यत्तः, मूख्य एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० फा० प्लॉट नं० 26, 29 है तथा जो भांबुर्डी (पूना) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 फरवरी, 1975 को पुरवक्ष सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्--

1. श्री बालकृष्ण धरमदास

व्होरा . 32, माउन्ट मेरी हिल, वांदरा, बंबई-50

(अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पावती नटवरलाल वोराह,

एडनवाला रोड, माटंगा, बंबई-19

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड खुला प्लॉट, भांबुर्डी, बंबई रोड, खडकी, फायनल प्लॉट नं० 26 और 29, तहसील हवेली, जिला पूना।

क्षेत्रफल--15,198.89 वर्ग यार्ड्स।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 545 फरवरी, 75 में सबरजिस्ट्रार बंबई के दफ्तर में लिखा है)।

एच० एस० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 20-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री मती उपा गुप्ता

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 अक्तूबर 1975

निदेश सं० 82-एस०/एक्यू०—अतः मुझे विशम्भरनाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 227 है, तथा ओ ग्राम झोला, जिला मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

2. सिकमे इण्डिया लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला आराजी क्षेत्रफल 26953 वर्ग फीट मय बाउन्डरीवाल जोकि ग्राम मझोला परगना जिला मुरादाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 1-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 अक्टूबर 1975

1. श्री मती राधा देवी साव

(अन्तरक)

2. श्री सुरेश चन्द कोटारी तथा अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मकान नं० बी-12/2, क्षेत्रफल 2000 स्क्वायर फीट जोकि गौरी गंज, वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- :

तारीख: 6-10-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री नवीशेरखां

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्री बाबूलाल व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, दिनांक 11 सितम्बर, 1975

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० 47-बी/एक्यू०—अतः मुझे विश्वम्भरनाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 76, 174/2 तथा 102, है, तथा जो जिला
पीलीभीत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बीसलपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
13-6-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

कृपि भूमि का आधा भाग—कुल क्षेत्रफल 9-45 एकड़ है। जोकि
ग्राम कौथुलिया तहसील—बीसलपुर जिला पीलीभीत में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 11-9-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 12-एन०/एक्यू०/—प्रतः मुझे बिशम्बर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 76, 174/2 तथा 102 है तथा जो जिला पीलीभीत में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बीसलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13/6/1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ को उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री नवीशेर खां (अन्तरक)
2. श्री नेतराम व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाग लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का आधा भाग—कुल क्षेत्रफल 9-45 एकड़ है जो कि ग्राम-कैथूलिया, तहसील बीसलपुर जिला पीलीभीत में स्थित है।

बिशम्बर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 11-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 अक्टूबर 1975

निदेश सं० 82-एस/एफ्यू०—यतः मुझे विश्वम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 223 है तथा जो ग्राम-मझोला जि० मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. विजय कुमार (अन्तरक)
2. मिस्से इंडिया लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता आराजी—क्षेत्रफल 4995 वर्गफीट मय एक कोठरी पेश आंवराण्डा उत्तर रखा मय ट्यूब वेल व एक हौज पानी व नाली पुख्ता व पुलिया जानिबे शर्क वास्ते आमदरफ्त मय बाउन्ड्री-वाल जो कि ग्राम मझोला जिला मुरादाबाद में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 1-10-1975

मोहर :

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्तूबर, 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-111/
735/(34)/75-76/—यतः मुझे, च० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० एम-157 (निवासी) जो ग्रेटर कैलाश-II, नई
दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 28-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. जगदीश चन्द्र चड्ढा, सुपुत्र श्री काम चन्द चड्ढा, निवासी
388, डबल स्टोरी फ्लैट्स, न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली-1
(अन्तरक)

2. श्री वी० ए० कुमार, सुपुत्र स्वर्गीय श्री अतर चन्द जैन,
श्रीमती राजकुमारी, निवासी सी-526, डीफेन्स कालोनी, नई
दिल्ली 1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड प्लॉट जिसका न० 157, ब्लॉक नं० 'एम' है, निवासी
कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में, जिसका क्षेत्रफल 400
वर्ग गज है तथा जोकि बाहापुर गांव, दिल्ली राज्य की यूनियन
बैरोबोरोअ में, दिल्ली मून्युसिपल कारपोरेशन की सीमा के अन्तर्गत
दिल्ली में निम्न प्रकार, से स्थित है :—

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : सड़क

उत्तर : प्लॉट नं० एम-155

दक्षिण : प्लॉट नं० एम-159

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 21 अक्तूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसिफ अली रोड,

नई दिल्ली-1, दिनांक 21 अक्तूबर, 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-111/
मई-11/799/(48)/75-76/—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० एस०-326 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
28-5-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
12-316GI/75

1. श्री दीदार सिंह, तथा श्री सेवा सिंह, सुपुत्र श्री गुरमुख
सिंह, निवासी डी-3/22, माडल टाउन, दिल्ली-1। (अन्तरक)

2. श्रीमती हरबचन कौर, पत्नी श्री हरबंस सिंह, द्वारा मै०
दिल्ली टैक्सटाइल, कटरा अशरफी, चान्दनी चौक, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'आयकर अधिनियम', 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आधा अविभाजित भाग जोकि प्लॉट सं० 326, ब्लॉक नं०
'एस' में, जिसका क्षेत्रफल 476 वर्ग गज (1/2-238 वर्ग गज)
है और जोकि ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली बहापुर गांव, में दिल्ली
की यूनियन टैरीटरी में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : सड़क

उत्तर : सड़क

दक्षिण : प्लॉट नं० एस-328

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 21 अक्तूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14 ए०, आसफ अली रोड

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/11/1851(892)/
75-76/—यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 17/100 भाग प्लॉट सं० 8 का है, जो इन्डस्ट्रीयल
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 18-3-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रकाशवती, विधवा पत्नी श्री माया दास, निवासी
ई-89, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-1 (अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार अनेजा, सुपुत्र श्री राम स्वरूप अनेजा,
निवासी ए-40, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 8 का 17/100 भाग जिसका क्षेत्रफल
2044.44 वर्ग गज है तथा जोकि इन्डस्ट्रीयल एरिया,
नजफगढ़ रोड पर, बसाए दारापुर गांव, नई दिल्ली में जिसमें
एक टिन शीट आफिस ब्लाक तथा बाउन्ड्री वाल बनी हुई है
तथा इसकी सीमाएं निम्न प्रकार से हैं :—

पूर्व : प्लॉट नं० 7

पश्चिम : प्लॉट नं० 9

उत्तर : डी० सी० एम० भूमि

दक्षिण : नजफगढ़ रोड

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 16 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अक्तूबर, 1975

निर्देश सं० 254/ए० सी० क्यू०-23-412/19-8/74-75:—
अतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० रे० सं० नं० 69, पैकी खुली जमीन 5445 वर्ग
गज है तथा जो मजूरा गांव, त० चौरासी, जिला : सूरत में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मोंधा भाई गुलाब भाई देसाई शीरीश कुमार मोंधा भाई
देसाई अठवा लाहन्स, सूरत (अन्तरक)

2. श्रीराम इन्डस्ट्रीयल को० आपरेटिव सर्विसीज लि०,
33/1 प्लॉट नं० 4, जेल के पीछे सूरत की ओर से उसके :

1. प्रमुख : जयंती लाल बलवंत राम

2. आव मेनेजर : नरेन्द्र चन्द लाल

3. कमेटी मेम्बर : अरुण कुमार चिमनलाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 69 कुल माप 5445 वर्ग गज
है तथा जो मजूरा गांव, त० चौरासी, जिला सूरत में स्थित है
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के मार्च 1975 के रजिस्ट्रीकृत
विवेख नं० 1763 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद ।

तारीख : 10 अक्तूबर, 1975

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 26th September 1975

No. A.38013/4/74-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri H. R. Pant, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Govt. service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st August 1975 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November 1973.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
(Incharge of Administration),
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 17th October 1975

No. 32013/1/75-Admn.I.—Miss S. T. Keswani, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, vide this office Notification No. A.32013/1/75-Admn.I dated 18th September 1975 relinquished charge of the office of the Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 25th September 1975.

2. On her reversion, Miss S. T. Keswani, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 25th September 1975.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 8th October 1975

No. P/1852-Admn.I.—On his selection as Under Secretary in the Ministry of External Affairs, the services of Shri S. M. Y. Nadeem, an officer of Grade I of CSS and working as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, are placed at the disposal of the Ministry of External Affairs for a period of one year, on deputation basis, with effect from the fore-noon of 8th October 1975.

No. A.32014/1/75-Admn.I.—Shri M. C Khorana, an officiating Grade I officer of the CSSS Cadre of the Union Public Service Commission, who was appointed to officiate on a purely ad hoc basis in Selection Grade of the service vide this office Notification of even number dated the 10th September 1975 has been reverted to Grade I of the same service in the same cadre with effect from the afternoon of 27th September 1975.

R. S. AHLUWALIA, Under Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the 17th October 1975

No. O.II-742/69-Estt(CRPF).—Consequent on his repatriation to Central Health Service, Ministry of Health & Family Planning (Department of Health) New Delhi, Dr. K. Satyanarayana, relinquished charge of the post of J.M.O., Group Centre, CRPF, Avadi on the afternoon of 24th September 1975.

No. F.2/33/75-Estt(CRPF).—The President is pleased to appoint Shri S. S. Sandhu, Dy. SP(Coy Comdr/Quarter Master) on promotion as Assistant Commandant on ad-hoc basis in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. Consequent on his promotion on ad-hoc basis, Shri S. S. Sandhu took over charge of the post of Assistant Commandant, 39th Bn CRP Force on the forenoon of 26th August 1975.

The 18th October 1975

No. O.II-1032/75-Estt(CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsnamai Nayak, as Junior Medical Officer in the CRP Force on an ad-hoc basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 1st October 1975.

2. Dr. (Mrs.) Jyotsnamai Nayak, is posted to GC CRPF, Poona.

The 20th October 1975

No. O.II-1239/75-Estt.—Consequent on his reversion to the rank of Subedar, Shri Durgadhan handed over the charge of the post of Dy SP 2nd Signal Bn CRPF on the afternoon of 5th July 1975.

II

The President is pleased to appoint on promotion Subedar Durgadhan as Dy. SP (Coy. Comdr. /Q.M) in the CRPF w.e.f. the forenoon of the 14th July 1975 in a temporary capacity against leave vacancy, until further orders.

2. On promotion as Dy. SP, Shri Durgadhan is posted to 2nd Signal Bn. He took over charge of his post on the forenoon of the 14th July 1975.

A. K. BANDYOPADHYAY, Assistant Director (Adm)

DIRECTORATE OF COORDINATION

(POLICE WIRELESS)

New Delhi-110001, the 15th October 1975

No. 38-11-75-Wireless.—Shri B. K. Das Gupta, Cipher Assistant is appointed as Extra Asstt. Director (Cipher) in the scale of pay of Rs. 650-30-700-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in Directorate of Coordination (Police Wireless) with effect from the forenoon of 30th September 1975 on ad hoc basis till such time as officiating arrangement is made to fill the post on regular basis.

C. P. JOSHI, Director.
Police Telecommunications

OFFICE OF INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 22nd September 1975

No. E-38013(3)/18/75-Ad.I.—On transfer to Paradeep Port Trust, Shri B. Dalai, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bharat Coking Coal, Limited, Jharia, with effect from the Forenoon of 16th August 1975.

The 10th October 1975

No. E-38013(3)/8/75-Ad.I.—On transfer from Rourkela Steel Plant, Shri R.G. Thanpi, assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, ISRO Thumba with effect from the Forenoon of 19th August 1975.

18th October 1975

No. E-31013(2)/3/74-Ad.I.—On reversion as Inspector, Shri Vinay Khullar relinquished the charge of the post of Assistant Commandant No. 17 Battalion Central Industrial Security Force, Jharia with effect from the Afternoon of 11th October 1974.

L. S. BISHT, Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL,

New Delhi-110011, the 18th October 1975

No. P/S(51)-Ad.I.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri R. M. L. Saxena relinquished charge of the post of Research Officer held by him on ad-hoc basis with effect from the afternoon of the 30th September 1975.

No. 25/94/72-RG(Ad.I).—Consequent on his appointment as Excise and Taxation Commissioner, Himachal Pradesh, Shri K. N. Kashyap, an officer of the Indian Administrative Service (Himachal Pradesh Cadre), relinquished charge of the post of Administrative Officer in the office of the Registrar General, India with effect from the afternoon of 29th September 1975.

BADRI NATH, Deputy Registrar General,
ex-officio Deputy Secretary.

SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500252, the 15th October 1975

No. 41/13/75-Estt.—On transfer from the post of Deputy Director, B.P.R.&D., Ministry of Home Affairs, New Delhi, Shri Mahmood Bin Muhammad, I.P.S. (A.P.-1953) assumed charge as Dy. Director (Trg.) in the S.V.P. National Police Academy, Hyderabad, with effect from the forenoon of 6th October 1975.

S. M. DIAZ, Director

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 6th October 1975

No. 1038/(A).—The undersigned hereby appoints Shri Y. K. Vaidya, a permanent Inspector (Class III—Non-Gazetted), Central Stamp Store Nasik Road, to officiate as Stamp Supply Officer (Class II Gazetted post) in the Central Stamp Store in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an adhoc basis with effect from the forenoon of 6th Oct. 1975 to 29th February 1976 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

V. J. JOSHI, General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL CENTRAL
REVENUES

New Delhi, the 15th October 1975

No. Admn. O.O.No.502.—The Accountant General, has appointed substantively the following officiating Accounts Officers of this office, against permanent posts of Accounts Officer in the time scale of Rs. 840-1200 from the dates shown against their names.

Name & Date of substantive appointment as Accounts Officer

- S/Shri 1. Kirpal Singh—16-2-75.
2. A. C. Chopra—1-3-75.
3. K. K. Dewan—1-3-75.
4. K. L. Dhall—1-3-75.
5. P. C. Vijayah—1-3-75.
6. R. N. Gupta—1-3-75.
7. R. P. Kohli—1-3-75.
8. S. M. Gupta—1-6-75.

H. S. DUGGAL, Sr. Dy. Accountant General (A).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
KARNATAKA

Bangalore, the 5th August 1975

No. ES.I/A4/269.—The following officiating Accounts Officers of the Office of the Accountant General, Karnataka, Bangalore have been appointed in a substantive capacity in the grade of Accounts Officers in the same office with effect from the dates noted against each.

Sarvashri

1. J. R. Sachidananda Bhatta—1.1.1975 (Ante-dated)
2. S. Balakrishnan—20.2.1975.
3. M. C. Sampathkumaran—1.4.1975.
4. K. Sundaram—1.7.1975.

D. H. VEERAAIAH, Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
UTTAR PRADESH-I

Allahabad, the 16th October 1975

No. Admn.I/11-144(XI)/3247.—The Accountant General, Uttar Pradesh I, Allahabad has appointed the following Sec-

tion Officers to officiate as Accounts Officers in this office w.e.f. the dates noted against each till further orders :—

S/Shri

1. Sudhanshu Kumar Mukherjee—18.9.75 (A.N.)
2. Ram Kishore Agrawal—18.9.75 (A.N.)

U. RAMACHANDRA RAO, Sr. Deputy Accountant General (A)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 15th October, 1975

No. 40011(2)/75-AN-A(1)—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade
	Sarvashri	
1.	S. R. Subramanian (P/68)	Permanent Accounts Officer
2.	Mehar Singh (P/112)	Permanent Accounts Officer
3.	V. H. Katakhar (0/67)	Permanent Accounts Officer
Date from which transferred to pension establishment		Organisation
30-11-1975		Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
31-12-1975		Controller of Defence Accounts Central Command Meerut.
31-1-1976		Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.

Shri V. H. Katakhar, Permanent Accounts Officer has been granted earned leave from 8-10-1975 to 28-12-1975 and half pay leave from 29-12-1975 to 31-1-1976.

(2) Having given notice of voluntary retirement from service under the provisions of Article 459(i) of Civil Service Regulations, Volume I, Shri Gurbaksh Singh, Officiating Accounts Officer (Roster N.Y.A.) serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut was transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of 23rd September 1975.

Shri Gurbaksh Singh was granted earned leave pending retirement from 21-8-1975 to 22-9-1975 and also earned leave from 23-9-1975 to 27-9-1975.

(3) The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of Shri V. S. Vijayaraghavan, Permanent Accounts Officer (Roster No. P/138), in the organisation of the Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona, on 9-9-1975.

Shri V. S. Vijayaraghavan is accordingly struck off the strength of the department from the forenoon of 10-9-1975.

(4) The following is added as para (5) to this office Notification No. 40011(2)/74-AN-A dated 27th June, 1975.

"Shri K. C. Sen, Permanent Accounts Officer (Roster No. P/402) has been granted earned leave for 15 days from 11-8-75 to 25-8-75 and half pay leave for 6 days from 26-8-75 to 31-8-75 preparatory to retirement."

S. K. SUNDARAM,
Addl. Controller General of
Defence Accounts (AN).

**MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS**

No. 23/3/75-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 decreased by two points to reach 319 (Three hundred and nineteen) during the month of September, 1975. Converted to base : 1949=100 the Index for the month of September, 1975 works out to 388 (Three hundred and eighty eight).

A. S. BHARADWAJ, Joint Dir.

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

New Delhi, the 9th October 1975

No. 6/1090/75-Admn.(G)/10656.—Shri Hans Raj Sharma, Senior Personal Assistant working in the Ministry of Commerce has been appointed to officiate as P.S. to Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi (Selection Grade of the CSSS) with effect from 1st September 1975 (FN) vice Shri Tarlok Singh transferred.

No. 6/1076/75-Admn.(G)/10665.—The President is pleased to appoint Shri K. R. Srinivasen, permanent in the Section Officer's Grade of the C.S.S. to officiate in Grade I of the Service for further period from 1st September 1975 to 30th September 1975.

2. The President is also pleased to appoint Shri K. R. Srinivasan as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period.

No. 6/394/56-Admn.(G)/10671.—On attaining the age of superannuation, Shri R. P. Bhavnani relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of the 31st August 1975.

B. D. KUMAR, Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 6th October, 1975

No. 6/1042/74-Admn(G)/10601.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri H. C. Dabral as Controller of Imports & Exports Class-II (Non-CSS) in the office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Bombay, in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 10th September 1975 until further orders.

2. As Controller of Imports and Exports, Shri H. C. Dabral will draw pay according to the rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

**A. T. MUKHERJEE, Dy. Chief Controller of Imports
& Exports**
for Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay, the 16th October 1975

No. 18(1)/73-75/CLB-II.—In pursuance of sub-clause (f) of clause 2 of the Cotton Textiles (Export Control) Order, 1949, and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. TCS.II/IEC-35/58, dated the 7th March 1958 namely :—

In the Table appended to the said notification, in column 2, for the existing entries against Serial No. 12, the following entries shall be substituted, namely :

- "(i) The Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (ii) Joint Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (iii) Deputy Director (Textiles), Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (iv) Assistant Director (Textiles), Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras.

(v) Assistant Directors (Handlooms and Textiles in the circles of Coimbatore, Salem, Madurai, Tiruchy, Tirunelveli, Kancheepuram, Ramnad at Madurai, Erode and Tiruchengode."

A. K. CHANDRA, Joint Textile Commissioner

**DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)**

New Delhi-1, the 10th October 1975

No. A-1/1(942).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri B. B. Bose, Superintendent (Supervisory Level II) in the Directorate of Inspection (Met.) Bombay to officiate as Assistant Director (Administration) (Grade II) in the Directorate of Supplies & Disposals, Bombay with effect from the forenoon of 1st September 1975 and until further orders.

The 16th October 1975

No. A-1/1(991).—Shri S. K. Desai, Assistant Director (Administration) (Grade II) in the office of the Director of Inspection, Bombay has been reverted to the post of Superintendent (Supervisory Level II) in the same office at Bombay with effect from the forenoon of 1st September 1975.

K. L. KOHLI, Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals.

**MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA**

Calcutta-700013, the 16th October 1975

No. 6628/B/3(5)/71(TVKD)/19B.—Shri T. V. Krishnadas, M.Sc., Senior Technical Assistant (Geophysics), Geological Survey of India is appointed as Assistant Geophysicist (Instrumentation) in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 19th August 1975, until further orders.

The 18th October 1975

No. 6652/B/3(5)/71(SKH)/19B.—Shri Swapan Kumar Hajari, M.Sc. is appointed as Assistant Geophysicist (Instrumentation) in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 10th September 1975, until further orders.

V. K. S. VARADAN, Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 17th October 1975

No. A19011(68)/75-Estt.A.—On his deputation to the United Nations Technical Assistance Recruitment Service as Consultant in Mining Legislation and Mineral Development Agreements, Shri S. L. Rai, Deputy Mineral Economist (Intelligence) of this department has relinquished the charge of the post of Deputy Mineral Economist (Intelligence) with effect from the afternoon of 23rd September 1975.

A. K. RAGHAVACHARY, Sr. Administrative Officer
for Controller

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 15th October 1975

No. C-42876/594.—Shri Raghubir Singh, Technical Assistant Map Reproduction (Selection Grade) in Class III Division I Service, is appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (G.C.S. Class II) in Pilot Map Production Plant, Survey of India, Hyderabad in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 2nd June 1975.

No. C-42883/707.—Shri K. V. Krishnamurthy, Surveyor Set Gd. in Class III Division I Service, is appointed to officiate as Officer Surveyor in Class II Service (Gazetted), Survey of India in the scale of pay of Rs. 656-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 4th July 1975 (F.N.).

No. C-42897/724-SOS(A)—Shri A. R. Gomes, Stores Assistant (Selection Grade) who was appointed to officiate as Assistant Stores Officer (G.C.S. Class II) in Southern Circle Office, Survey of India, Bangalore on ad-hoc basis vide this office Notification No. C-4909/724-SOS(A) dated the 28th October 1974 is appointed to officiate as Assistant Stores Officer on a regular basis with effect from 29th August 1975.

The 16th October 1975

No. C-5010/718-A.—Shri Kanti Prakash, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment & Accounts Officer (G.C.S. Class II), South Eastern Circle Office, Survey of India Bhubaneswar, on an ad-hoc basis on pay of Rs. 840/- p.m. in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 1st September, 1975 (FN).

HARI NARAIN, Surveyor General of India
(Appointing Authority)

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi, the 7th October 1975

No. F.11-13/75-A.1.—Shri D. K. Chaudhry, Asstt. Microphotographer (Gr. I) is appointed to officiate as Microphotographer (Class II Gazetted) on purely *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 4th October 1975 and until further orders (*vide* Km Sobha Basu, Microphotographer on leave).

S. N. PRASAD, Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 15th October, 1975

No. 4(21)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Dr. Malay Bikas Pahari as Programme Executive, All India Radio, Calcutta in a temporary capacity with effect from the 19th September 1975 and until further orders.

No. 4(10)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Dr. Mahavir Singh as Programme Executive, All India Radio, Bhopal in a temporary capacity with effect from the 22nd September 1975 and until further orders.

No. 4(94)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Mohd. Jamaluddin 'Sahil' as Programme Executive, All India Radio, Allahabad in a temporary capacity with effect from the 22nd September 1975 and until further orders.

SHANTI LAL,
Deputy Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING (FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 17th October 1975

No. 17/20/49-Est. I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri V. K. Nair offg. Salesman Films Division, Bangalore to officiate as Branch Manager in the same office with effect from 1st October, 1975 (A.N.) *vice* Shri V. Srinivasan offg. Branch Manager granted leave.

M. K. JAIN
Asstt. Administrative Officer
For Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th October 1975

F. No. 16-36/74-SI.—The President is pleased to appoint Shri Samir Chowdhury, Chemist, Medical Store Depot, Calcutta as Factory Manager in Medical Store Depot Madras on *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of 15th September 1975 and until further orders.

SANGAT SINGH
Deputy Director Administration (Stores)

DELHI MILK SCHEME

New Delhi-110008, the 18th October 1975

No. 3-26/75-Estt. (Spl).—Chairman, Delhi Milk Scheme is pleased to appoint Sh. Sushil Kumar, an Accounts Officer of the office of Accountant General, Commerce, Works & Misc., New Delhi as Accounts Officer in the pay scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- in the Delhi Milk Scheme on deputation terms with effect from 1st October 1975 (FN) orders.

A. MOHAN LAL
Chairman

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 1st October 1975

No. PA/81(73)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Parimal Narayan Talcherkar, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer (R)

Bombay-74, the 17th October 1975

Ref. 5/1/75/Estt.V/270.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Rajanga Hara Shanmukham, Administrative Officer I to officiate as Administrative Officer-II in a temporary capacity in this Research Centre for the period from 1st September 1975 to 1st October 1975.

V. P. CHOPRA
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 24th September 1975

No. PPED/4/(466)/73-Admn.—Consequent on his transfer to Civil Engineering Division (Hyderabad Unit) of the Bhabha Atomic Research Centre, Trombay, Bombay, Shri K. V. P. Sarma relinquished charge of the temporary post of Scientific Officer/Engineer Grade—SB held in this Division on August 8, 1975 (AN) at R.A.P.P. Site.

The 26th September 1975

No. PPED/4(490)/73-Adm/10391.—Consequent on his reversion to the post of Personal Assistant, Shri R. S. Talpade relinquished charge of the post of Assistant Personnel Officer held in a temporary capacity on 'ad-hoc' basis in this Division, on the afternoon of September 16, 1975.

No. PPED/4(490)/73-Adm/10391.—Consequent on his reversion to the post of Personal Assistant, Shri K. G. Vaswani relinquished charge of the post of Assistant Personnel Officer held in a temporary capacity on 'ad-hoc' basis in this Division, on the afternoon of September 16, 1975.

N. G. PARULEKAR, Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Maharashtra-401504, the 24th September 1975

No. TAPS/ADM/947.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, extends the ad-hoc appointment of Shri Y. R. Velankar as Assistant Accounts Officer for the period from 1-9-1975 to 31-12-1975 or till a regular incumbent is appointed whichever date is earlier.

K. V. SETHUMADHAVAN
Chief Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 3rd October 1975

No. DPS-A-11013-65-75-Est/5579.—Director, Purchase and Stores appoints Smt. B. Shakuntala, a permanent S.R.A.S., Senior Auditor in the Indian Audit Department on deputation to this Directorate as a temporary Assistant Accounts Officer in the Madras Regional Accounts Unit of this Directorate at Madras as a temporary Accounts Officer II on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- in the same Directorate for the period from 18-9-1975 to 15-11-1975.

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 17th October 1975

No. AMD/1/18/75-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri C. Shanti Kumar as Scientific Officer/Engineer (Geology) Grade 'SB' in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from the afternoon of 13th October, 1975 until further orders.

S. RANGANATHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer.

REACTOR RESEARCH CENTRE

Tamil Nadu, the 7th October 1975

No. RRC/PF/262/72/1132.—Consequent on his resignation, Shri SUCHINDRUM RAMASUBBAIYER SAMBASIVAN, substantive Senior Stenographer, Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Administrative Officer of Reactor Research Centre, relinquished his charge of the officiating post on the afternoon of October, 3, 1975.

K. SANKARANARAYANAN
Senior Administrative Officer,
For Project Director

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-110003, the 15th October 1975

No. E(I)05823.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Mahendar Singh, Professional Assistant, Office of the Director General of Observatories, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of 15-9-1975 and until further orders.

Shri Mahendar Singh, on appointment as Assistant Meteorologist has been posted to the Regional Meteorologist Centre, New Delhi.

The 16th October 1975

No. E(1)/07540.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri G. S. Mahl, Officiating Professional Assistant, Principal Evapotranspiration Observatory, New Delhi under the Director, Agricultural Meteorology Division, Poona, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of 15th September, 1975 and until further orders.

Shri G. S. Mahl, Officiating Assistant Meteorologist has been posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

The 17th October 1975

No. E(I)07109.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. S. Ramasastry, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 15th September, 1975 and until further orders.

Shri K. S. Ramasastry, Officiating Assistant Meteorologist has been posted in the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

M. R. N. MANIAN,
Meteorologist,
for Director General of Observatories.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 15th October 1975

No. A.38012/1/75-EC.—Shri M. N. Adur, Technical Officer at Aeronautical Communication Station, Bombay, relinquished charge of his office on the 31-8-1975 (A.N.) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

The 17th October 1975

No. A.23021/3/74-EC.—In respect of S. No. 1 of this Department Notification bearing No. A.31011/1/72-EC dated 28th April, 73, the following amendment is made :

1. Shri T. S. Venkataraman—22-2-1970.

The 18th October 1975

No.11/21/69-EC.—The following officers retired from Govt. service in the Civil Aviation Department on their permanent absorption in the International Airports Authority of India, with effect from the date note against each :

Sl. No.	Name	Post held in the C.A.D.	Date of retirement from C.A.D.
S/Shri			
1.	K. S. Rajgopalan	Dy. Director/Controller of Communication	1-5-1974
2.	A. Purshotam	Technical Officer	1-8-1974

The 20th October 1975

No. A.38012/1/75-EC.—Shri B. N. Banerjee, Communication Officer, in the office of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta Airport, Calcutta relinquished charge of his office on the 31st August, 1975 (A.N.) on retirement from Government Service on attaining the age of superannuation.

No. A.32013/14/75-EC.—In continuation of this Department's notification No. A.32013/6/72-EC, dated the 31-5-1974, the President is pleased to extend the *ad hoc* promotion of the following two Communication Officers in the Civil Aviation Department upto the 31st December, 1975.

1. Shri P. B. Syamray, Communication Officer, A.C.S., Bombay.
2. Shri P. Paulose, Communication Officer, A.C.S., Calcutta.

H. L. KOHLI
Dy. Director (Administration)
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 1st October 1975

No. A-12025/4/74-E(H).—The President has been pleased to appoint Shri P. S. Gujral as Assistant Director, Maps & Charts, in the Civil Aviation Department with effect from the forenoon of the 6th October, 1975, and until further orders.

T. S. SRINIVASAN
Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Patna, the 1st October 1975

C. No. II(7)5-ET/75/9904.—In pursuance of Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) New Delhi's order No. 161/75 dated 26-8-75, issued vide letter F. No. 22012/26/75-Ad.II dated 26-8-75 Sri M. Dwivedi, Probationer assumed charge as Assistant Collector of Customs (Preventive) in the Customs Preventive Collectorate (Hqrs) Patna on 2-9-75 (F.N.).

H. N. SAHU
Collector
Central Excise, Patna.

Allahabad, the 6th October 1975

No. 136/1975.—Shri Ram Behari Lal Saxena, confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Bareilly and appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II, until further order, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-, vide this office Establishment Order No. 244/1975, dated 1-9-1975, issued under endorsement C. No. II(3)2-Et/75, dated 2-9-1975, assumed charge as Superintendent, Central Excise, Class II Dhampur in the Central Excise Integrated Divisional Office, Moradabad on 24-9-1975 (forenoon) vice a vacancy.

No. 137/1975.—Shri Prem Behari Rastogi, confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Moradabad, appointed to officiate as Superintendent of Central Excise, Class II, until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- vide this office Establishment Order No. 212/1975, dated 30-7-1975, issued under endorsement C. No. II(3)2-Et/75/28088, dated 31-7-1975, assumed charge of the office of the Superintendent, Central Excise, Class II, in the Central Excise Integrated Divisional Office, Mirzapur on 12-9-1975 (forenoon).

H. B. DASS
Collector
Central Excise, Allahabad

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT
PORT OF NEW TUTICORIN

Tuticorin-628004, the 24th September 1975

No. A 22013/1-75/Admn./D.—The Chief Engineer & Administrator/Port of New Tuticorin is pleased to appoint Shri V. Narasimhalu, Junior Engineer (Mechanical) in the port of New Tuticorin, on promotion, as Assistant Engineer (Mechanical) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 11-9-1975 afternoon and until further orders.

No. A. 22013/1-75/Admn./D.—The Chief Engineer & Administrator/Port of New Tuticorin is pleased to appoint S/Shri J. A. James, Junior Engineer (Civil) and S. D. A. Jyoti Junior Engineer (Civil) in the port of New Tuticorin, on promotion, as Assistant Engineer (Civil) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 12-9-1975 forenoon and until further orders.

D. I. PAUL
Chief Engineer & Administrator

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 16th October 1975

No. A-32014/7/74-Adm. V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-32014/7/74-Adm. V, dated 12-8-1975, the Chairman, Central Water Commission, hereby appoints the following Research Assistant (Engineering), to the post of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and power research Station, Poona, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for further periods with effect from the dates as indicated against each, or till the posts are filled, on a regular basis, whichever is earlier :

1. Shri Ch. Bhunaga Rao—1-9-75 to 31-12-1975
2. Shri M. S. Shitole—1-9-75 to 31-12-75
3. Shri S. Githa—1-9-75 to 31-12-75
4. Shri V. Ramanathan—28-8-75 to 31-12-75
5. Shri I. Z. Poonawala—28-8-75 to 31-12-75
6. Smt. Valsala K. Appukuttan.—28-8-75 to 31-12-75
7. Shri A. G. Kale—28-8-75 to 31-12-75

No. A-12017/1/72-Adm. V.—In continuation of this Commission's notification No. A-12017/1/72-Adm.V, dated 31-7-1975, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri T. P. Yegnan, to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Mathematics Group) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of Rs. 650—30—740—35—800—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a further period from 1-10-1975 to 31-12-1975, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A-12017/1/72-Adm.V (Vol.II).—In continuation of this Commission's notification No. A-12017/1/72-Adm.V. (Vol II), dated 24-7-1975, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following Research Assistants to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group), in the Central Water Commission in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-, on a purely temporary and *ad-hoc* basis for further period from 1-10-75 to 31-12-75 or till the posts are filled, on regular basis, whichever is earlier :—

1. Shri M. Bhowmik.
2. Shri M. P. Namboodri.

The 17th October 1975

No. A-19012/515/74-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri Duryodhan Pradhan, an officer of the Government of Sikkim on deputation, as Assistant Engineer in Lower Lagyap Hydel Project Circle, Gangtok with effect from 14-8-1974 (F.N.) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-.

No. A-19012/529/74-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri B. K. Ravaily, an officer of the Government of Sikkim as Assistant Engineer, on deputation, in the Lower Lagyap Hydel Project Circle, Gangtok with effect from 10-12-1974 (F.N.) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-.

K. P. B. MENON
Under Secretary,
for Chairman, C.W. Commission

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 15th October 1975

No. 27-E/N(5)/69-ECII.—Shri K. S. Narayanaswamy, Executive Engineer, Central P.W.D. now on deputation to Central Vigilance Commission, New Delhi will retire voluntarily from service under the provision of F.R. 56(K) with effect from 1-2-1976 (F.N.) on expiry of L.P.R. granted to him from 1-8-1975 to 31-1-1976.

P. S. PARWANI
Dy. Director of Admn.

CENTRAL RAILWAY

V. T., Bombay, the 16th October 1975

No. IIPB/220/G/II/TC.—The following Officers are confirmed in Class II Service as Assistant Operating Superintendents/Assistant Commercial Superintendents with effect from the dates shown against each :

1. Shri K. Rajagopal—15-8-1967.
2. Shri T. Sampath—10-8-1968.
3. Shri S. S. Kannan—20-9-1968.
4. Shri M. A. Wadia—13-3-1969.
5. Shri A. V. Nagarajan—3-8-1969.
6. Shri N. C. Ramachandran—21-10-1969.
7. Shri P. R. Chetty—15-3-1970.
8. Shri V. S. Wadnerkar—4-11-1970.
9. Shri P. C. Jain—8-9-1971.
10. Shri R. K. Sawant—27-12-1972.
11. Shri V. C. Majithia—27-10-1973.
12. Shri N. B. Sanglikar—27-10-1973.
13. Shri R. P. Bhandi—27-10-1973.

B. D. MEHRA
General Manager

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 16th October 1975

No. 11.—The following officiating Class II officers of I.R.T.S., Northern Railway are confirmed in Class II service in that Department on this Railway with effect from the dates noted against each :—

S. No.,	Name	Date from which confirmed
1.	Shri R. B. Jain	2-6-1972
2.	Shri A. S. Kansal	1-12-1972

V. P. SAWHNEY
General Manager

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act 1956, and of
M/s. Kothari Knitting Industries Private Limited*

Bombay-400002, the 10th October 1975

No. 14961/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kothari Knitting Industries Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act 1956, and of
Commercial Supply Syndicate (India) Pvt. Ltd.
(In Lign)*

Calcutta, the 16th October 1975

No. L/21634/D-1388.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Commercial Supply Syndicate (India) Pvt. Ltd., (In Lign) has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

N. N. MAULIK
Asstt. Registrar of Companies,
Calcutta.

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 15th October 1975

No. E. 47(AI)/50.—In supersession of this office Notification of even number dated 22nd August 1975, the following officers officiating as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal are confirmed in their appointments with effect from the date mentioned against their names —

1. Shri C. L. Bhanot—13th April, 1973.
2. Shri Mahendra Singh—13th April, 1973.
3. Shri G. P. Bajpai—13th April, 1973.
4. Shri R. R. Pagare—13th April, 1973.
5. Shri M. R. Narayanan—1st September, 1974.

HARNAM SHANKAR
President

FORM ITNS

1. (1) Monghabhai Gulabbhai Desai.
(2) Shririshkumar Monghabhai Desai;
Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD,

2. Shri Ram Industrial Co-operative Service Society
Ltd. 33/1 Plot No. 4 Behind,
through its President : Shri Jayantial Balvantram;
Hon. Manager : Shri Narendra Chandulal;
Committee member : Shri Arunkumar Chimanlal;
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 10th October 1975

Ref. No. P.R. No. 254 Acq.23-412/19-8/74-75.—Whereas,
I, P. N. Mittal,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. R.S. No. 69 Paiki Open land 5445 Sq. yds, situated at
Village Majura, Tal. Choryasi, Dist. Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Surat on 29-3-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the lia-
bility of the transferor to pay tax under the
said Act in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

An open plot of land bearing S. No. 69 admeasuring 5445
Sq. Yds. situated at village Majura of Taluka Choryasi, Dist.
Surat as fully described in sale deed registered under No. 1763
of March, 1975 by registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 10-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

1. Shri Ramanlal Naranlal Dave 9, Jaymahal, Plot No. 502-3, Linking Road, Khar, Bombay-52.
(Transferor)

2. (1) Shri Rameshchandra Mohanlal Gandhi, 5, Praneta Park, Swastik Char Rasta, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(2) Shri Harshadbhai Ramkrishna Shah, A, Flower Kunj, Swastik Char Rasta, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 8th October 1975

Ref. No. Acq. 23-I-468(234)/I-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 374, Sub-Plot No. 52/1, of T.P.S. No. 20, situated at Kochrab, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 13-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 592 sq. yds. bearing F. P. No. 374 Sub-Plot No. 52/1, of T.P.S. No. 20, situated at Kochrab, Near Old Sachivalaya, Ambawadi, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 8-10-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 8th October 1975

Ref. No. Acq.23-I-547(235)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 595/B/1, situated at Kochrab, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 3-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

1. (1) Shri Kantilal Girdharilal Patel, 20, Harihar Society Maninagar, Ahmedabad Power of Attorney Holder of Shri Bachubhai Manubhai Shah, Kavishwarni Pole, Balahanuman, Khadia, Ahmedabad.
(Transferor)
2. (1) Patel Davalbhai Gokalbhai, Paladi, Ellisbridge, Ahmedabad-7.
(2) Patel Bhogilal Keshavlal, 14, Maharshi Ravindranath Tagore Society, Paladi, Ahmedabad-7.
(3) Patel Arvindbhai Keshavlal, Nr. Parbadi, Kochrab Ellisbridge, Ahmedabad.
(4) Patel Girishchandra Keshavlal, Nr. Parbadi, Kochrab, Ellisbridge, Ahmedabad.
(5) Patel Chandrakant Keshavlal, 14, Maharshi Ravindranath Tagore Society, Paladi, Ahmedabad-7.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 740 sq. yds. bearing S. No. 595/B/1, situated near Kausalya Mata's Temple at Kochrab, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 8-10-1975.

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM COCHIN-11

Cochin-11, the 1st October 1975

Ref. L.C. No. 47/75-76.—Whereas, L. M. M. Kurup, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

sy. no as per schedule situated at Angadi desom, Trichur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 1-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Dr. Ramachandra, Iyer, S/o Sri Venkiteswara, Mundanikkadu Vadakkum muri, Angadi desom, Trichur.

(Transferor)

(2) Shri Ramadas, S/o Kaippilly Krishnan, Peringottukara, Vadakkum muri, Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

14 cents of land with building bearing No. XXVIII/667 in Sy. No. 1594/3 in Angadi desom in Trichur District.

M. M. KURUP,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam Cochin-11.

Date: 1-10-75

Seal:

FORM II—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th October 1975

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/277.—Whereas, I, C. S. Jain, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nil situated at near tripolia, Jodhpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18, 20, 22, 24 and 25 February 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

ANNEXURE 'A'

To notice U/s 269 D(i) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

Reference No. Raj/IAC(Acq.)/277.

Col. 1 Transferors as per list

S. No. and Name of the transferor

1. Shri Udaibhan s/o Shri Premchand Prowal, Vill Bali (Pali).
2. Shri Ramanlal s/o Shri Udaibhan, Vithalvadi, Bombay-2.
3. Smt. Singari Bai w/o Shri Shankalchand, Shankar Seth Building, Bombay-7.
4. Shri Bhanwarlal s/o Shri Devichand, Casa Major Road, Plot No. 7, Madras-8.

5. Shri Amritlal s/o Shri Devichand Porwal, Lingapali street, No. 10, Hyderabad-22.
6. Smt. Saka Bai w/o Shri Kundanmal Porwal, Dhanraj Ji Street, 101/103, Bombay-3.

(Transferor)

ANNEXURE 'B'

To notice u/s 269 D(i) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

Reference No. Raj./IAC(Acq.)/277.

Col. 2 Transferees as per list.

S.No. Name of the transferees.

1. Shri Kewalchand s/o Shri Nemichand, Cloth Merchant, Mehta Market, Jodhpur.
2. Shri Mahendrachand s/o Shri Nemichand, Cloth Merchant, Mehta Market, Jodhpur.
3. Smt. Khumadevi w/o Shri Lalchand, Mehta Market, Jodhpur.
4. Smt. Bhanwari devi w/o Shri Pukhraj, Mehta Market, Jodhpur.
5. Shri Chhagan Raj s/o Shri Bhikam chand surana, Pali ki Haveli, Jodhpur.
6. Smt. Champadevi w/o Raichand c/o M/s Vijay Ply-wood Centre, Pokaran House, I/S Sojatigate, Jodhpur.
7. Shri Kishorechand s/o Shri Bhikamchand surana, 181, 2nd Pologround, Jodhpur.
8. Shri Mulchand s/o Shri Jas raj, Mohanpura, Jodhpur.
9. Smt. Shanti devi w/o Shri Chhaganlal Surana, Pali Ki Haveli, Jodhpur.
10. Kumari Fancy Daughter of Shri Multanlal Ranka, Siwana.

(Transferee)

(3) Shri Shah Man Mal Bhikamchand Timber Merchant, Pali Ki Haveli, near tripolia, Jodhpur.
Person in occupation of the property

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6400 sq. ft. in property styled as "Pali Ki Haveli" near tripolia, Jodhpur.

C. S. JAIN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 16-10-1975.

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Byramji Jeejeebhoy Private Ltd., Ballard House,
2nd Floor, Mangalore Street, Fort, Bombay-400001.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
IV, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400020

Bombay-400 020, the 15th October 1975

No. AP.210/L.A.C., AR-IV/75-76.—Whereas, I, G. A. James, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-IV Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 41, Plot Nos. C-16 to 21 (Both inclusive) situated at Village Oshivara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Bombay on 12-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. Vinodini Vasantraai Sanghvi, Swair Vihar Swastik Society, Plot No. 1, C/o Asia Engineering Co., 39, Nagdevi Street, Bombay-400 003.
(Transferee)

(3) (Person in occupation of the property)

(3) M/s Dalia Industrial Estate Bombay.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THOSE piece or parcel of land or ground admeasuring 8910 square yards or thereabouts (equivalent to 7449.89 square Metres) situate lying and being at Village Oshivara in Greater Bombay and forming part of Survey No. 41 being Plots Nos. C-16, C-17, C-18, C-19, C-20 and C-21 of Block of the said lay out forming part of the lands described in the Third Schedule hereinabove written and bounded as follows : that is to say, on or towards the North partly by Plot No. C-16 and partly by 44' wide internal road on or toward the South by Plot D on or towards the West by 44' wide internal road and on or towards the East by 44' wide approach road.

G. A. JAMES,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 15-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 16th October 1975

Ref. No. AP 1304.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Gorsian Nihal ?

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phillaur in Feb. 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

14—316GI/75

(1) Sh. Paul Singh So Kesar Singh, G.P. Attorney
Mohan Singh S/o Lai Singh, resident of Udhoke
Teh. Amritsar,
(Transferor)

(2) Gurbux Kaur W/o Mohan Singh S/o Jai Chand
Vill. Sherpur Teh. Phillaur.
(Transferee)

(3) Shri Darshan Singh S/o Jai Chand, Village Sherpur
Teh. Phillaur.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 4065 of Registering Authority, Phillaur in Feb., 1975.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-10-1975

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Pal Singh S/o Kesar Singh r/o Vill. Bitarke
Teh. Amritsar. G.P. Attorney Kala Singh
S/o Lal Singh Vill. Udhoke Teh. Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 16th October 1975

Ref. No. AP 1305.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Gorseian Nihal Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in Feb. 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(2) Mohan Singh S/o Jai Chand r/o Sherpur Teh. Phillaur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 4066 of Feb. 1975 of the Registering Authority Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 16-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 16th October 1975

Ref. No. AP 1306.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at Gorsian Nihal Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on February 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :

- (1) Pal Singh S/o Kesar Singh r/o Butar Kalan Teh. Amritsar, G.P. Attorney of Kala Singh S/o Lal Singh r/o Udhoke Teh. Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt Gurbux Kaur W/o Mohan Singh r/o Village Sherpur, Teh. Phillaur.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 4067 of Feb., 75 of the Registering Authority Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-10-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 16th October 1975

Ref. No. AP 1307.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule

situated at Sutehri Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hoshiarpur in Feb. 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Karam Singh S/o Mota Singh S/o Jodha Singh
r/o Luthera Kalan Distr. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Gandharab Singh, Tarlochan Singh, Kuldeep Singh, Dhrub Singh SS/o Bachittar Singh s/o Jamiat Singh R/o Krishan Nagar, Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person whom the undersigned knows

(4) Any other person interested in land.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 4086 of February, 1975 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 16th October 1975

Ref. No. AP 1308.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule

situated at Badowal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Hoshiarpur in Feb. 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Lachhman Singh Adopted S/o Arjan S/o Hira, Vil. Badowal Teh. Hoshiarpur.

(Transferor)

- (2) Shri Gurmukh Singh, Davinder Singh SS/o Milkha Singh s/o Charan Singh etc. Vill. Badowal, Teh. Hoshiarpur,

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

- (4) Any other person interested in land,

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 4066 of February, 1975 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 16-10-1975

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Lachhman Singh adopted S/o Arjan S/o Hira, Vill. Badowal Teh. Hoshiarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 16th October 1975

Ref. No. AP 1309.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at Badowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in Feb., 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

(2) Shri Gurmukh Singh, Davinder Singh SS/o Milkha Singh, 2. Palvinder Singh, Mohan Singh SS/o Surjit Singh, 3. Gurmel Singh, Baldev Singh SS/o Sarwan Singh, 4. Iqbal Singh, Amarjit Singh SS/o Pargat Singh, Vill. Badowal, Teh. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[persons in occupation of the property]

(4) Any person interested in property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires, later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined to Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Decd No. 4052 of February, 1975 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 16th October 1975

Ref. No. AP. 1310.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule
situated at Badala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jullundur in February, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dhirat Ram S/o Uttam r/o Jhawan Teh. Dasuya, 2. Mohinder Singh S/o Dalip Singh r/o Jhingra Kalan Teh. Dasuya, Distt. Hoshiarpur.
- (2) Shri Agyakar Singh Tajinder Singh SS/o Kuldip Singh Vill. Wadala, Distt. Jullundur.
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 9478 of February, 1975 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 16th October 1975

Ref. No. AP 1311.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Badala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in February, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dhirt Ram S/o Uttam Vil, Jhawan Teh. Dasuya, Distt. Hoshiarpur.
- (2) Shri Mohinder Singh S/o Dalip Singh Vill. Jhingar-Kalan, Teh. Dasuya. 2. Bhag Mal, Budhu Ram, Tarsem Lal SS/o Babu Ram of Vill. Badala, Teh. Jullundur.
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; (
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 9479 of February, 1975 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 16th October 1975

Ref. No. AP 1312.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule

situated at Iadowali

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur in Feb. 1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

15—316GI/75

(1) Shri Amar Chand S/o Dhera Ram R/o Patara Teh. Jullundur.

(2) Shri Chanan Lal S/o Rakha Ram r/o Sherpur Shekha Teh. Jullundur.

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in land.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any person other interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 10083 of February, 1975 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax,

Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-10-1975

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 16th October 1975

Ref. No. AP 1313.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Ladhewali (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb., 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amar Chand S/o Dheru Ram R/o Patara Teh. Jullundur.
- (2) Shri Chanan Ram S/o Rakha Ram r/o Sherpur Shekha Teh. Jullundur.
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 9805 of February, 1975 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-10-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 16th October 1975

Ref. No. AP 1314.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule

situated at Ladhewali

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in Feb., 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act,' to the following persons namely :—

- (1) Shri Amar Chand S/o Dheru Ram R/o Patara Teh, Jullundur.
- (2) Smt. Rattan Kaur W/o Rakha Ram r/o Sherpur Shekha.
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 9806 of February, 1975 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-10-1975

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 16th October 1975

Ref. No. AP 1315.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule
situated at Ladhewali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in Feb., 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amar Chand S/o Dheru Ram R/o Patara Teh, Jullundur.
- (2) Smt. Balbir Kaur W/o Chaman Lal r/o Sherpur Shekha Teh, Jullundur.
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are confined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 10082 of February, 1975 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400020

Bombay-400020, the 10th October 1975

Ref. No. ARI/1106-9/MAR75.—Whereas, I, N. K. Shastri, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 137A/6 of Sion Division situated at Plot No. 137A(West) of Sion Matunga Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 3-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prabhakar Bhaskar Gandhi & Ors.
(Transferor)
- (2) Sion Smruti Co-op. Housing Society Ltd.
(Transferee)
- (3) Members of the society.
[Person in occupation of the property]
- (4) Smt. Rakmabai Pandharinath Laud & Shri Ramnand P. Laud and Iswarlal Naranji Shah.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT PIECE OR PARCEL of vacant land or ground containing by measurement 427 square yards or thereabouts comprised in plot No. 137-A, Scheme No. VI, Sion-Matunga Estate of the Bombay Municipal Corporation situate and lying and being at Sion bounded on or towards the East by 60' Municipal Road No. 24 on or towards the West by plots Nos. 125 and 125-A of Padgaonkar Brothers, on or towards the North by plot No. 137 and beyond by 15' passage and on or towards the South by Plot No. 138 of Shri Nadkarni.

N. K. SHASTRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10th October, 1975

Seal :

FORM I.T.N.S. _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004; the 16th October 1975

Ref. No. C.A. 5/February '75/Bombay(Poona)/245/75-76.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 233/A, situated at Boat Club Rd., Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 11-2-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pallon Dinshaw Shroff,
Dalamal Park, Parade,
Bombay-5.
- (2) Patheja Forgings & Auto Parts Manufacturers Pvt. Ltd.,
399/A, Vithalbhai Patel Road,
Opp. Congress House,
Bombay-400004.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Frechold land—All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Boat Club Road (now included in Poona City) in the Sub-District of Haveli and the Registration District of Poona admeasuring 13,462 sq. ft., that is, 1250.668 square metres being Plot No. A and part of Survey No. 131A/4 (part) and the present Survey No. 233/A and bounded as follows that is to say, On or towards the North by plot No. B of Survey No. 131A/4 (part) belonging to M. J. Shah, On or towards the South by the Boat Club Road, On or towards the East by Road and beyond that by Plot bearing Survey No. 132 B and on or towards the West by 20 feet wide road.

(property as mentioned in the Registered deed No. 1185/74 of 11-2-75 of the Registering Authority, Bombay).

H. S. AULAKH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Poona

Date : 16-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sardar Dayal Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Avinash Kumar Maheshwari & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Lucknow, the 19th September 1975

(b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 53-A/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 5

situated at Hasting Road Allahabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 11-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

A plot No. 5 measuring 2000 Sq. yds. is situated at Hasting Road Allahabad.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 19-9-75

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri Roop Kishore Srivastava.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(2) Shri Divind Kumar Kesarwani & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Lucknow, the 18th September 1975

Ref. No. 18-D/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 160 situated at Baika Bagh, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Allahabad on 10-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

A house No. 160 measuring 540 sq. yds. is situated at Baika Bagh, Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-9-75

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Radha Krishan Misra,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shanker Lal,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 22nd September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the *Official Gazette* or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the *Official Gazette*.

Ref. No. 79-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 216

situated at Baski Uparhar, Distt. Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 17-3-75

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot No. 216 out of which 3 Biswas is situated at Baski Uparhar, Distt. Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

16—316GI/75

Date: 22-9-75.

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Radha Krishan Misra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Nath.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 22nd September 1975

Ref. No. 69-R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 216 situated at Baski Uparhar, Distt. Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 17-3-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot No. 216 out of which 3 Biswas is situated at Baski Baski Uparhar, Distt. Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Date : 22-9-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Radha Krishan Misra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Om Prakash.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 22nd September 1975

Ref. No. 8-O/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 216

situated at Baski Uparhar, Distt Allahabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 17-3-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A Plot No. 216 out of which 3 Biswas is situated at Baski Uparhar, Distt. Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-9-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Radha Krishan Misra,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Darbari Lal,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 22nd September 1975

Ref. No. 17-D/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 216

situated at Baski Uparhar, Distt. Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 17-3-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A Plot No. 216 out of which 3 Biswas is situated at Baski Uparhar, Distt. Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 22-9-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sheelchand S/o Shri Barelal Jain, Lordganj, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhawaniprasad S/o Moolchand Sahu, R/o 14, Gujarati Colony, Cherithal, Jabalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th October 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F.

Munshi,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 314 and 315 at Gole Bazar Ward, Satna Building, Jabalpur situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 27-2-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 314 and 315 at Gole Bazar Ward, Satna Building, Jabalpur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 17-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th October 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bungalow No. 295 situated in Napier Town, Jabalpur, situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 1-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Giriraj Kishori Verma widow of Ishwariraj Chandra Verma. 2. Shri Sushil Kumar Verma. 3. Shri Vinay Kumar Verma 295, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Kailashraj Gulati, 2. Shri Madanlal Gulati Madanlal Gulati, 295, Napier Town, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow No. 295 situated in Napier Town, Jabalpur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 17-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th October 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, (hereinafter referred to as the said Act) being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land at Ward No. 16, Jhansi Road, Shivpuri alongwith superstructure situated at Shivpuri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri on 4-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sardar Sonjarao Saheb S/o Sardar Appojirao Shitole Boat club, Bungalow La-Shan A/10, Poona (sold through Shri Narayanraoji S/o Govindraoji Joshi, R/o Jayandraganj, Lashkar now at Ankli Teh. Chikodi, Distt. Belgaon, Mysore).

(Transferor)

(2) Shri Mohankumar Mathuraprasad Mathur, R/o New Santar, Murar, Distt. Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Ward No. 16, Jhansi Road, Shivpuri alongwith superstructure.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 17-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th October 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F.
Munshi,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land at Ward No. 16, Jhansi Road, Shivpuri alongwith superstructure situated at Shivpuri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri on 4-2-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sardar Sonjarao Saheb S/o Sardar Appojirao Shitole Boat club, Bungalow La-shan A/10, Poona (sold through Shri Narayanraoji S/o Govindraoji Joshi, R/o Jayandraganj, Lashkar now at Ankli, Teh. Chikodi, Distt. Belgaon, Mysore.)
(Transferor)

(2) Smt. Bismillah W/o Khudabax, R/o Nilgar Chonhara, Shivpuri.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Ward No. 16, Jhansi Road, Shivpuri alongwith superstructure.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 17-10-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th October 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land at Ward No. 16, Jhansi Road, Shivpuri alongwith superstructure situated at Shivpuri, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivpuri on 4-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
17—316GI/75

(1) Sardar Sonjerao Saheb S/o Sardar Appojirao Shitole, Boat Club, Bungalow, La-shan A/10, Poona (sold through Shri Narayanraoji S/o Govindraoji Joshi R/o Jayandraganj, Lashkar now at Ankli, Teh. Chikodi, Distt. Belgaon, Mysore).

(Transferor)

(2) Smt. Mukram Rajvi W/o M. Hasan, R/o Bahig Mahal, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Ward No. 16, Jhansi Road, Shivpuri alongwith superstructure.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 17-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th October 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land at Ward No. 16, Jhansi Road, Shivpuri alongwith superstructure situated at Shivpuri, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of Shivpuri on 11-2-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act to the following persons, namely :

(1) Sardar Sonjerao Saheb S/o Sardar Appojirao Shitole, Boat Club, Bungalow, La-shan A/10, Poona (sold through Shri Narayanraoji S/o Govindraoji Joshi R/o Jayandraganj, Lashkar, now at Ankli, Teh. Chikodi, Distt. Belgaon, Mysore).

(Transferor)

(2) Smt. Indramoni W/o Durgaprasad Bansal C/o M/s Ramprasad Choithmal, Sardar Bazar, Shivpuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Ward No. 16, Jhansi Road, Shivpuri alongwith superstructure.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 17-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th October 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land at Ward No. 16, Jhansi Road, Shivpuri alongwith superstructure situated at Shivpuri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri on 11-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Sardar Sonjerao Saheb S/o Sardar Appojirao Shitole, Boat club, Bungalow, La-shan A/10, Poona (sold though Shri Narayanraoji S/o Govindraoji Joshi R/o Jayendraganj, Lashkar, now at Ankli, Teh. Chikodi, Distt. Belgaon, Mysore).

(Transferor)

(2) Shri Raghuvirdayal S/o Matadin Bansal C/o M/s Ramprasad Chothmal, Sadar Bazar, Shivpuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Ward No. 16, Jhansi Road, Shivpuri.

M. F. MUNSHI,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 17-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th October 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1412 Sheet No. 103 area 19443 sq. ft in Mohalla Kewalmunda ward Jagdalpur town alongwith all standing structures on it situated at Jagdalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagdalpur on February 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Rejuma Reluma, Jagdalpur through its partners 1. Shri Rejuma S/o Balloma, 2. Reluma S/o Shri Rejuma, 3. Shri Rawaldass S/o Daryama, 4. Hardasma S/o Tilokchand, 5. Thakurma S/o Tiluma.

(Transferor)

(2) M/s Raisaheb Nandkishore Raisaheb Jugalkishore, Jagdalpur, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1412 Sheet No. 103 area 19443 sq. ft. in Mohalla Kewalmunda Ward, Jagdalpur town alongwith all standing structures on it.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 17-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jagendra S/o Kusumchandra Majumdar at present, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Casmiro John Rebello S/o Shri Cpirian Shallow, 2. Smt. Mary Lourds Rebello W/o Shri Casmiro John Rebello, 3/5, Nath Mandir Colony, South Tukoganj, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 17th October 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F.

Munshi,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 3/5 Nath Mandir Colony South Tukoganj, Indore—single storey plot area 3915 sq. ft. pucca R.C.C. construction situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Indore on 11-2-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 3/5 Nath Mandir Colony, South Tukoganj, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Donald Robert (Sanik) R/o 660, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Oma Khanna, R/o Street No. 18, Sadar Bazar, Jabalpur, M.P.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 17th October 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 660, 661 at Napier Town, Jabalpur situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur on 26-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 660, 661 at Napier Town, Jabalpur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 17-10-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) The Binod Mills Co. Ltd., Ujjain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Phoenix Mills Ltd., Senapati Bapat Marg, Bombay.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 17th October 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Leasehold Land with buildings and structures situated at Ujjain, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 12-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Leasehold land with buildings and structures situated at Agar road, Ujjain.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. Pasupathi S/o late Shri Subramaniam, 1464 quarters, South T. T. Nagar, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kusum Mittal wife of Shri B. S. Mittal, 110 Napier Town, Jabalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bhopal, the 17th October 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 54, Narbada Road, Jabalpur situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on February 1975, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 54, Narbada Road, Jabalpur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-10-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th October 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. house situated at college road bearing M. No. 3—area 3996 sq. ft. situated at Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ratlam on 11-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—
18—316GI/75

(1) Smt. Basantibai wd/o Shri Revashankar, 2. Shri Kailashchand, 3. Shri Vishnuchand, 4. Shri Rameshchand, 5. Shri Sucher S/o Revashankar, 6. Smt. Gitabai Wd/o Shri Kunjibharilal, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri R. R. Bohra & Co.—Partner Shri Ramgoal S/o Dhulji Bohra R/o Porbandar Hall, Bang Road, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at College road bearing M. No. 3, area 3996 sq. ft.—Ratlam.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 17-10-1975

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Sohan Lal Nathani 2. Shri Madanmohan. Nathani, 3. Shri Motilal Nathani, 4. Shri Pannalal Nathani, S/o late Shri Ramlalji Nathani, Sadar Bazar, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Ganeshtibai w/o late Shri Gulabchandji Javak Jain Oswal, Satti Bazar, Ward, Raipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th October 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value*exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. plot and house at Satti Bazar, Raipur, situated at Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 20-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and house at Satti Bazar, Raipur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 17-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Jharna Bhattacharjee,
25, Ballygunge Road, Calcutta-19.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati Gouri Goswami,
13, Ganga Kanta Bhaduri Street,
Bally, Howrah.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-V,
CALCUTTA

Calcutta, the 15th October 1975

Ref. No. AC-19/Acq. R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. Inamdar

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

at Mouza Bally, situated at P.S. Bally, Dist-Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 14-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 cottahs 14 chittaks 5 sft. and building thereon at Khatian No. 4038, Dag No. 15871, 15872, 15873 under Mouza & P. Bally, Dist-Howrah as per deed No. 590 dated 14-2-1975.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Calcutta-16.

Date : 15-10-1975

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Tarak Charan Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Neeta Dutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
CALCUTTA

Calcutta, the 15th October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-18/Acq.R-V/Cal/75-76. Whereas, I, S. S. Inamdar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing at Mouza Sukchar, situated at P.S. Khardah, 24-Pgs. building at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barrackpore, 24-Pgs on 5-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 0.80 acres or 2 bighas 8 cottahs 11 chittaks bearing khatian No. 655, C.S. Dag No. 3751 at Mouza Sukchar P.S. Khardah, Dist-24-Pgs as per deed No.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th October 1975

No. Acq. File No. 247 J. No. 1(520)KR/74-75.—
Whereas, I, B. V. Subba Rao,
being the competent authority under section 269-B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 526/1-34 and 534/1-3-77 cents Total 5-11 cents
(Five Acres Eleven cents)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Gannavaram on 15-2-1975
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of
the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-
tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the
'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the
following persons namely :—

- (1) Smt. Maddali Jayaprada,
W/o, Sri Maddali Ananta Padmapabha Prasad,
Punadipadu Village, Krishna Dt. (Transferor)
- (2) Smt. Bhavani Venkata Bhaskaramma,
W/o Sri Parusuramaiah,
Eluru Road, Durga Agraharam, Vijayawada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act' shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 236 of 1975
before the SRO, Gannavaram.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 9-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Minerva Dealers Pvt. Ltd.,
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. H.A.H. Bachooali Tin Factory.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V
BOMBAY-400 020.

Bombay-400 020, the 9th October 1975

Ref. No. AR. V/290/21/74-75.—Whereas, I J. M. Mehra, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot Nos. 6, 7, 9 & 10 S. No. 54, H. No. 1 and survey No. 119 Hissa No. 1 (Part), situated at Nahur Mulund

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of vacant and open land or ground being sub-divided plot Nos. 6, 7, 9 and 10 situated and lying at the village of Nahur (near Mulund) now in Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bandra District Bombay Suburban admeasuring 9766 sq. yds. (Nipe thousand seven hundred and sixty six sq. yds. equivalent to eight thousand one hundred sixty five and decimal fifty two sq. metres or thereabouts) and bearing survey No. 54, Hissa No. 1 (part) and survey No. 119 Hissa No. 1 (Part) and bounded as follows on or towards the North by 56'-0" Road, on or towards the south 33'-0" Road on or towards the East Plot Nos. 12, 13, 14 and 15 and on or towards the West by plot Nos. 2, 3 & 4.

J. M. MEHRA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-V,

Bombay.

Date : 9-10-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri A. Laxminarasinha, S/o A. Chitnabapiraju,
Mannur Camp, Taluk Sirguppa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Indrajitsingh, S/o B. S. Grewal, Door No.
415, Poonamalli High Road, Madras.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 18th October 1975

No. 83/75-76/ACQ.—Whereas, I P. Satyanarayana Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 187-E and 185-A situated at Manur Village of Siruguppa Taluk (Dist. Bellary) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Kampli Under Document No. 1438 on 17-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands situated at Manur village, siruguppa Taluk of Bellary District.

S. No.	Extent (Acres—Cents)
187-E	11—01
185-A	14—56
Total	25—57

P. SATYANARAYANA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 18-10-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR.

Dharwar, the 15th October 1975

No. 82/75-76/Acq.—Whereas, I, P. Satyanarayana Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door No. 646 with the buildings thereon situated at Siruguppa Town, Bellary District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Siruguppa under document No. 2716 on 8-3-1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Galla Ramanna, S/o Yenganna, Trader, Siruguppa (Bellary Dist.). (2) Shri G. R. Babuji, S/o G. Ramanna, Trader, Siruguppa (Bellary Dist.).

(Transferor)

(2) (1) Shri S. Azeez Saheb, S/o Hussain Haheb, Trader, Siruguppa. (2) Shri S. Abdul Rawoof, S/o Azeez Saheb, Trader, Siruguppa (Bellary Dist.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the land with buildings thereon (Cinema Hall, Booking Office Building, Generator Room Building) surrounded by compound walls on all the sides and the Building bearing Door No. 646 situated in Vth Ward of Siruguppa Municipality in Siruguppa Town.

Boundaries :

North—Open land.
South—Siruguppa-Adoni Road.
East—Building of Ravithal Sugarva.
West—Hospital Area and Compound.

P. SATYANARAYANA RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 15-10-1975

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Tulsiram S/o Shri Chhajuram,
Mata Khera Bazar, Alwar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Prakashvanti W/o Sh. Pyarelal,
Near Tehsil Office, Alwar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR.

Jaipur, the 16th October 1975

Ref. No. Raj/IAC/Acq/278.—Whereas, I, C. S. Jain,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Plot No. 285, situated at Alwar

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Alwar on 18-3-1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Building situated at Plot No. 285, Scheme No. 2, Lajpat
Nagar, Alwar.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—
19—316GI/75

Date : 16.10.1975,
Sd/ :

FORM ITNS—

(1) Shri Balvinder Kumar Sharma,
S/o Shri Narain Dass Sharma,
R/o J-2/2-A, Krishan Nagar,
Delhi-52.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI.

(2) Smt. Gayatri Pathak,
W/o Shri Umesh Chandra Pathak,
R/o S-34, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

New Delhi, the 22nd October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/317(905)/75-76.—Whereas, I. S. N.
L. AGARWALA,

being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

G-40 situated at Radhey Puri, Krishan Nagar, Shahdara,
Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on 18/4/1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the 'Said
Act', in respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of
1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the
said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires
later :

(b) by any of the person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 1½ storeyed building constructed on a plot of land
measuring 100 sq. yds. situated in G Block plot No. 40,
Radheypuri, Krishan Nagar, Delhi and founded as under :—

East : Lane 10'

West : Road 20'

North : Property No. G-41

South : Remaining portion of G-40.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI.

New Delhi, the 22nd October 1975

(1) Smt. Radha Kaur,
R/o 1429, Gali Goudni Wali,
Kalan Mahal, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Rafi,
R/o 1429, Gali Goudni Wali,
Kalan Mahal, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period, of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.II/1859(904)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1429, situated at Gali Goudni Wali, Kalan Mahal, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Delhi on March, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Said Act in respect of any income arising from
the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

A single storeyed house constructed on a plot of land measuring 53 sq. yds. situated at Gali Goudni Wali, Kalan Mahal, Delhi-6.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 22-10-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
NEW DELHI.

New Delhi, the 22nd October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/284/(908)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-9/5, situated at Krishan Nagar, Shahdra, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 18-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mohinder Kaur,
W/o Shri Prem Singh,
R/o A-7, Jagat Puri,
Delhi-51.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Kaur
W/o Shri Bhagirath Ram Parkash,
R/o A-4/23, Krishan Nagar,
Delhi-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house constructed on a plot of land measuring 97-2/9 sq. yds. situated at No. B-9/5, Krishan Nagar, Shahdra, Delhi bounded as under:—

North: Road
South: Plot No. B-10/5
East: Plot No. B-9/4
West: portion of B-9/5

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 22-10-1975

Seal:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
NEW DELHI.

New Delhi, the 18th October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/272(906)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-10/4 situated at Krishan Nagar, Goundli, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 4/2/1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Parkash Bhatnagar, W/o
Shri Kul Bhushan, R/o
H-1/4, Krishan Nagar,
Delhi,

(Transferor)

(2) Shri R. K. Mittal,
S/o Shri Jagan Nath,
R/o 71-D, Kamla Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house constructed on a plot of land measuring 164 sq. yds. at No. 4 Block C-10, Krishan Nagar, (Village Goundli), Delhi and Bounded as under :—
East : Property C-10/3
West : Portion of C-10/4
North : Road
South : Property No. C-9/5

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 18-10-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI.

New Delhi, the 22nd October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1722A(907)/75-76.—Whereas, I, S.N.
L. AGARWALA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XIV/6671, situated at Ahata Kidara Bara Hindu Rao, Sadar Bazar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 17/2/1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Kamla Wati W/o
Shri Gopal Dass Chawla, R/o
19/20, Shakti Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Sd/Shri Abdul Zabbar & Shamas-ul-Din
S/o Shri Madar Sahib,
R/o 6753, Ahata Kidara, Bara Hindu Rao,
Sadar Bazar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house bearing Municipal No. XIV/6671 situated in Ahata Kidara, area of Bara Hindu Rao, Sadar Bazar, Delhi and bounded as under :—

North : House No. 6670
East : Gali
South : House No. 6673
West : Property No. 6672

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi,

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14-A ASAF ALL ROAD, 3RD FLOOR
SAHIB SINGH BUILDING,
NEW DELHI.

New Delhi, the 22nd October 1975

Ref. No. IACIACq.I/SR.III/Feb.I(31)74-75.—Whereas, I, C. V. GUPTE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-40; C-41 & C-42 situated at Connaught Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 12/2/1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Avtar Singh Sandhu
S/o S. B. S. Busakha Singh Sandhu,
R/o 5, Jantar Mantar Road,
New Delhi. (Transferor)

(2) M/s. New India Construction Co.,
4/5, Singh Subha Road, Sabji Mandi,
New Delhi. (Transferee)

(3) Shri P. N. Lamba (C-40)
Sh. H. L. Lalwani (C-41)
Sh. Viney Chand (C-42)
[Person in occupation of the property].

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold property of immovable super structure area 7200 sq. ft. on the upper floor having Municipal Nos. C-40, C-41 and C-42, Connaught Place New Delhi Consisting of rooms; Kitchen; bath rooms; front Varandah & facing the Connaught Lane between Connaught Place & Connaught Circus and also bounded as under :—

East: Property of S. Daya Singh
West: Property of S. Joginder Singh
North: Public Road, Connaught Lane
South: Open Compound.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 22-10-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Mangalabai Waman Ketkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Asha Mohan Hingorani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400 020.

Bombay-400020, the 13th October 1975

Ref. No. ARI/1143-13/March 75.—Whereas, I,
N. K. SHASTRI,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
C.S. No. 1742 of Mahim Division situated at Plot No. 32 of
Shivaji Park Scheme at Mahim
(and more
fully described in the Schedule annexed hereto), has been
transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in
the office of the Registering Officer at
Sub-Registry, Mahim on 29-3-1975
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

- (3) Tenants.
[Persan(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land containing an area 561
sq. yds. or thereabouts situate on and being Plot No. 32 of
Shivaji Park Scheme at Mahim of the Municipal Corporation
for the City of Bombay in the City of Bombay and Island
and Registration Sub-District and District of Bombay with
the buildings standing thereon and bounded on the North-
East by a forty feet road, on the South-East by Plot No. 33
of the said Scheme agreed to be leased to Gangaram Bhau
Kolte on the South West by Plot No. 30 of the said Scheme
leased to Bai Bablibai Shapurji Sorabji and on the North-
West by Plot No. 31 of the said Scheme agreed to be leased
to S. V. Apte which portion of land forms part of Cadastral
Survey No. 1742 of Mahim Division and assessed by the
Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under
G Ward No. 4891(2A), Street No. 219AA, Shivaji Park Road
No. 2.

N. K. SHASTRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 13-10-1975

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Piroz Nomanbhai Rangwala & Ois.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mohamed Rafi Haji Ali Mohamed,
Mrs. Bilquis Mohammed Rafi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400 020.

Bombay-400020, the 23rd October 1975

Ref. No. ARI/112-15/March 75.—Whereas, I,
N. K. SHASTRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C. T. No. F/841, situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 5-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—316GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground together with the messuages tenements and buildings, standing thereon situate at Bandra, in the Registration Sub District, District Bombay Suburban (now in Greater Bombay) being Final Plot No. 43 in the Bandra Town Planning Scheme No. III and bearing C.T.S. No. F/841 and admeasuring 855 sq. yds. equivalent to 714.89 sq. mts. and bounded as follows: that is to say on the North by Plot No. 44, Survey No. 842, on the South by 28th Road, on the East by Plot No. 56, Survey No. 840 and on the West by a road and which the said premises are now assessed by the Municipality under H Ward No. 5910(2) and Street, corner of 28th Road and Recreation Road.

N. K. SHASTRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 23-10-1975

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri Mustafa Kamal Tyababi & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. The Airlines Hotel Pvt. Ltd.

(3) Tenants.

[Person(s) in occupation of the property].

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400 020.

Bombay-400020, the 21st October 1975

Ref. No. AR-I/1104-7/Mar. 75.—Whereas, I, N. K. SHASTRI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C. S. No. 1635 of Fort Division, situated at Plot No. 199 in Block II of the Backbay Reclamation (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub Registrar, Bombay on 3-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT the piece of land known as Plot No. 199 in Block II of the Backbay Reclamation Estate of the Government of Bombay within the City and Registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement one thousand nine hundred and twenty-nine square yards equivalent to 1613 square metres or thereabouts together with the Building, messuage and structures standing thereon and bounded as follows: that is to say on or towards the North by Plot No. 200 of the same Estate, on or towards the South by Plot No. 198 of the same Estate, on or towards the East by the Jamshedji Tata Road and on or towards the West by Plot No. 202 of the same Estate and which said piece of land is registered in the Books of the Collector of Bombay under Rent Road No. 10097 and bears C.S. No. 1635 of the Fort Division

N. K. SHASTRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date: 21-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohan Lal T. Bhatia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Green House Premises Owners Co-operative Society Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Tenants.
[Person(s) in occupation of the property].

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400 020.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bombay-400020, the 13th October 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARI/1144-14/March 75.—Whereas, I, N. K. SHASTRI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 217 & 218 of Fort Division situated at Green Street, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sub-Registry, Bombay on 29-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of vacant land or ground of freehold tenure situate lying and being at Green Street, Bombay, in the Registration Sub-District of Bombay in the Island of Bombay containing by admeasurement 280 sq. yds. and Court yard admeasuring 33 sq. yds. or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under New Survey No. 9315(part) Cadastral Survey Nos. 217 and 218 of Fort Division and in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under A(I) Ward No. 1077 and Street Nos. 4—6 Green Street and bounded as follows: that is to say on or towards the East by the property bearing C.S. No. 216 formerly belonging to Prince Aly S. Khan and now belonging to Sylvester M. Fernandes, on or towards the West by a private passage and beyond that by the property bearing C.S. No. 219 formerly belonging to Banubai, widow of Framji Hormusji Commissariatwala and now belonging to Sorab Boman Irani, on or towards the North by the property bearing C.S. No. 220 formerly belonging to Haji Hamed Haji Usman and others and now belonging to Manilal T. Shah and on or towards the South by the aforesaid Green Street.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

N. K. SHASTRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 13-10-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hirjee Lakhmidas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Eastern Chambers Premises Co-operative Society Ltd.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE—IAAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY—400 020.

Bombay-400020, the 21st October 1975

Ref. No. ARI/1108-11/Mar 75.—Whereas, I, N. K. SHASTRI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 171 Princess Dock Division situated at Argyle Road in the Elphinstone Estate, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 3-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (3) Tenants.
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece of land belonging to the Trustees of the Port of Bombay in the Island of Bombay situate at Argyle Road in the Elphinstone Estate containing by admeasurement 579.62 sq. mts. or thereabouts and bounded as follows : the to say on or towards the North by Poona St. on or towards the South by other land belonging to the said Trustees being Plot No. 127A and leased to Ishwarlal Chhaganlal and others trading as M/s. Popat Brothers on or towards the East by Argyle Road and on or towards the West by the other land belonging to the Trustees bearing Final Plot No. 128B leased to Prabhu Dayal Agarwal and others and which said piece of land is registered in the books of the Collector of Land Revenue Bombay under Cadastral Survey No. 171 Princess Dock Division and in the books of the Assessor & Collector of Municipal Rates & Taxes under B Ward No. 4802-4804 St. Nos. 52—58 Argyle Road and 47—49 Kalyan St. and bears Final Plot No. 128A of the Elphinstone Estate Section of the Town Planning Scheme Bombay City No. 1 and is situate in the registration district and Sub-district of Bombay City and Bombay Suburban.

N. K. SHASTRI,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 21-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE—I
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY—400 020.

Bombay-400020, the 22nd October 1975

Ref. No. AR-I/1141-11/Mar 75.—Whereas, I, N. K. SHASTRI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 1059/1060, 1061, 2/1060 and 1062 Lower Parcel Division situated at Prabhadevi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Bombay on 25-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax, Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Goolbanoo Mharwan Irani & Ors. (Transferor)
- (2) Erach Rustom Irani. (Transferee)
- (3) Tenants, [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half Share in:

- (1) Land with the messuages at Prabhadevi 8577 sq. mtrs. Cadastral Survey No. 1062 of Lower Parcel Division.
- (2) Land with the messuages 224 sq. mtrs. C.S. No. 1061 (part) of Lower Parcel Division.
- (3) Land with the messuages 1033 sq. mtrs. C.S. No. 1059 and 2/1060, Lower Parcel Division.
- (4) Land with the messuages 974 sq. mtrs. C. S. No. 1961 and 1/1060 of Lower Parcel Division.

N. K. SHASTRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 22-10-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Belvandi Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nirlon Foundation Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE—I

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,

BOMBAY—400 020.

(3) Tenants,

[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bombay-400020, the 22nd October 1975

Ref. No. AR-I/1118-21/Mar 75.—Whereas, I, N. K. SHASTRI,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 1/1680 of Lower Parel Division situated at Plot No. 254B of the Worli Estate

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Sub-Registrar, Bombay on 13-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece of land containing an area of three thousand eight hundred and eighty nine (3,889) square yards i.e. 3552 square metres or thereabout together with the building constructed thereon and known as "Belvandi House" situate on and being Plot No. 254B of the Worli Estate of the Municipal Corporation of Greater Bombay in the City and Island and Sub-Registration District of Bombay bounded on the North by Plot No. 254-C of the said Estate on the East by the 40 feet road No. 11 on the South by Plot No. 254-A of the said Estate and on the West by 100 feet Dr. Annie Besant Road, which piece of land forms portion of New Survey No. 1418 and bears Cadestral Survey No. 1/1680 of Lower Parel Division and is assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under 'G' Ward 1462(2) Street No. 461D Dr. Annie Besant Road.

N. K. SHASTRI,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I,

Bombay.

Date: 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE—V
BOMBAY.

Bombay-400020, the 21st October 1975

Ref. No. AR.V/291-C/75.—Whereas, I, J. M. MEHRA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 192 Hissa No. 3 situated at Kurla Bombay-70. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 14-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Bishan Singh Santa Singh
2. Smt. Surjit Kaur
3. Shri Mehar Singh Palla Singh
4. Smt. Savindar Kaur
5. Shri Sadhu Singh Wasaka Singh
6. Smt. Gurbanchan Kaur.

(Transferors)

- (2) M/s. Gursevak Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

- (3) Members of Gursevak Co-op. Hsg. Soc. Ltd. [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 816 sq. yds. i.e. 680 sq. metres bearing survey No. 192, Hissa No. 3, Municipal L Ward No. 3706 (9) St. No. 268A, New Agra Road, Kurla, Bombay-70.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V,
Bombay.

Date : 21/10/1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE—V
BOMBAY—400020

Bombay-400020, the 17th October 1975

Ref. No. AR.V/277/74-75.—Whereas, I, J. M. MEHRA, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax Acquisition Range-V Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Old Plot No. 1/1A and new Plot or CTS. No. 457 situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Jagannath Ramchandra Chemburkar.
2. Pushpakumar Gajanan Chemburkar.
3. Vinaykumar Gajanan Chemburkar.
4. Yeshwant Ramchandra Chemburkar.
5. Hemkumar Gajanan Chemburkar.
6. Alka Sadanand Jambolikar Nee.
7. Alka Jagannath Chemburkar.
8. Vaishali Surendra Kubir Nee.
9. Rekha Jagannath Chemburkar.
10. Kiran Jagannath Chemburkar.
11. Jayshree Jagannath Chemburkar.

(Transferors)

- (2) 1. Laxman Umaji Gadkari,
2. Sadanand Bhikaji Kalgutkar,
3. Vithal Bhikaji Kalgutkar.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or plot of land or ground situate lying and being in Chembur, District Bombay Suburban in the Registration Sub-District of Bandra bearing old plot No. 1/1A and new plot or C.T.S. No. 457 in Suburban scheme No. III, Chembur, Little Malabar Hill, and bearing Municipal M. Ward No. 1421 C.S.T. Road, next to Fire Brigade Station admeasuring about 840 sq. yds. i.e. 702.34 square metres and bounded on or about the East by the property of Harichandra Bhaskar Chemburkar NA 25. On or about the West by Fire Brigade station on or about the south by Sion Trombay Road and on or towards the North by Plot No. 6.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-V,
Bombay.

Date: 17/10/1975

Seal;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 18th October 1975

Ref. No. ARI/1120-23/Mar 75.—Whereas, I, N. K. Shastri, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 1429 of Fort Division situated at east side of New Marine Lines Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, -1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay, on 15-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Nathumal Menghraj Virwani & Gamandiram Kevalji Gowani.
(Transferor)
- (2) Court Chambers Premises Co-operative Society Ltd.
(Transferee)

(3) Tenants—Annexure A.

ANNEXURE 'A'—NAMES AND ADDRESSES OF PERSONS IN OCCUPATION OF THE PROPERTY

Ground Floor :

M/s R. C. Bhavnani & Others.—Court Chambers Premises Co-operative Society Ltd., 35, New Marine Lines, Bombay-20.

Konkan Chemicals Pvt. Ltd., Satyapal Travels.
C.Z. Instruments India Pvt. Ltd.

First floor :

- 1-A—M/s Watanmal Boolchand,
- 1-B—M/s Synth Overseas Corpn.
- 1-C—Foresight Advertising Pvt. Ltd.
- 1-D-1—Kala Niryat
- 1-D-2—Rabia Enterprises
- 1-EFG—Spiritual Assembly of Bahais Bahai Center.

II Floor :

- 2-A-1—M/s Allcon & Allcon Powrelite
- 2-A-2—Shri C. N. Sanghavi
- 2-BCD—M/s Marubeni Corporation
- 2-E—Pulgaon Cotton Mills Ltd. Vinar Limited.
- 2-F—M/s Libra (Agencies) Pvt. Ltd.
- 2-G-1—L. D. Joshi & Co.
- 2-G-2—K-Doshi Associated Business Corpn.

III Floor :

- 3-A-1—Shri P. S. Masand—Advocate.
- 3-A-2—Shri V. S. Sabnani—Advocate
- 3-A-3—Shri K. R. Kakar
- 3-B—SITA
- 3-C-1—M/s Kanubhai Engg. Pvt. Ltd.
- 3-C-2—Ereest John & Co.
- 3-D-1—Helm India Pvt. Ltd.
- 3-D-2—Shri R. B. Shah
- 3-E-1—Modern Management Counsel (MMC)
- 3-E-2—M/s P. S. Jain Co. Ltd.
- 3-F—Amalgamated Coal Field Ltd.
Ramchander Badriprasad Carbonates (India) Ltd.
Aradhana Silk Mills Pvt. Ltd.
- 3-G-1—SITA
- 3-G-2—Shri Ramani N.K.—Advocate

IV Floor :

- 4-A-1—Shri D. R. Raiyani—Advocate
Raiyani & Co.
- 4-A-2—Shri Bansilal M. Parikh—Advocate
- 4-B-1—A.C. Kamdar & Co.
- 4-B-2—Mursdon Bakubhai & Sons Pvt. Ltd.
- 4-C-1—Industrial Importers Pvt. Ltd.
Ajanta Roofings Pvt. Ltd.
- 4-C-2—Advertising Consultants (India) Ltd.
- 4-D-1—M/s Viswamangal Housing Co. P. Ltd.
- 4-E-2—
4"—Graphite India Ltd.

IV Floor :

- 4-F-1—Reliance Heat Transfer Pvt. Ltd.
- 4-F-2—S. P. Jain (Rajen & Co.)
- 4-G-1—Navratna Art Jewellers.
- 4-G-2—Shri Harikrishna B. Thakkar.

V Floor :

- 5-A-B—East India Paper Co.
- 5-C—M/s Murlidhar Premchand & Co.
- 5-D—M/s Murlidhar Premchand & Co.
- 5-E—Atik Corporation.
- 5-F—Elof Hanson Limited.
- 5-G—Nitco Tiles (P) Ltd.

VI Floor :

- 6-A-1—Shri N. Gagoomal
- 6-A-2—Shri Kishore L. Raheja.
- 6-B—Poddar Sales Corporation
- 6-C-1—Clarion McCann Advertising Services Ltd.
- 6-C-2—
- 6-D-1—Insimpex Corporation
Survey Settling Syndicate.

- 6-D-2—C. S. Mehta & Co.
 6-E-1—A. Johnson & Co. (India) A. B.
 6-E-2—Aaydeo Corporation Pvt. Ltd.
 6-F—Talati/Shroff & Associate Architects
 6-G-1—Aaydeo Corporation
 6-G-2—Aaydeo Corporation.

(Person in occupation of property)

(4) Annexure B.

ANNEXURE 'B'—NAMES AND ADDRESS OF MEMBERS INTERESTED IN PRIORITY

Ground Floor :

Shri R. C. Bhaynani & Others.
 Shri N. V. Patel & Others.

MMEZANINE FL : Smt. Aline Sinha.

- 1-A—M/s Watanmal Boolchand.
 1-B—Smt. Darshan S. Goel & Smt. Kamla V. Goel
 1-C—Sardar Rajendersingh
 1-D—Sardar Mohansingh
 1-E.F.G.—Spiritual Assembly of Bahais
 2-A-1—M/s Allcon & Allcon
 2-A-2—Shri C. N. Sanghavi
 2-B—Kum Mahtani Chandra &
 Kum Mahtani Hiroo H.
 2-C—Smt. V. Srinivasan
 2-D—Shri Naraindas H. Khemlani
 2-E—Smt. Veenita Sawhney
 2-F—Shri Goswamy Harikishin
 2-G—Smt. Pushpa L. Joshi
 3-A-1—Shri P. S. Masand
 3-A-2—Shri V. S. Sabnani
 3-A-3—Shri K. R. Kakar
 5-C—M/s Gopinath Industrial Investment Corporation.
 3-C-1—Smt. Kala Shamdas Shahani
 3-C-2—Shri Christopher John & Others
 3-D-1—Smt. Koshu I. Jhangiani
 3-D-2—Shri Sham S. Kamlani
 3-E-1—Shri N. H. Atthreya
 3-E-2—M/s P. S. Jain Co. Ltd.
 3-F—Shri Harikishin Goswamy
 3-G-1—Shri Sunderdas Khemlani
 3-G-2—Shri Ramani Gopi K.
 4-A-1—Shri D. R. Raiyani & Smt. Nila Dhirajlal
 Raiyani.
 4-A-2—Shri Bansilal M. Parikh
 4-B-1—Shri A. C. Kamdar
 4-B-2—Smt. Vidyaben Chnadrakant
 4-C-1—Smt. Sarla N. Sakraney
 4-C-2—Shri Ramchand Mirchand
 4-D-1—Shri Maneklal D. Shah
 4-D-2—Smt. Nirmala Shantilal Shah
 4-E—Shri Sekhri B. K.
 4-F-1—His Holiness Vijay Shanti Sureshwarji Charitable
 Trust.
 4-F-2—Shreyash Trust
 4-G-1—M/s Navratna Art Jewellers.
 4-G-2—Smt. Nalini H. Thakkar
 5-A-B—East India Paper Company.
 5-C—M/s Gopinath Industrial Investment Corporation.
 5-D—M/s Gopinath Industrial Investment Corporation.
 5-E—M/s Atik Corporation.
 5-F—Shri I. M. Kadri
 5-G—Shri Vijay Talwar.
 6-A-1—Smt. Usha Gagoomal
 6-A-2—Shri K. L. Raheja
 6-B—M/s Bedrock Tyre & Rubber Co.
 6-C-1—Shri C. T. Khubchandani
 6-C-2—Shri C. T. Khubchandani
 6-D-1—Smt. Ramkunverbai R.
 6-D-2—Shri C. S. Mehta
 6-F-1—Smt. Nalini H. Thakkar.
 6-F-2—Shri Anilkumar Jain
 6-F—Smt. Raniara K. Bhavnani.
 6-G-1—Shri Lalchand H. Jhangiani
 6-G-2—Shri Murli P. Mirchandani.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground of Improve-
ment Trust leasehold tenure being Plot No. 15-A with
messuages, hereditaments and premises standing thereon situ-
ate lying and being on the east side of New Marine Lines
Road, in the Registration District and Sub-District of Bom-
bay in the Island of Bombay containing by admeasurement
2356 sq. yds. (i.e. 1936.47 sq. metres) or thereabouts, known
as "COURT CHAMBERS" and bearing New Survey No.
8543 (part) and cadestral Survey No. 1429 of Fort Division,
and assessed in the books of the Assessor & Collector of
Municipal Rates and Taxes under Ward No. 3521 and
Street No. 29 and bounded as follows : that is to say, on or
towards the East by the land vested in the former Improve-
ment Trust Board on or towards the West by New Marine
Lines Road, on or towards the north by Plot No. 15 and on
or towards the South by Carnegie Road.

N. K. SHASTRI,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 18-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Uma Devi, w/o, Kumar J. N. Deb, Village Rukmininagar, Mouza Beltola Kamrup,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Usha Debi Kajoria, w/o. Shri Dilip Kumar Kajoria C/o. M/s. Ratanlal Ajitsaria, Fancy Bazar, Gauhati.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Shillong, the 22nd October 1975

Ref. No. A-116/Gau/75-76/3493-3501.—Whereas, I Egbert Singh being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 694, K. P. Patta No. 67 situated at Village Jafrigog, mouza Beltola Dt. Kamrup (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gauhati on 30-4-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land measuring 3 (Three) Katta 12 (Twelve) Lecha situated at Zoo Road in the Industrial area of Village Jafrigog under Beltola mouza at Gauhati in the District of Kamrup.

EGBERT SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax (C.A.).
Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-10-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Uma Debi. W/o. Kumar J. N. Deb. Village Rukmininagar, Mouza Betola, Kamrup.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bina Debi Kajoria, W/o Shri Shew Prasad Kajoria C/o. M/s. Ratanlal Ajitsaria, Fancy Bazar, Gauhati.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 22nd October 1975

Ref. No. A-117/Gau/75-76/3504-12.—Whereas, I Egbert Singh being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 694 K. P. Patta No. 67 situated at Village Jafrigog, Mouza Beltola Dt. Kamrup (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 8-5-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 (Three) Katta 12 (Twelve) Lacha situated at Zoo Road, in the Industrial area of Village Jafrigog, under Beltola mouza, at Gauhati, in the District of Kamrup.

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax (CA.),
Acquisition Range, Shillong.

Date : 22-10-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smti. Uma Debi W/o. Kumar J. N. Deb, Village Rukmininagar, mouza Beltola, Kamrup.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ratanlal Ajitsaria, Fancy Bazar, Gauhati.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Shillong, the 22nd October 1975

Ref. No. A-118/Gau/75-76/3515-23.—Whereas, I Egbert Singh being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

bearing No. 1326, K. P. Patta No. 49 situated at Village Jafrigog, Mouza Beltola District Kamrup (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 8-5-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Land measuring 3 (Three) Katta 12 (Twelve) Lecha situated at Zoo Road, in the Industrial area of village Jafrigog under Beltola Mouza at Gauhati, in the District of Kamrup.

EGBERT SINGH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 22-10-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smti Uma Debi, W/o Kumar J. N. Deb, Village Rukmininagar, Mouza Deltola, Kamrup.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smti Radha debi Kajoria, W/o. Shri Bijay Kumar Kajoria C/o M/s. Datanlal Ajitsaria, Fancy Bazar Gauhati.
(Tarnsferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-SHILLONG

Shillong, the 22nd October 1975

Ref. No. A-115/Gau/75-76/3482-90.—Whereas, I Egbert Singh

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag. No. 1326, K. P. Patta No. 49 situated at Village Jafrigog, mouza Beltola Dt. Kamrup (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gauhati on 30-4-75.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 (Three) Katta 12 (Twelve) Lecha situated at Zoo Road in the Industrial area of village Jafrigog, under Betola Mouza at Gauhati in the Dist of Kamrup.

EGBERT SINGH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 22-10-75

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 22nd October 1975

Ref. No. C.A. 5/February'75/Bombay (Poona)/248/75-76.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Old Survey No. 102A, 102B, 102C, 112 & 113 situated at Lonavla (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 11-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Kamalini M. Parpia, C/o. M/s Matubhai Jamietram & Madan, Solicitors, Latin Chambers, Dalal Street, Bombay 400 001.

(Transferor)

(2) (1) Shri M. L. Dantwala
(2) Shri Aloo Dastur
(3) Shri Sukhamoy Chakarvarty
(4) Shrimati Rajni Kothari,
(5) Shri K. N. Raj
(6) Shri Nilkanth Rath
(7) V. M. Dandekar,
being the members of the Council of India,
School of Political Economy, C/o. M/s Bhai-shankar Kanga & Girdharlal, Solicitors,
Manekji Wadia Bldg., 3rd floor, 11, Bell Lane,
Bombay 400 001.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold one third share of the transferor in the piece of land bearing Final Plot No.167 in Lonavla Town Planning Scheme I (under formation) and bearing old Survey No. 102A, 102B, 102C, 112, Hissa No. 2 and Survey No. 113 Hissa No. 3 together with dwelling houses, outhouses and other structures standing thereon admeasuring 40467 sq. yds. at Mouje Tungarli in the Registration sub-district of Maya Dist. Poona within the limits of Lonavla Municipality.

(property as mentioned in the Registered deed No. 625 of February, 75 of the Registering Authority, Bombay).

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of,
Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 22-10-75.
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Sulochana S. Moolgavkar, C/o. M/s Matubhai Jamietram & Madan, Solicitors, Lantini Chambers, Dalal Street, Bombay 400001.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 22nd October 1975

Ref. No. C.A. 5/February'75/Bombay (Poona)/247/75-76.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Old Survey No. 102A, 102B, 102C, 112 & 113 situated at Lonavla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 12-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

- (2) (1) Shri M. L. Dantwala
- (2) Shri Aloo Dastur
- (3) Shri Sukhamoy Chakarvarty
- (4) Shri Rajni Kothari,
- (5) Shri K. N. Raj
- (6) Shri Nilkanth Rath
- (7) V. M. Dandekar,
being the members of the Council of Indian School of Political Economy, C/o. M/s Bhaishankar Kanga & Girdharilal, Solicitors, Manekji Wadia Bldg., 3rd floor, 11, Bell, Lane, Bombay 400001. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold one third share of the transferor in the piece of land bearing Final Plot No.167 in Lonavla Town Planning Scheme I (under formation) and bearing old Survey No. 102A, 102B, 102C, 112, Hissa No. 2 and Survey No. 113 Hissa No. 3 together with dwelling houses, outhouses and other structures standing thereon admeasuring 40467 sq. yds. at Mouje Tungarli in the Registration sub-district of Maval Dist. Poona within the limits of Lonavla Municipality.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 624 of February, 75 of the Registering Authority, Bombay).

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 22-10-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Air Marshal Hrishikesh S. Moolgavkar C/o. Natubhai Jamietram & Madan, Solicitors, Latin Cambers, Dalal Street, Bombay 400001. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 60/61
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 22nd October 1975

Ref. No. C.A.5/February'75/Bombay(Poona)/249/75-76.—
Whereas, I H. S. Aulakh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Old Survey No. 102A, 102B, 102C, 112 and 113 situated at Lonavla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (2) (1) Shri M. L. Dantwala
- (2) Shri Aloo Dastur
- (3) Shri Sukhamoy Chakarvarty
- (4) Shri Rajni Kothari
- (5) Shri K. N. Raj
- (6) Shri Nilkanth Rath
- (7) V. M. Dandekar,
being the members of the Council of Indian School of Political Economy, C/o. M/s Bhai-shankar Kanga & Girdharilal, Solicitors, Manekji Wadia Bldg., 3rd floor, 11, Bell, Lane, Bombay 400001. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold one third share of the transferor in the piece of land bearing Final Plot No.167 in Lonavla Town Planning Scheme I (under formation) and bearing old Survey No. 102A, 102B, 102C, 112, Hissa No. 2 and Survey No. 113 Hissa No. 3 together with dwelling houses, outhouses and other structures standing thereon admeasuring 40467 sq. yds. at Mouje Tungarli in the Registration sub-district of Maval, Poona within the limits of Lonavla Municipality.

(property as mentioned in the Registered deed No. 625 of February, 75 of the Registering Authority, Bombay).

H. S. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 22-10-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Balkrishna Dharamdas Vora, 32, Mount Mary Hill, Bandra, Bombay-50. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pushpavati Natwarlal Worah, Adenwalla Road, Matunga, Bombay-19. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61,
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA.**

Poona-411004, the 20th October 1975

Ref. No. C.A.5/Feb '75/Bombay(Poona)/246/75-76.—
Whereas, I H. S. AULAKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 26 and 29 situated at Bhamburda (Poona) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 13-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold open plot at Bhamburda, Bombay Road, Kirkee bearing Final plot No. 26 and 29, in the Registration Dist. of Haveli, Dist. Poona, Area : 15,198.89 sq. yds.

(Property as mentioned in the Registered deed No. 545 dated 13-2-75 of the Registering authority, Bombay).

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 20-10-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Usha Gupta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sycme India Limited.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
LUCKNOW.

Lucknow, the 1st October 1975

Ref. No. 82-5/Acq.—Whereas I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 227 situated at Vill. Majhola Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 29-3-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot measuring 26953 Sft. with boundary wall—situated at Village Majhola Pargana Distt.—Moradabad.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-V, Lucknow.

Date : 1-10-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Radha Devi Shav

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chand Kothari and others

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 6th October 1975

Ref. No. 83-5/Acq.—Whereas I, Bishambhar Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B 12/2, situated at Gauri Ganj, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 6-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-12/2 plinth Areas—2000 s.ft.—situated at Gauriganj, Varanasi.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 6-10-1975

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Nabisher Khan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Babu Ram & others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th September 1975

Ref. No. 47-B/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 76, 174/2 and 102 situated at Vill. Kaitholia, Teh. Beesalpur Distt, Pilibhit (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beesalpur on 13-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any incomes arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later :

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of Agricultural land—measuring total 9.45 Acres—situated at Vill—Kaitolia, Teh—Beesalpur, Distt—Pilibhit.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 11-9-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nabisher Khan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Shri Net Ram and others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th September 1975

Ref. No. 12-N/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 76, 174/2 and 102 situated at Vill. Kaitholia Teh. Beesalpur Dist. Pilibhit (and more fully described in the Schedule part I annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beesalpur on 13-6-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of Agricultural land—measuring total 9.45 Acres—situated at Vill. Kaitholia, Teh. Beesalpur Dist.—Pilibhit.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 11-9-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vijai Kumar.

(Transferor)

(2) M/s. Sycme India Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 1st October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 82-5/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 223 situated at Vill. Majhola Pargana Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 29-3-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A plot measuring 4995 Sq. ft. with 2 room servant quarter, a tube well, water tank and drain situated at village Majhola Pargana Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-10-75

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 21st October 1975

Ref. No. IAC/Acq. I/SRIII/735/(34)/April-II/75-76.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-157 (Residential) situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 28-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Jagdish Chander Chadha s/o Sh. Kahm Chand Chadha r/o 388 Double Storey flats, New Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri V. A. Kumar s/o Late Sh. Attar Chand Jain, Smt. Raj Kumari r/o C-526, Defence Colony, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot bearing No. 157 'M' Block, situated in the residential Colony known as Greater Kailash-II, New Delhi, having an area of 400 sq. yds. and being in Revenue Record of Village Bhapur in the Union Territory of Delhi State & within the limits of Delhi Municipal Corporation, Delhi & is bounded as under :—

East—Service Lane
West—Road
North—Plot No. M-155
South—Plot No. M-159

C. V. GUPTÉ
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 21-10-75

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 21st October 1975

Ref. No. IAC/Acq. I/SR III/May-II/799/(48)/75-76.—whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-326, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

23—316GH/75

- (1) Shri Didar Singh; and Shri Sewa Singh s/o Sh. Gurmukh Singh r/o D-3/12, Model Town, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Harbachan Kaur, w/o Sh. Harbans Singh c/o M/s. Delhi Textile Katra Ashrafi, Chandni Chowk, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half undivided share in Plot No. 326 in Block 'S' measuring 476 sq. yd. ($\frac{1}{2}$ being 238 sq. yds.) situated in the Colony known as Greater Kailash-II, New Delhi, in the area of Village Bahapur in the Union Territory of Delhi & bounded as under:—

North—Road
South—Plot No. S-328
East—Service Lane
West—Road

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 21-10-75
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Parkash Wati wd/o Shri Maya Dass r/o
E-89, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar Aneja, s/o Shri Ram Sarup
Aneja, r/o A-40, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1975

Ref. No. IAC/ACQ. II/1851(892)/75-76.—Whereas,
I, S. N. L. Agarwala,
being the competent authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 17/100 share of plot No. 8 situated at Industrial
Area, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Delhi on 18-3-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA
of the said Act, shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

17/100 share in property No. 8 Industrial Area on
Najafgarh Road, area of village Bassai Darapur, New
Delhi measuring 2044.44 sq. yds, consisting of one tin
shed office block and boundary wall and Bounded as
under :—

North—DCM land
South—Najafgarh Road
East—Plot No. 7
West—Plot No. 9

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 16-10-1975

Seal :